रविवार
28 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

चीन में बिहार के प्रियांश ने तीरंदाजी में दिखाया जलवा

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

रोहतास जिले के नोखा में हुई दुःखद घटना

झोपड़ी में लगी आग से 4 लोग जिंदा जले

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास में झोपड़ी में आग लगने से चार लोग जिंदा जल गए। घटना जिले के नोखा थाना अंतर्गत रुपहथा गांव की बताई जाती है। जहां महादलित के झोपड़ी नुमा घर में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरा घर इसकी चपेट में आ गया। फायर ब्रिगेड की टीम और स्थानीय लोग जब तक मदद करने पहुंचे तब तक चार लोगों को आग में झुलसकर मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बचाव व राहत कार्य में जुट गई। झोपड़ी में आग कैसे लगी अभी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। हादसे में महिला समेत दो लोग झुलस गए हैं। इन्हें इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया गया है। अग्निशमन पदाधिकारी नवल किशोर ने बताया कि काफी मशक्कत के बाद दो दमकल वाहन से आग पर काबू पाया गया।

घर में सो रहे थे सभी लोग : घटना में दिनेश राम की दो पुत्री ममता कुमारी, किरण कुमारी, बहू सुनीता, नतनी सरिता कुमारी की मौत हो गई। घटना में दिनेश राम की पत्नी शिव व्रत देवी तथा पुत्र मंटु राम गंभीर रूप झुलस गए। घटनास्थल पर सासाराम एसडीएम आशुतोष रंजन सहित अन्य पदाधिकारी पहुंचे और घटना की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि घर में परिवार के सभी लोग सोए हुए थे। चिंगारी से झोपड़ी नुमा घर देखते ही देखते भयावह रूप ले लिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते आग पर काबू पाते तब तक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। वहीं बचाने के लिए पहुंचे दिनेश राम की पत्नी शिव व्रत देवी, पुत्र मंटु राम गंभीर रूप से झुलस गए।

नालंदा में करंट लगने तीन लोगों की मौत

नालंदा। नालंदा में शनिवार की सुबह करंट लगने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना वारसलीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत खीरभोजना गांव की है। मृतकों की पहचान कतरी सराय थाना क्षेत्र अंतर्गत तार बीघा निवासी उमेश राम के पुत्र पंकज कुमार (28) और मिट्ठू कुमार (25) एवं गिरियक थाना क्षेत्र के लक्खा चक निवासी पिंटू राम के पुत्र गुलशन कुमार (14) के रूप में की गई है। वहीं इस घटना में उमेश राम की बड़ी बहू रंजू देवी को सदमा के कारण तबियत बिगड़ गई है। पंकज कुमार एवं मिट्ठू कुमार आपस में सहोदर भाई थे, जबकि गुलशन भांजा था। रंजू बड़ी भाभी है। घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि गुलशन कुमार शौच के बाद पानी छूने के लिए तालाब में गया था। पानी में करंट था, इसलिए पानी छूते ही वह करंट के संपर्क में आ गया। गुलशन को करंट लगते देख उसके दोनों मामा दौड़कर उसके पास पहुंचे, जहां दोनों भी करंट के संपर्क में आ गये। इसके बाद तीनों को स्थानीय लोगों की मदद से करंट से मुक्त कराते हुए निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

मछली चोरी न हो इसके लिए करेंट से घेरा गया था पोखर : परिजन ने बताया कि नवादा जिला के वारसलीगंज थाना क्षेत्र के खीर भोजना गांव निवासी प्रमोद प्रसाद का तालाब है, जहां गुलशन कुमार शौच के बाद पानी छूने गया था। तालाब के चारों तरफ करंट लगाया हुआ है जिसकी जानकारी गुलशन को नहीं थी। तालाब में कोई शरारती तत्व मछली ना मार ले, इसे लेकर तालाब के चारों तरफ करंट लगाई गई थी।

इंडी गठबंधन का बस चले तो पांच साल में पांच पीएम बना दे: मोदी

एजेंसी/कोल्हापुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि वह सत्ता में आने की स्थिति में पांच साल में पांच प्रधानमंत्री बनाने पर विचार कर रहा है। मोदी ने पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक चुनावी रैली में कहा कि विपक्षी गठबंधन तीन अंकों के आंकड़े या सरकार बनाने के दरवाजे तक भी नहीं पहुंच सकता, लेकिन अगर उसे मौका मिला तो उसकी योजना हर साल एक प्रधानमंत्री बनाने की है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस ने बारी-बारी से मुख्यमंत्री का पद 2.5 साल के बाद उपमुख्यमंत्री को सौंपने की योजना बनाई है। उसके पास छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी यह व्यवस्था थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक मॉडल को पूरे देश में लागू करना चाहती है, जिसमें मुसलमानों को ओबीसी के 27 प्रतिशत कोटे में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के

नेतृत्व वाले गठबंधन ने सामाजिक न्याय की हत्या करने की कसम खा रखी है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए इतना नीचे गिर गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान को बदलना चाहती है और धर्म आधारित आरक्षण के लिए दलितों, ओबीसी से आरक्षण का लाभ छीनना चाहती है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने न केवल अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का विरोध किया, बल्कि इसकी प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को भी अस्वीकार कर दिया। संपत्ति बंटवारे को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शहजादे आपकी संपत्ति तलाश कर उन लोगों को बांटना चाहते हैं, जिनका पार्टी ने देश के संसाधनों पर पहला हक बताया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विरासत कर लगाना चाहती है और लोगों से उनकी विरासत छीनना चाहती है। ऐसे लोगों को सत्ता में आने का थोड़ा सा भी मौका नहीं मिलना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी लोगों से कर रहे बकवास बातें : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गप्पबाज अंकल की कहानी सुनाकर प्रधानमंत्री की बयानबाजी पर चुटकी ली। प्रियंका गांधी ने कहा कि हर परिवार में शादी के समय एक अंकल जी होते हैं जो बैठकर सबको ज्ञान देते रहते हैं। एक दिन अंकल जी कहने लगें कि कोई सरकार आएगी और एक्सरे मशीन से ढूंढकर आपके गहने चुरा ले जाएगी। तो आप क्या करते? हंसते न! आज देश के प्रधानमंत्री अपने पद की गंभीरता को आधार बनाकर ऐसी बकवास बातें आपसे कर रहे हैं? क्या ये सच हो सकता है? प्रियंका गांधी यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने कहा कि इनका सीना 56 इंच का नहीं है, हमारे सीने लोहे के हैं। इन्होंने हमारे परिवार को कितनी गाली दी। मां, पिता, दादी, दादा, परदादा, भाई, पति किसी को नहीं छोड़ा। लेकिन कोई बात नहीं। हमें परवाह नहीं। इनका सीना 56 इंच का नहीं है। हमारे सीने लोहे के हैं। प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी के मंगलसूत्र वाले बयान पर भी जवाब दिया और कहा किह्लवह अब लोगों को चेतावनी दे रहे हैं कि कांग्रेस एक्स-रे मशीन के साथ उनके घरों में घुसकर तलाशी लेगी, फिर आपके गहने और साथ ही तिजोरियों में रखे मंगलसूत्र भी छीन लेगी और दूसरों को दे देगी। क्या यह भी संभव है? क्या वह घबराहट के कारण ऐसा कर रहे हैं।

तारक मेहता के रोशन सिंह सोढ़ी पांच दिनों से लापता

एजेंसी/नई दिल्ली

तारक मेहता का उल्टा चश्मा नामक धारावाहिक में रोशन सिंह सोढ़ी का किरदार निभाने वाले गुरचरण सिंह सोमवार से लापता हैं। गुरचरण के पिता ने पालम थाने में उनके लापता होने की शिकायत दी है। पिता का कहना है कि वह घर से मुंबई जाने के लिए निकले थे, लेकिन वह न तो मुंबई पहुंचे और न घर वापस आए हैं। शिकायत पर पालम थाना पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक गुरचरण सिंह सपरिवार साध नगर पालम में रहते हैं। पालम थाने में दी शिकायत में पिता हरजीत सिंह ने कहा है कि उनका बेटा गुरचरण सिंह सोमवार सुबह मुंबई जाने के लिए घर से निकला था। उन्हें आईजीआई

एयरपोर्ट से मुंबई के लिए उड़ान पकड़नी थी। परिवार वालों ने उनके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन मोबाइल बंद है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया गया है। उनके घर से लेकर आईजीआई एयरपोर्ट तक के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला जा रहा है। साथ ही पुलिस उनके मोबाइल की कॉल डिटेल और लोकेशन की भी जांच कर रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि उनका फोन कहां बंद हुआ है।

केजरीवाल की पत्नी ने दिल्ली में किया रोड शो... बोलीं- पति के साथ हो रहा अन्याय

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शनिवार शाम पूर्वी दिल्ली से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार के समर्थन में अपना पहला लोकसभा चुनाव रोड शो किया। एक कार में सवार सुनीता केजरीवाल ने पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के कोंडली क्षेत्र में मतदाताओं का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। कार में कुलदीप कुमार के पास खड़ीं सुनीता केजरीवाल रास्ते में जुटी जनता का अभिवादन स्वीकार करते हुए भावुक लहजे में सिर्फ एक ही सवाल उठातीं, 'अरविंद जी का क्या कसूर था जो उन्हें जेल में बंद कर दिया गया, क्या ये लोग उन्हें खत्म करना चाहते हैं।' जैसे ही वह यह सवाल करतीं, साथ चल रहे कुछ कार्यकर्ता केजरीवाल का पोस्टर उपर उठाते नजर आते, जिन पर 'जेल का जवाब वोट से' लिखा हुआ था।

जनता को संबोधित करते हुए सुनीता केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के सीएम को पिछले 12 साल से शुगर है। वह रोजाना इंसुलिन लेते हैं। जेल जाने के बाद उन्हें इंजेक्शन नहीं लगने दिया जा रहा था। क्या ये लोग उन्हें खत्म करना चाहते हैं। उनके साथ अन्याय किया जा रहा है। उनका क्या कसूर है। आप सबको देखकर बहुत संतुष्टि मिलती है। दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल को इतना प्यार करती है यह इन लोगों से देखा नहीं जाता है।

उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग दिन-ब-दिन होती जा रही विकराल

एजेंसी/देहरादून

उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग भीषण हो गई है। वहीं कुमाऊं में जंगल धधक रहे हैं। आग की घटनाएं लगातार जारी हैं। बीते 24 घंटे में एक-दो नहीं बल्कि कुमाऊं के जंगलों में 26 जगहों पर आग लगी है। प्रदेश के 31 जगहों पर आग लगने की घटना हुई है, इसमें सर्वाधिक आग लगने की घटना कुमाऊं में 26 स्थानों पर हुई। गढ़वाल मंडल में कोई भी घटना नहीं हुआ है, जबकि वन्यजीव क्षेत्र में पांच स्थानों पर आग लगने की घटनाएं हुईं। इन घटनाओं में करीब 34 हेक्टेयर क्षेत्रफल में वनसंपदा को नुकसान पहुंचा है।

इस वर्ष बारिश व बर्फबारी न होने से गर्मी अधिक होने लगी है। बढ़ते तापमान के बीच नैनीताल व आसपास के जंगलों में भीषण आग लगी हुई है। खड़ी पहाड़ियों में आग लगने के चलते वन विभाग व दमकल विभाग

की टीम भी कई स्थानों पर आग पर काबू नहीं पा सकी है। जिसके चलते जंगल जलकर राख हो चुके हैं। अब आग पर काबू पाने के लिए हेलीकॉप्टर की मदद ली जा रही है। गढ़वाल मंडल के टिहरी, पौड़ी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली जिले के जंगल लगातार धधक रहे हैं। ज्यादातर चीड़ के जंगलहोने के कारण आग तेजी से फैल रही है। वनकर्मी आग बुझाने में जुटे हैं। एक स्थान पर आग बुझती है तो दूसरी जगह भड़क उठती है। आग से बड़ी मात्रा में वनसंपदा को नुकसान पहुंचा है।

मणिपुर में कुकी उग्रवादियों ने सीआरपीएफ कैंप पर किया हमला, दो जवान शहीद

आधी रात हमला

एजेंसी/इंफाल

मणिपुर में लोकसभा चुनाव के एक दिन बाद ही कुकी उग्रवादियों ने नारानसेना इलाके में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों पर हमला कर दिया। इस हमले में दो जवानों की मौत की भी खबर है। मणिपुर पुलिस ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि कुकी उग्रवादियों ने आधी रात 12.30 बजे सीआरपीएफ के कैंप पर हमला किया और यह 2.15 बजे तक जारी रहा। हमले में मारे गए जवान राज्य के बिष्णुपुर जिले के नारानसेना इलाके में तैनात सीआरपीएफ की 128वीं बटालियन के हैं।

मणिपुर पुलिस के मुताबिक, इस घटना में दो और लोग घायल भी हुए हैं। बताया गया है कि उग्रवादियों ने मोइरांग पुलिस स्टेशन क्षेत्र के नरनसेना में इंडियन रिजर्व बटालियन के कैंप को निशाना बनाया। इस दौरान उग्रवादियों ने पहाड़ की चोटियों से अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस दौरान हमलावरों ने कैंप पर कई बम भी फेंके, जिनमें से एक सीआरपीएफ के आउटपोस्ट के बाहर ही फट गया। हमले में मारे गए मृतकों की पहचान कर ली गई है। इनमें एक सीआरपीएफ के सब-इंस्पेक्टर एन. सरकार हैं। इसके अलावा कॉन्स्टेबल अरूप सैनी की भी जान गई है। वहीं, घायलों में इंस्पेक्टर जादव दास और कांस्टेबल अफताब दास शामिल हैं। उन्हें गोलियों के छर्रे लगे हैं। इस घटना के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की खोज शुरू कर दी है।

मणिपुर में लगातार जारी है हिंसा का दौर

पिछले साल तीन मई को मणिपुर में हिंसा का दौर शुरू हुआ था। अभी तक वहां पर 200 से ज्यादा लोगों की जान गई है। सुरक्षाबलों से जुड़े लोगों को भी वहां की हिंसा का शिकार होना पड़ा है। भारी संख्या में लूटे गए हथियारों की पूर्ण वापसी अभी तक नहीं हो सकी है। ज्यादातर लोगों को मणिपुर पुलिस पर भरोसा नहीं है, तो वहीं असम राइफल को लेकर भी समुदाय विशेष के लोगों में रोष देखा गया है। उपद्रवियों द्वारा आईईडी का डर दिखाकर सुरक्षा बलों के वाहनों को आगे नहीं बढ़ने दिया जाता था। स्थानीय पुलिस पर पक्षपात करने जैसे आरोप लग चुके हैं।

प्रवर्तन एजेंसियों व उड़नदस्तों द्वारा अवैध शराब, नकदी की जब्ती संबंधी निर्देशों का किया जा रहा अनुपालन

यूपी में अब तक 32281 लाख की शराब, ड्रग व नकदी जब्त

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में प्रवर्तन एजेंसियों व उड़नदस्तों द्वारा अवैध शराब, नकदी आदि की जब्ती संबंधी निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। इसी क्रम में आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 25 अप्रैल, 2024 को कुल 127.51 लाख रुपए कीमत की शराब, ड्रग व नगदी आदि जब्त किया गया। इस तरह 1 मार्च से 25 अप्रैल, 2024 तक कुल 32281.70 लाख रुपए कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नकदी आदि जब्त किए जा चुके हैं।

मिजार्पुर में पकड़ी गई 38 लाख रुपए की

ड्रग: प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी, नवदीप रिणवा ने बताया कि आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा प्रदेश में लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 25 अप्रैल गुरुवार को 127.51 लाख रुपए कीमत की शराब, ड्रग व नगदी जब्त की गई। इसमें 13.93 लाख रुपए नकद, 49.95 लाख रुपए कीमत की 18628.60 लीटर शराब, 63.62 लाख रुपए कीमत की 193367.70 ग्राम ड्रग व 0.01 लाख रुपए कीमत की अन्य सामग्री शामिल है। 25 अप्रैल को प्रमुख जब्ती में जनपद मिजार्पुर की मड़िहान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 38 लाख रुपए अनुमानित कीमत की 152000 ग्राम ड्रग पकड़ी गई है।

अब तक पकड़ी गई 4435 लाख रुपए की शराब

1 मार्च से 25 अप्रैल तक जो 32281.70 लाख रुपए कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नगदी जब्त की गई है उसमें 3181.54 लाख रुपए नकद, 4435.47 लाख रुपए की शराब, 21346.72 लाख रुपए कीमत की ड्रग, 2161.59 लाख रुपए कीमत की बहुमूल्य धातुएं एवं 1156.39 लाख रुपए कीमत की अन्य सामग्री शामिल है। मालूम हो कि निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है।

बिहार के प्रियांश ने तीरंदाजी में दिखाया जलवा, शंघाई वर्ल्ड कप स्टेज-1 में गोल्ड और सिलवर मेडल किया अपने नाम

केटी न्यूज/पटना

एक बार फिर तीरंदाज प्रियांश ने अपनी तीरंदाजी का कमाल दिखाया है। चीन के शंघाई में हो रहे तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-1 में प्रियांश ने दो मेडल अपने नाम किये हैं। टीम इवेंट में प्रियांश ने अभिषेक वर्मा और प्रथमेश के साथ मिलकर खेलते हुए भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। टीम इवेंट में भारत ने नीदरलैंड को मात दी। प्रियांश ने व्यक्तिगत स्पर्द्धा में रजत पदक हासिल किया। व्यक्तिगत स्पर्द्धा में प्रियांश का मुकाबला ऑस्ट्रिया के नीको वाइनर के साथ था। तीरंदाजी विश्व कप स्टेज चार स्टेज में होता है। इसका पहला स्टेज चीन के शंघाई में खेला गया। दूसरा स्टेज दक्षिण कोरिया में खेला जाएगा। तीसरा स्टेज तुर्की में और तीरंदाजी विश्व कप स्टेज का चौथा स्टेज अमेरिका में होगा।

शंघाई में मेडल जीतने के साथ ही प्रियांश तीरंदाजी विश्व कप स्टेज के तीसरे और चौथे स्टेज के लिए भी क्वालिफाई कर गया है। आने वालेतीरंदाजी विश्व कप स्टेज के अलग अलग दौर में प्रियांश को और मेहनत करनी होगी ताकी व्यक्तिगत स्पर्द्धा में भी भारत के स्वर्ण पदक जीत सके। प्रियांश 2023 का यूथ वर्ल्ड चौंपियन भी है जबकि 2022 में राष्ट्रीय चौंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया था। प्रियांश दिल्ली में रहता है और दिल्ली स्टेट के लिए खेलता है लेकिन बिहार के बेगूसराय से उसका गहरा नाता है।

उसके पिता राकेश कुमार एक वरिष्ठ पत्रकार हैं जो बेगूसराय जिले के रहने वाले हैं। शंघाई में हो रहे तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-1 1 में प्रियांश की सफलता को देखते हुए बेगूसराय सर्वोदय नगर में रहने वाले उनके चाचा एडवोकेट संजय कुमार बेहद खुश हैं। उनका कहना है कि दसवीं से प्रियांश ने तीरंदाजी सीखना शुरू किया था और बेहद कम समय में वो एक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी बन गया है। उन्हें गर्व है कि उनका भतीजा प्रियांश देश के लिए खेलता है। अभिभावकों को पूरा विश्वास है कि उनका लाल अंतराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगा। देश के लिए ओलपिंक मेडल जीतेगा।

मुसलमानों के लिए हिंदुओं का गला काट रही कांग्रेस : गिरिराज सिंह

केटी न्यूज/बेगूसराय

कर्नाटक सरकार ने आरक्षण का लाभ देने के लिए मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में शामिल किया है। इस मामले की जानकारी राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग ने प्रेस रिलीज जारी करके दी। इसके बाद अब इस मामले में भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने जोरदार पलटवार किया है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने मुसलमानों के लिए हिंदुओं का गला काट लिया। गिरिराज सिंह ने कहा कि इंडिया गठबंधन में भी अभी यही रार छिड़ी हुई है मुसलमान पर किसका हक है यानी किसका वोट हैं। यह वहीं कांग्रेस पार्टी है जो मुसलमान के लिए हिंदुओं का गला काट दी थी। हिंदुओं का जो आज तक नहीं हुआ था मुसलमानों के लिए कांग्रेस ने वह काम किया। इसके आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि देश में गृह युद्ध हो जाए। यदि ओबीसी समाज का अधिकार कांग्रेस चीन की तो फिर कांग्रेस क्या चाहती है? मुसलमान को ओबीसी का दर्जा देकर यही चाहती है कि ओबीसी समाज के लोग सड़क पर उतर जाएं और हंगामा हो। वरना कर्नाटक में यह आरक्षण लागू नहीं होता है। इसके अलावा उन्होंने उन्होंने लालू यादव पर भी निशाना चाहते हुए कहा कि जब कर्नाटक का मुद्दा उठा तो उनकी जुबान चुप है और तेजस्वी यादव भी कुछ नहीं बोल पा रहे हैं। वह बताएं क्यों ओबीसी समाज का हक क्यों मारा जा रहा है। सिर्फ कांग्रेस एवं राजद के द्वारा तुष्टिकरण की राजनीति की जा रही है और यही वजह है कि महागठबंधन में शामिल बाकी दल चुपचाप बैठे हैं। उधर, लेक्टोरल बांड पर विपक्ष के द्वारा उठाए जा रहे सवाल के जवाब में कहा कि शराब कंपनी से सबसे पहले लालू यादव ने ही चंदा लेने का काम किया था और आज यही लोग इलेक्टोरल बॉन्ड पर मोदी को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन यहां सब चीज साफ है और उनका जवाब भी मिल रहा है।जबकि सच्चाई है कि असदुद्दीन ओवैसी में जिन्ना का जिन है और यह लोग समाज को तोड़ने एवं तुष्टिकरण की राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं ।

तेजस्वी बोले...पीएम इतना झूठ बोल चुके हैं कि अब बोलने के लिए कुछ नहीं बचा

केटी न्यूज/पटना

दूसरे चरण के चुनाव के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है। एक ओर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता अपनी जीत का दावा कर रहे हैं तो वहीं महागठबंधन के नेता इंडी गठबंधन की जीत का दवा कर रही। अब नेता प्रतिपक्ष ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश में इंडी गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि दूसरे चरण के बाद पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी के नेता फ्रस्ट्रेशन में हैं और आप देख रहे हैं कि 400 का नारा वाला मामला प्रधानमंत्री भूल चुके हैं। पहले फेज में तो यह पूरी तरह फ्लॉप हो गया दूसरे पेज में जो तो पर्दे पर चढ़ा ही नहीं है।

सिर्फ मुद्दे को भटकाने का काम करते हैं यह लोग: तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि वह मुद्दे की बात नहीं करते हैं। केवल हिन्दू, मुस्लिम, मंदिर और मस्जिद की बात करते हैं। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी आरक्षण काटने की बात जो वह कह रहे हैं। आप ही बताइए क्या कोई किसी को आरक्षण काट कर दिया है क्या आज तक, यह मुद्दे की बात नहीं करके सिर्फ मुद्दे को भटकाने का काम करते हैं। 10 वर्षों की किसी एक भी उपलब्धि का जिक्र नहीं किया तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी कल दो जगह बिहार में थे। एक बार भी उन्होंने अपने 10 वर्षों की किसी एक भी उपलब्धि का ज़िक्र नहीं किया। कोई उपलब्धि होगी तो ना ज़िक्र करेंगे, यह भी नहीं बताया कि उनके 40 में से 39 सांसदों ने पांच वर्षों में क्या किया? तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी जी इतना झूठ और असत्य बोल चुके हैं कि अब उनके पास बोलने के लिए कुछ भी नहीं बचा। अब वो मुद्दों से भाग रहे हैं। विकास को लेकर कुछ भी नहीं बोल रहे।

लोग बनाते रहे वीडियो, दो बाइक सवार जिंदा जलते रहे, तीन की मौत

बेगूसराय। बेगूसराय में 2 बाइक के आमने-सामने की टक्कर के बाद आग लग गई। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें दो युवक जलते हुए दिख रहे, दो युवक सड़क पर पड़े है। सड़क से लोग गुजर रहे हैं, कुछ लोग मोबाइल से वीडियो बना रहे हैं, लेकिन कोई बचाने नहीं आया। अगर इन्हें समय से अस्पताल पहुंचाया गया होता तो शायद जान बच सकती थी। घटना की सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं। मृतकों की पहचान छत्तीस शर्मा (32) और अरविंद शर्मा (28) के रूप में हुई है। दोनों रिश्ते में जीजा साला थे। तीसरे मृतक की पहचान मंझौल पंचायत -3 के निवासी श्याम कुमार के रूप में की गई है। घटना बेगूसराय - रोसड़ा एसएच-55 पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के खम्हार गांव के समीप हुई है। इस घटना में दो युवक बीच सड़क ही जिंदा जल गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरे बाइक पर सवार एक की मौत इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के क्रम में हुई।वहीं, घटना में एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया है। युवक की पहचान मंझौल निवासी सुमित कुमार के रूप में हुई है। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही सदर-वन डीएसपी सुबोध कुमार एवं सदर एसडीओ राजीव कुमार भी मौके पर पहुंचे। सदर डीएसपी ने बताया कि बाइक के आमने-सामने की टक्कर में हादसा हुआ है। हादसे में दो युवक की घटना स्थल पर ही जलकर मौत हो गई है।

आईपीएस और खाकी द बिहार चैप्टर वेब सीरीज के रियल हीरो है अमित लोढ़ा

आईपीएस अमित लोढ़ा की मुश्किलें बढ़ी

- पटना हाई कोर्ट ने उन्हें राहत देने से मना करते हुए एसवीयू को निष्पक्ष तरीके से जांच जारी रखने का आदेश दे दिया

केटी न्यूज/पटना

आईपीएस और खाकी द बिहार चैप्टर वेब सीरीज के रियल हीरो बिहार कैडर के आईजी अमित लोढ़ा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। स्पेशल विजिलेंस यूनिट ने लोढ़ा के मामले की जांच पूरी कर अभियोजन की स्वीकृति के लिए गृह विभाग को अपनी गोपनीय रिपोर्ट भेज दी है। एसवीयू लोढ़ा की किताब पर आधारित बेव सीरीज बनाने वाली प्रोडक्शन कंपनी फ्राइडे स्टोरी टेलर एलएलपी से अवैध तरीके से पैसा अर्जित करने के मामले में चार्जशीट करेगी। जांच के लिए निर्धारित 6 महीने की समय सीमा से करीब 3 महीने पहले ही एसवीयू ने रिपोर्ट सौंपी है। गृह विभाग के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। एसवीयू को इन्वेस्टिगेशन में आय से अधिक संपत्ति के पर्याप्त साक्ष्य मिले हैं। लोढ़ा के खिलाफ जांच कर रही एसवीयू को कई महत्वपूर्ण सुराग मिले थे। सूत्रों के अनुसार देश के विभिन्न हिस्सों में अमित लोढ़ा से जुड़े कथित भारी निवेश और कई बैंक खातों के ट्रांजेक्शन से जुड़ी जानकारी इकट्ठा की जानी थी। आईजी अमित लोढ़ा की दलील थी कि पहले प्रारंभिक जांच पड़ताल नहीं की गई। इस लिहाज से एफआईआर विधिवत नहीं है। उनकी दलील थी कि केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति के दौरान उन्होंने किताब लिखी, लेकिन चूंकि वे बिहार कैडर के आईपीएस हैं इसलिए एसवीयू की प्राथमिकी को सही माना गया। उन्होंने किताब लिखने को लेकर क्षेत्राधिकार का भी मामला उठाया था। अमित लोढ़ा और फ्राइडे स्टोरी टेलर्स के बीच कहानी के स्वामित्व अधिकार को लेकर करारा हुआ। फ्राइडे स्टोरी टेलर्स ने लोढ़ा की पत्नी को अलग-अलग रकम का भुगतान किया। आरोप यह भी है कि लोढ़ा की किताब बिहार डायरी पर बनी वेब सीरीज की लागत 64 करोड़ है। एजेंसी ने इसकी भी जांच की। यह पैसा लॉस गाटोस प्रोडक्शन सर्विस सर्विस ने लगाया है जो भारत में नेटफ्लिक्स की वैधानिक प्रतिनिधि है। लोढ़ा अपने विरुद्ध एसवीयू की प्राथमिकी को रद्द कराना चाहते थे। उन्होंने अदालत का भी दरवाजा खटखटाया। वे पटना हाईकोर्ट गए लेकिन कोर्ट ने उन्हें राहत देने से मना करते हुए एसवीयू को निष्पक्ष तरीके से जांच जारी रखने का आदेश दे दिया। एसवीयू ने 6 महीने में जांच पूरी कर चार्जशीट करने की बात कही थी।

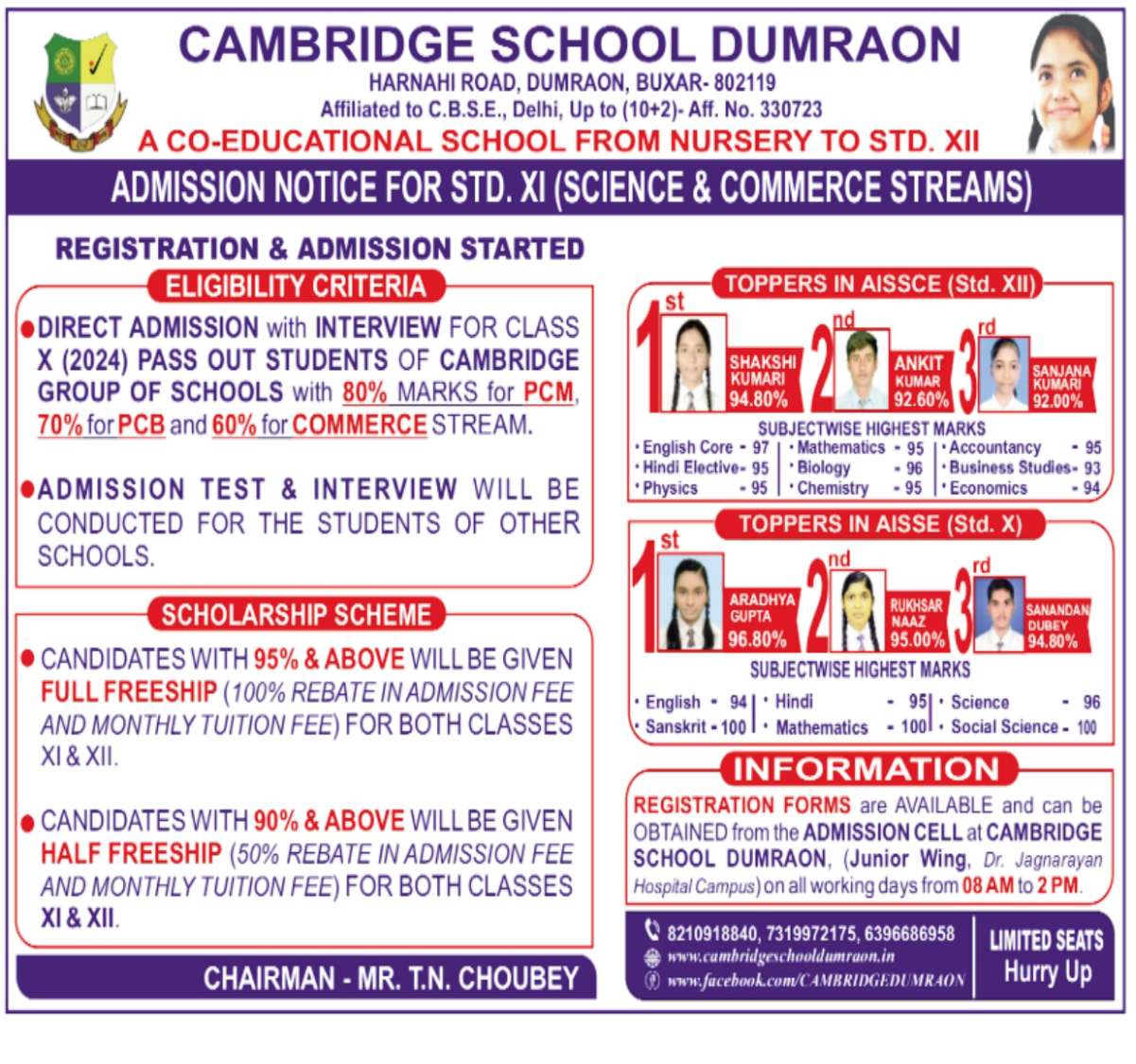

समय पर और गुणवत्तापूर्ण हो मेडिकल व एएनएम कॉलेज का निर्माण : एमडी

केटी न्यूज/डुमरांव

हरियाणा फार्म में मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल व एएनएम कॉलेज का निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य बीएमएसआईसीएल द्वारा कराया जा रहा है। शनिवार को इसके एमडी धर्मेन्द्र कुमार ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने बीएमएसआईसीएल के अभियंताओं, स्टाफों एवं डीएम अंशुल अग्रवाल के साथ स्थानीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में एसडीओ उप महाप्रबंधक परियोजना बक्सर, एलएनटी के सहायक अभियंता व बीएमएसआईसीएल के कर्मी मौजूद रहे। एमडी के निर्माण स्थल पर पहुंचते ही अभियंताओं एवं कर्मियों में हड़कंप मच गया। एमडी के निरीक्षण के क्रम में बीएमसी आईसीएल के अभियंताओं द्वारा यह बताया गया कि लगभग 25 एकड़ भू-भाग पर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल के साथ एएनएम कॉलेज का निर्माण हो रहा है। इस निर्माण में 445.54 करोड़ की राशि की स्वीकृति प्राप्त है। जिसे जनवरी 2026 तक कार्य को पूर्ण कर लिया जाना है। इसके अंतर्गत कुल 17 भवन को बनाया जाना प्रस्तावित है। इस पर एमडी ने सवाल खड़ा करते हुए कहा कि जो स्थिति है ऐसे में लगता नहीं कि तय समय पर भवन बनकर तैयार हो जाएगा। समीक्षा के क्रम में अभियंता द्वारा यह बताया गया कि हॉस्पीटल ब्लॉक, ओपीडी, एकेडमिक ब्लॉक, अवासीय

हॉस्टल, अस्पताल, ईएसएस, गैस बैक वेस्ट मैनेजमेंट ब्लॉक एवं ईएसएस के आवास का ड्राईंग अभीतक आईआईटी रूढ़की से प्राप्त नहीं हो पायी है। यही कारण है कि इन भवनों का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है। शेष जो भवन हैं, उनका निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस चिकित्सा महाविद्यालय का कार्य 2026 तक पूरा कर लेना है। इस पर एमडी द्वारा संदेह जताया गया। हालांकि अभियंताओं ने उन्हें तय सीमा पर निर्माण कार्य पूरा कर लेने के लिए आस्वस्थ किया। केवल रूढ़की द्वारा भवनों का ड्राईंग उपलब्ध कराने में विलंब से कार्य में बाधा उत्पन्न होने की बात कही गई। इस पर भी सवाल खड़े किए गए कि इतन समय बीतने पर भी 10 भवनों का निर्माण नहीं होने पर एमडी द्वारा खेद व्यक्त किया गया। बैठक के दौरान एमडी ने उपस्थित बीएमएस आईसीएल के अभियंताओं को निदेशित किया गया कि समन्वय स्थापित करते हुए डिजाईन एवं ड्राइंग की स्वीकृति कराते हुए कार्य को तय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। इधर एमडी के आने की सूचना पर कुछ ग्रामीण भी साइट पर पहुंच गए थे। वहां पर तैनात गार्डों ने किसी को मिलने नहीं दिया। यहां तक की मीडिया को भी जाने से रोका गया। ग्रामीणों का कहना था कि भवन का जो मैटेरियल आया है घटिया किस्म की है, इसीलिए किसी को जाने नहीं दिया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पीटल बनने से क्षेत्र में खुशी की लहर है। लोगों का बार-बार यह कहना था कि हॉस्पीटल टिकाऊ और सुरक्षित बनना चाहिए। यहां से डॉक्टर की टीम तैयार होकर निकलेगी। उन्हें जब तक बेहतर आधारभूत संरचना नहीं मिलेगी। तब तक उनका विकास संभव नहीं है। इस लिए इसके कार्य में तेजी लायी जाए। जिससे क्षेत्र का भला हो सके।

एक नजर

गड्ढे में छुपाकर रखी गई शराब की खेप बरामद

राजपुर। राजपुर पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापेमारी कर थाना क्षेत्र के कोचाढ़ी गांव स्थित गड्ढें में पुआल की ओट में छिपाकर रखी गई 84 टेट्रा पैक देशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया शराब तस्कर झबर राय पिता राम आशीष राय पिछले कई महीनों से उत्तर प्रदेश से तस्करी की शराब लाकर चोरी छिपे बेच रहा था। गुप्त सूचना पर पुलिस द्वारा टीम गठित कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान घर के बगल में रखे गए पुआल की ढेर के नीचे बने गड्ढे में छुपाकर रखी गई भारी मात्रा में शराब बरामद की गई। जहा झब्बर को गिरफ्तार कर लिया गया। थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि चोरी छुपे मिल रही शराब से युवा पीढ़ी के लोग नशे की गिरफ्त में आ रहे है। जिसको लेकर पुलिस लगातार अभियान चला रही है, एसपी के निर्देश के आलोक में अपराध नियंत्रण को लेकर शराब माफियाओं के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। अगले दिनों में होने वाले लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए भी प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है।

बीडीओ ने किया पुस्तकालय का निरीक्षण

केसठ। बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा ने शनिवार को उच्च विद्यालय केसठ में संचालित पुस्तकालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान बीडीओ ने स्कूल में अध्ययन के लिए आए छात्र छात्राओं से बातचीत की ओर मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बीडीओ ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक को पुस्तकालय का समय से संचालन, मौजूद पुस्तकों को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। साथ इसके सौंदर्यीकरण को लेकर कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिया गया। बीडीओ ने बताया कि छात्रों के अध्ययन के लिए आवश्यक पुस्तकों को उपलब्ध कराने सहित इसके इस्तेमाल के लिए छात्रों को प्रेरित किया गया।

विवाद में युवक को तीन नामजदों ने पीटा

डुमरांव। अनुमंडल के कोरानसराय थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव में विवाद को लेकर एक युवक की तीन नामजदों ने पिटाई कर दी। इस दौरान युवक जख्मी हो गया, जिसे परिजनों द्वारा स्थानीय अस्पताल में इलाज कराया गया। इसको लेकर पीड़ित कोरानसराय गांव निवासी मनीष कुमार ने गांव के ही भोरिक भर, कृष्णा भर और कमलेश भर के खिलाफ स्थानीय थाने में आवेदन देकर केस दर्ज कराया है। घटना को लेकर बताया जाता है कि वह अपने पड़ोस के घर मे किसी वैवाहिक कार्यक्रम को लेकर खाना लाने जा रहा था। इसी दरम्यान रास्ते मे गांव के ही भोरिक भर ने अपशब्द बोल अपने बेटे कृष्णा भर और कमलेश भर को बुलाकर उसकी पिटाई करवा दी। कोरानसराय थानाध्यक्ष अभय कुमार ने बताया कि पीड़ित के आवेदन पर मामले को दर्ज कर पुलिस अनुसंधान में जुटी है।

मतदान को ले घर-घर दस्तक देगी जीविका दीदियां

केसठ। स्थानीय जीविका कार्यालय में शनिवार को जीविका दीदियों द्वारा स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर बीपीएम धर्मवीर कुमार गुप्ता, बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा भी उपस्थित रहे। जीविका बीपीएम ने जीविका दीदियों मतदान के महत्व पर चर्चा करते हुए 1 जून को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। यह बताया गया कि सभी जीविका दीदियां अपने सभी परिवार के योग्य सदस्यों के साथ अपने संबंधित मतदान केंद्रों पर मतदान करेंगी। बीडीओ ने जीविका दीदियों को मतदान के लिए जागरूक करते हुए प्रखंड अंर्तगत मतदान केंद्रों पर मुहैया कराई जाने वाली सुविधाओं के बारे में भी विस्तार पूर्वक बताया। ताकि अधिक से अधिक महिलाएं बिना किसी परेशानी के मतदान कर सकें। इस दौरान मतदान पर चर्चा के उपरांत सभी ने मतदान करने की शपथ ग्रहण, हस्ताक्षर अभियान एवम रैली निकाल कर अन्य लोगों को जागरूक किया गया। वही बीडीओ ने जीविका के माध्यम से पूरे प्रखंड के सभी पंचायतों के समूहों, ग्राम संगठनों में मतदाता जागरूकता अभियान शपथ, रंगोली, मेंहदी, रैली एवं घर-घर दस्तक अभियान चलाने को ले निर्देश दिए।

खबरें फटाफट

धरौली से छापेमारी में रायफल बरामद

बक्सर। बगेन थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना पर शुक्रवार की रात थाना क्षेत्र के धरौली गांव में छापेमारी अभियान चला 315 बोर की एक रायफल के साथ पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार बगेन पुलिस को सूचना मिली थी कि धरौली गांव के मोहन यादव व उनके पुत्र विकास यादव अपने घर में अवैध आग्नेयास्त्र छिपाए है। इस सूचना पर थानाध्यक्ष ने एक टीम गठित कर रात में छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान उनके घर से 315 बोर का एक रायफल बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस ने मोहन यादव व उनके पुत्र विकास को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष मो. अख्तर रब्बानी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गुप्त सूचना पर छापेमारी की गई थी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस शराब व मादक पदार्थों के तस्करों के अलावे हथियारों का जखीरा बरामद करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है।

राजपुर में अधेड़ का मिला शव, पुलिस पहचान में जुटी

राजपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के राजपुर स्थित को-ऑपरेटिव बैंक के समीप एक 55 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला। जिसकी पहचान न हो सकी। बताया जाता है कि उक्त व्यक्ति लू के चपेट में आने से मौत हुई हो। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। जबकि, पुलिस शव की पहचान कराने में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार यह व्यक्ति पिछले दो दिनों से बैंक के आसपास बेसुध अवस्था में पड़ा था। जिसको आसपास के लोगों ने देखा था। लेकिन, किसी ने इसे अस्पताल नहीं पहुंचाया। तब तक शनिवार की दोपहर इसकी मौत हो गई। मृत अवस्था में पड़े इस व्यक्ति को देखकर लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। ग्रामीणों द्वारा बताया जाता है कि उक्त व्यक्ति को तेज धूप व लू की चपेट में आने से मौत हो गई हो। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को लेकर पहचान के लिए पोस्टमॉर्टम कराने के बाद 72 घंटे तक शव गृह बक्सर में रखा जाएगा। पहचान नहीं होने पर 72 घंटे बाद पुलिस अपने स्तर से अंतिम संस्कार करवाएगी।थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि इसके पास से कोई कागजात नहीं मिला है। जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। कोई भी व्यक्ति जो इसको पहचानता है, वह जाकर पहचान करें। इसके बाद इसका अंतिम संस्कार कराया जाएगा।

तिलक राय के हाता ओपी थाना क्षेत्र के नियाजीपुर कन्या मध्य विद्यालय के पास की है घटना

बारात से लौट रही बोलेरो पानी भरे गड्ढे में पलटी, दम घुटने से एक की मौत, छह जख्मी

- नियाजीपुर कन्या मध्य विद्यालय के पास ड्राईवर को झपकी आने से हुआ हादसा
- घटना के बाद शादी वाले घर में पसरा सन्नाटा, मृतक के घर में मचा कोहराम

केटी न्यूज/सिमरी

बारात से लौट रही एक बोलेरो वाहन सड़क किनारे चाट में पलट गई। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जबकि आधा दर्जन बाराती घायल है। घटना शुक्रवार की रात करीब ग्यारह बजे की है। नियाजीपुर बाजार से आगे कन्या मध्य विद्यालय के पास की है। मृतक की पहचान ठगनी के डेरा के शिवनाथ यादव पिता स्व. शांतनु यादव के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार राजपुर कला पंचायत के ठगनी के डेरा के बालेश्वर यादव के पुत्र की बारात शुक्रवार को कृष्णा ब्रह्म थाना क्षेत्र के छोटका दीया गांव गई थी। बारात में शामिल एक बोलेरो वाहन बारातियों को लेकर वापस लौट रही थी। इसी दौरान नियाजीपुर कन्या मध्य विद्यालय के पास ड्राईवर को झपकी आ गई। जिसके कारण बोलेरे गाड़ी अनियंत्रित हो गई। और सड़क के किनारे गड्ढे में पलट गई। गड्ढे में पानी होने के कारण लोगों को बाहर निकालने में काफी मशकत करनी पड़ी। वहीं मृतक शिवनाथ यादव की

पानी दम घुटने से मौत हो गई। जबकि अन्य लोगों को हल्की चोटें आई थी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची तिलक राय के हाता ओपी पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के साथ ही घायलों को इलाज के लिए सिमरी सीएचसी पहुंचाया। जहां, प्राथमिक इलाज के बाद सभी को घर भेज दिया गया। बताया जाता है कि चालक को नींद आ गई थी, जिस कारण यह हादसा हुआ है। वही, शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई थी। घटना के बाद शादी वाले घर में सन्नाटा पसर गया। वहीं मृतक के घर में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी सोना देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की कोई संतान नहीं है। शिवनाथ यादव की मृत्यु के बाद पत्नी सोना देवी को जीवन यापन की भी चिंता सताने लगी है।

कोरानसराय में अज्ञात वाहन की चपेट में आया किसान, इलाज के दौरान मौत

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल के कोरानसराय थाना क्षेत्र स्थित एनएच 120 मुंगाव हाईस्कूल के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक किसान जख्मी हो गया। जख्मी को तत्काल डायल 112 की पुलिस ने डुमरांव अनुमंडल अस्पताल लाया, जहां डॉक्टरों ने स्थिति को बिगड़ते देख उसे बक्सर सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इसी दरम्यान जख्मी किसान की मौत इलाज के दौरान हो गयी। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों के बीच चीत्कार मच गया और परिजन रोने-बिलखने लगे। मृतक की पहचान मुंगाव गांव निवासी स्व शिवपूजन प्रसाद के 55 वर्षीय पुत्र बुधन प्रसाद के रूप में हुई है। इस मामले में परिजनों द्वारा अज्ञात वाहन व चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। बताया जाता है कि किसान किसी काम को लेकर एनएच सड़क पर पहुंचा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रही एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया। इस हादसे में किसान सड़क पर जा गिरा और छटपटाने लगा। राहगीरों ने डायल 112 पर फोन कर इसकी सूचना पुलिस को दी। कोरानसराय थानाध्यक्ष अभय कुमार ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। अज्ञात वाहन व चालक की खोजबीन जारी है।

ट्रक के धक्के से पिता की मौत, पुत्र जख्मी

नावानगर। आरा मोहनिया हाईवे पर परमडीह पुल के पास ट्रक के धक्के से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका पुत्र भी गंभीर रूप से जख्मी हुआ है। उसकी हालत गंभीर बतायी जा रही है। पुलिस के अनुसार घटना सुबह आठ बजे की है। मृतक की पहचान रोहतास जिले के दावथ थाना क्षेत्र के कटई बाल गांव के उपेन्द्र गिरी के रूप में हुई है, जबकि उसका पुत्र विकास गिरी इस दुर्घटना में गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। जिसे स्थानीय नावानगर सीएचसी में प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार पिता पुत्र एक बाइक पर सवार हो किसी बारात से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान नावानगर थाना क्षेत्र के परमडीह पुल के पास उनकी बाइक में एक तेज रफ्तार ट्रक ने धक्का मार दिया। घटना को अंजाम दे ट्रक चालक अपना वाहन लेकर फरार हो गया है। स्थानीय लोगों की मदद से पिता-पुत्र को इलाज के लिए नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया। थानाध्यक्ष डॉ. नंदू कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। घटना की जांच करवाई जा रही है।

ब्रह्मपुर में किसानों के लिए बड़ी मंडी न होना दुर्भाग्यपूर्ण: अनिल

- सड़क की बदहाली और सरकारी कॉलेज न होने से मुख्य धारा से नहीं जुड़ पाई है ब्रह्मपुर की जनता

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

बक्सर लोकसभा से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अनिल कुमार ने शनिवार को ब्रह्मपुर विधानसभा के धरौली, रघुनाथपुर, ब्रह्मपुर, कठार, बड़का दिया, मंझावारी, दुल्लहापुर, बलिहार, नगपुरा, बड़का राजपुर, नारायणपुर, काजीपुर, खरहाटांड़ समेत लगभग दो दर्जन से अधिक गांवों में जनसंपर्क कर बक्सर के सर्वांगीण विकास के लिए अपने पक्ष में वोट मांगा। इस दौरान कार्यकताओं में भी जबरदस्त उत्साह दिखा। सभी ने एक जुट होकर बसपा के हाथों को

मजबूत करते हुए अनिल कुमार को जिताने की अपील की। इस दौरान अनिल कुमार ने कहा कि आज ब्रह्मपुर और रघुनाथपुर जाम की समस्या से जूझ रही है। हर दिन घंटों जाम की समस्या रहती है। 10 साल तक भाजपा के अश्विनी चौबे यहां के सांसद रहे, लेकिन उनके कान इतने मजबूत रहे की लोगों की आवाज उनके कानों तक नहीं पहुंच पाई और आज तक एक रेलवे का ओवर ब्रिज नहीं बन पाया। इस से बड़ी त्रासदी रघुनाथपुर के लिए नहीं हो सकता। ये हमारी समस्याओं को कभी नहीं समझ सकते है। ये सिर्फ लंबी लंबी बात करेंगे लेकिन हमारे गांव और घर के सर्वांगीण विकास की बात नहीं कर सकते हैं न उसकी बुनियाद रख सकते हैं। यह कोई रख सकता है तो वह आपका भाई, आपका बेटा ही रख सकता है। अनिल कुमार ने कहा कि ब्रह्मपुर के उतरी इलाके में सब्जी की बहुत ज्यादा खेती होती है। यहां किसानों के लिए बड़ी मंडी नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। यहां के किसान आज फटेहाल जिंदगी जीने को मजबूर है। यहां के किसानों को ध्यान में रखते हुए यहां बड़ा कोल्ड स्टोर की व्यवस्था होनी चाहिए। जहां किसान अपने फसलों को सुरक्षित रख पाए। यहां एक होल सेल बाजार और यहां से बाहर की मंडियों को वातानुकूलित गाड़ियों से जोड़वाना अति आवश्यक है, जिससे हमारे किसान भाइयों को उनके फसलों एवं सब्जियों का उचित कीमत मिल सकें। बसपा प्रत्याशी ने कहा कि रघुनाथपुर, ब्रह्मपुर में एक भी सरकारी कॉलेज नही है। ब्रह्मपुर क्षेत्र के अंदर पुल का निर्माण ना होने के कारण लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पर रहा है। सड़कों का हाल बदहाल है।

बक्सर डीडीसी ने मैट्रिक व इंटर की कंपार्टमेंटल परीक्षा को कदाचारमुक्त कराने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट के विशेष एवं कम्पार्टमेन्टल परीक्षा 2024 को शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त निपटाने के लिए डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर डीडीसी डॉ. महेन्द्र पाल ने शनिवार को सभी केन्द्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में डीडीसी ने स्पष्ट कहा कि परीक्षा को कदाचारमुक्त संपन्न कराना है। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त वातावरण होना चाहिए। उन्होंने विधि व्यवस्था संधारण करने तथा आवश्यक निर्देश देने के लिए सभी केन्द्राधीक्षकों, दण्डाधिकारियों एवं पुलिस

पदाधिकारियों के साथ समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में ब्रीफिंग की। बता दें कि इंटरमीडिएट विशेष एवं कम्पार्टमेन्टल (सैद्धान्तिक) परीक्षा 2024 29 अप्रैल से 11 मई तक संचालित होगी। जिसमें कुल 868 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। इस परीक्षा को संपन्न कराने के लिए बीबी उच्च विद्यालय बक्सर एवं नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय बक्सर को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। जहां जिले के सभी विद्यालयों के विशेष व कंपार्टमेंटल के परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इस परीक्षा को शांतिपूर्ण निपटाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। इस दौरान उपसमार्हता कुमारी अनुपम सिंह, डीपीओ रजनीश उपाध्याय उपस्थित थे।

अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय डुमरांव व दर्जनों गांवों में पहुंचे थे एनडीए प्रत्याशी

एनडीए प्रत्याशी ने दर्जनों गांवों में चलाया जनसंपर्क अभियान, मांगा आशीर्वाद

केटी न्यूज/डुमरांव

शनिवार को एनडीए समर्थित बक्सर लोकसभा के प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने डुमरांव विधानसभा के डुमरांव ग्रामीण मंडल में व्यवहार न्यायालय डुमरांव, रामपुर रामसर मठिया, सोवां गढ़देवी स्थान, अरिआंव महावीर चबुतरा, लाखनडिहरा, छतनवार ग्राम कचहरी शिव मंदिर पर जा कर प्रत्याशी आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत जनसंपर्क कर आशीर्वाद लेने का काम किया। एनडीए प्रत्याशी के आगमन को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। जगह जगह पर ग्रामीणों द्वारा ग्रामीण चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें मिथिलेश तिवारी ने हर एक मतदाता से व्यक्तिगत मिल कर उनका हाल चाल जाना। उक्त चौपाल कार्यक्रम के सम्बोधन में एनडीए प्रत्याशी ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ गांव और लोगों में देखनें को मिल रही है। हर गांव के हर घर में किसी ना किसी तरह से

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभार्थी दिखाई पड़ रहे है। उसी तरह देश के बाहर हर देश में मोदी का प्रतिबिम्ब किसी ना किसी रूप में दिखाई दे रहा है। आज सारी दुनिया मोदी का लोहा मान रही है। भारत का प्रधानमंत्री पुरी दुनिया में एक ग्लोबल लीडर के रुप में दिखाई पड़ रहा हैं। एनडीए प्रत्याशी ने कहा कि यह 2024 का चुनाव भ्रष्टाचार बनाम राष्ट्रवाद का है। विपक्ष आज भ्रष्टाचार का पौधा लगाता है और तो दूसरी तरफ मोदीजी राष्ट्रवाद का पौधा लगातें है। बक्सर एक ऐतिहासिक, धार्मिक जगह है तो मोदी ने कुछ सोंच कर ही यहां के प्रतिनिधित्व करने के लिए मुझे भेजा है। इसलिए हमें विश्वास है कि आप सब इस मिथलेश को आशीर्वाद देने का काम करेंगे ताकि मोदी को सम्बल प्रदान किया जा सके। इसके बाद उक्त कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार का नारा बुलंद किया। उक्त मौके पर विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह जिला अध्यक्ष भाजपा, अखिलेश सिंह जिला अध्यक्ष लोजपा, दिनेश सिंह, लाला सिंह जदयू, राजीव पाठक मंडल अध्यक्ष डुमरांव ग्रामीण, शीला त्रिवेदी, धनंजय राय, अमित पांडेय, धनजी पाण्डेय, रामाश्रय राम, भरत प्रधान तथा एनडीए गठबंधन के स्थानीय नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चूल्हे की चिंगारी बनी शोला, आठ झोपड़ियां खाक, लाखों की संपति का हुआ नुकसान

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर अंचल के नैनीजोर में अगलगी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार की दोपहर इस गांव में एक बार फिर से आग लगने से आठ आशियाने तथा लाखों की संपति खाक हो गई। मौके पर पहुंची दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के अनुसार उत्तरी नैनीजोर पंचायत के वार्ड तीन स्थित बड़की नैनीजोर गांव की है। इस घटना में मुन्ना कुर्मी, धुरान कुर्मी, रामसेवक यादव, देवलाल मल्लाह, ध्रुव रजक, सुरेन्द्र रजक व धनजी रजक आदि के आशियाने जल गए है। बताया जाता है कि चूल्हे से निकली चिंगारी देखते ही देखते शोला बन गई, जिससे यह घटना हुई है। इसकी सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने तत्काल फायर वाहन को मौके पर बुलाया। मौके पर पहुंची दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया। वही सीओ खुशबू खातून ने तत्काल पीड़ित परिवारों के बीच तिरपाल का वितरण करवाया है। वही उन्होंने राजस्वकर्मी को क्षतिपूर्ति का आंकलन करने का निर्देश दिया है। नैनीजोर में अबतक अगलगी की आधा दर्जन घटनाएं हो चुकी हैं।

काराकाट में स्वीप के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

केटी न्यूज/काराकाट

चुनाव के दौरान मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन की ओर से लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता संवाद हुआ। इस दौरान पंचायती राज पदाधिकारी रेणुका कुमारी उपस्थित थी। यह कार्यक्रम देव पंचायत के उच्च माध्यमिक विद्यालय सकला में मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन हुआ। जिसमें विद्यालय में विद्यार्थियों को वोट के महत्व तथा मतदान प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। तथा छात्रों को वोटिंग की पूरी प्रक्रिया को समझा गया । बीडीओ ने कहा कि प्रखंड के विभिन्न

सरकारी तथा गैर सरकारी स्कूलों में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रकार की मतदाता जागरूकता प्रतियोगिताएं कराई जा रही हैं। जिसमे प्रखंड के विद्यालयों में स्वीप कार्यक्रम के तहत अनेक प्रकार के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराए जा रहे हैं, एक तरफ जहां विद्यार्थियों को वोट के महत्व के बारे में बताया जा रहा है, वहीं कई स्कूलों में मतदान विषय पर प्रश्नोत्तरी, रंगोली, भाषण आदि प्रतियोगिताएं भी कराई जा रही हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह ने कहा की कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य लोकसभा चुनाव मे शत प्रतिशत मतदान कराना है। साथ ही महिला मतदाताओं को जागरूक करने का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करना होगा। वह सोच-समझकर अपना वोट डाले। कार्यक्रम में उपस्थित देवाशीष सिंह, अनुज कुमार, रूकसना खातुन, अविनाश कुमार, गुंजेश कुमार सुमन, प्रभावती देवी, आनन्द कुमार सिन्हा, रविरंजन सिंह, बैजनाथ राम, शिक्षक अनिल कुमार पासवान, मनोज कुमार, छात्र-छात्राओं इत्यादि ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भी टीम का गठन

सासाराम। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में आगामी लोकसभा चुनाव के तैयारी के संबंध में एक विस्तृत समीक्षा की गई। इसमें मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने लोकसभा आम चुनाव 2024 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्थानीय स्तरों पर कर्मियों के टीम गठित करने तथा नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्देश दिया गया। आम मतदाताओं से लोकतंत्र में मतदान के महत्व और उनकी भागीदारी के संबंध में प्रेरित करने हेतु योजनाबद्ध कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया।

एक नजर

रेल यात्रियों को उतारने में आरपीएफ जवान जख्मी

सासाराम। रेलवे आरक्षी सुदीप दुबे आरपीएफ पोस्ट सासाराम जिनकी ड्यूटी ऑन ड्यूटी अधिकारी एवम जवानों के साथ में सासाराम स्टेशन पर ट्रेन में काफी भीड़ भाड़ होने पर पासिंग ड्यूटी लगाई गई थी। ड्यूटी के क्रम में उक्त वाटर कैरियर आरक्षी के द्वारा गाड़ी संख्या 12398 डाउन महाबोधी एक्सप्रेस को सासाराम स्टेशन पर समय 00/55 बजे आगमन के उपरांत उक्त ट्रेन को अटेंड कर यात्रियों को चढ़ाने के उपरांत उतरने के क्रम में फिसल जाने से ट्रेन के चपेट में आ जाने से गंभीर रूप से घायल हो गए है, जिन्हे तत्काल सादर अस्पताल सासाराम में भर्ती कराया गया था। वहा से प्राथमिक उपचार उपरांत बेहतर इलाज हेतु हेरिटेज हॉस्पिटल वाराणसी के लिए रेफर किया गया। है। जिसे सहायक उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार चौधरी व स्टाफ के द्वारा एंबुलेंस के माध्यम से ले जाया गया है व हेरिटेज हॉस्पिटल वाराणसी के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की हुई मौत ,कई घायल

बिक्रमगंज।अनुमंडल क्षेत्र के अंतर्गत दावथ प्रखंड के अलग-अलग हिस्से में हुई सड़क दुर्घटना। मोटरसाइकिल सवार एवं पिंक अप सवार की हुई मौत। दो अलग-अलग हिस्सों में हुए सड़क दुर्घटना में मारे गए व्यक्तियों के बारे में मिली जानकारी के अनुसार, दावथ प्रखंड क्षेत्र के डेढ़ गांव पंचायत के कटईल बाल गांव निवासी स्वर्गीय अवधेश गिरि का पुत्र उपेंद्र गिरि बाइक से आ रहा थे, कि आरा भभुआ मुख्य मार्ग पथ पर परमडीह पुल के पास डिवाइडर से टकरा जाने के कारण मृत्यु हो गई, जबकि साथ में उनके पुत्र की गंभीर रुप से घायल होने के कारण निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि घटनास्थल बक्सर जिले में पड़ने के कारण नावानगर थाने की पुलिस ने मृतक उपेंद्र गिरि का शव अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया है।। इस घटना के बाद मृतक के गांव में मातम का माहौल है। वहीं दूसरी घटना सेमरी मलिहाबाद मोड़ के करीब की बताई जा रही है जहां पिकअप बहन के पलट जाने के कारण दो लोगों के मौत की बात बताई जा रही है जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। समाचार लिखे जाने तक घायलों का उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दावथ में कराया जा रहा है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

सासाराम। सासाराम-चौसा मुख्य मार्ग पर खंडारी बजार के पास तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से जख्मी घायल सात साल के बच्चे की शनिवार को मौत हो गई। जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने शव के साथ सासाराम-चौसा मुख्य मार्ग को जामकर दिया। मृतक की पहचान खडारी गांव निवासी जयप्रकाश गुप्ता का बेटा सत्या कुमार गुप्ता(7) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सत्या सड़क पार कर रहा था, इसी दौरान कोचस की तरफ से जा रहे एक बाइक सवार ने उसको धक्का मार दिया। उसे इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे वाराणसी स्थित ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। लेकिन बीच रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी।

खबरें फटाफट

स्कूल के छत से गिरकर पियून की मौत

आरा। चौरी थाना क्षेत्र के चौरी गांव स्थित हाई स्कूल में शनिवार को सफाई के दौरान स्कूल के छत से गिरकर एक चपरासी की मौत हो गई। इलाज के लिए मोपती बाजार स्थित निजी अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक इमादपुर थाना क्षेत्र के सहियारा गांव निवासी स्व.किशुन चंद्र राम के 57 वर्षीय पुत्र राम राम है। वह चपरासी थे और सहार प्रखंड के चौरी गांव स्थित चौरी हाई स्कूल में चपरासी के पद पर कार्यरत थे। इधर, मृतक के बेटे पवन कुमार ने बताया कि वह प्रतिदिन की भांति शनिवार की सुबह भी स्कूल गए हुए थे जहां वह स्कूल के एक मंजिलें पर जाकर टेबल पर चढ़कर जोल झड़ रहे थे इस दौरान उनका पैर फिसल गया और वह स्कूल के एक मंजिलें छत से सीधा नीचे गिर पड़े जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए । इसके बाद वह मौजूद स्कूल के शिक्षकों द्वारा इसकी सूचना उनके परिजनों को मिली सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए मुक्ति बाजार स्थित निजी अस्पताल ला रहे थे तब उन्होंने रास्ते में दम तोड़ दिया ।

भोजपुर में करंट लगने से मजदूर की मौत

आरा। भोजपुर के नवादा थाना क्षेत्र के जगदेव नगर मोहल्ले में शनिवार की दोपहर करंट की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के सरथुआ गांव निवासी कृष्ण यादव का का बेटा रंजीत कुमार (34) है और वह पेशे से मजदूर था।इधर मजदूर के ठेकेदार महाराज कुमार ने बताया कि जगदेव नगर में गली बनाने का काम चल रहा था।जिसमें वह भी मजदूरी करने के लिए आया था। जब वह काम कर रहा था। उसी दौरान करंट की चपेट में आ गया।

प्रेमिका की गिरफ्तारी को सड़क पर उतरे परिजन, अहिरपुरवा के समीप की सड़क जाम

4 दिनों से लापता छात्र की ट्रेन में संदिग्ध मौत, प्रेमिका पर लगा हत्या का आरोप

- जबलपुर रेलवे स्टेशन पर समस्तीपुर लोकमान्य तिलक ट्रेन के दिव्यांग बोगी के शौचालय के पास से मिला शव
- छात्र के परिजनों का प्रेमिका पर घर से भगा ले जाने और गला दबाकर हत्या करने का आरोप

केटी न्यूज/आरा

नगर थाना क्षेत्र के अहिरपुरवा मोहल्ला से चार दिनों से लापता स्कूली छात्र की एमपी में चलती ट्रेन में संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। गुरुवार की शाम जबलपुर स्टेशन पर लोकमान्य तिलक साप्ताहिक ट्रेन की दिव्यांग बोगी के शौचालय के पास से उसका शव बरामद किया गया। मृत छात्र अहिरपुरवा निवासी शिवमुनी यादव का 17 वर्षीय पुत्र संजय कुमार था। वह नौवीं कक्षा का छात्र था और आरा के जैन स्कूल में पढ़ता था। वह पिछले 23 अप्रैल से ही घर से लापता था। परिजनों की ओर से शहर की ही एक लड़की उसे प्रेम जाल में फंसा घर से भगा ले जाने और ट्रेन में गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। इधर, छात्रा की कथित प्रेमिका की ओर से खुदकुशी करने की बात कही जा रही है। वायरल वीडियो में उसका कहना है कि लव मैरिज के बाद दोनों ट्रेन से मुंबई जा रहे थे। रास्ते में अपने घर वालों से बात करने के बाद उसके प्रेमी संजय ने ट्रेन के शौचालय में फांसी लगा ली। शनिवार की सुबह शव आरा लाया गया। शव आते ही उसके परिजनों का गुस्सा भड़क उठा। परिजन छात्र की

बहन बोली : नशे की गोली खिला कर प्रेमिका ने मार डाला

छात्र की बहन नीतू देवी की ओर से मोहल्ले के रहने वाली एक लड़की पर संजय की हत्या करने का आरोप लगाया गया है। बताया कि लड़की का कुछ महीनों से उसके भाई के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इसी बीच 23 अप्रैल की शाम लड़की उसके भाई को नशे का गोली खिलाकर अपने साथ जबलपुर लेकर चली गई। उसने अपने भाई संजय कुमार के मोबाइल पर फोन किया, तो उस लड़की ने कॉल रिसीव की। कहा कि भाई से बात कराओ, तो लड़की ने कहा कि संजय सो रहा है। बाद में उसने दुबारा उसने कॉल की, तो उसके भाई ने फोन पर उससे नशे की हालत में बात की। इसके बाद दिव्यांग बोगी में शौचालय के पास से बरामद हुआ।

प्रेमिका और उसके घर वालों की गिरफ्तारी को लेकर शव के साथ छात्र के घरवाले सड़क पर उतर गये। आक्रोशित परिजनों द्वारा अहिरपुरवा में आरा-पटना बाइपास रोड को जाम कर दिया गया। टायर जला आगजनी और नारेबाजी भी की गई। उससे बाइपास पर करीब दो घंटे तक आवागमन बाधित रहा। जाम होने के कारण वाहनों की लंबी कतारें लगी रही। सूचना मिलने पर नगर थानाध्यक्ष देवराज राय पुलिस बल के साथ पहुंचे और समझाकर लोगों के गुस्से को शांत कराया। उन्होंने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। उसके बाद लोगों का आक्रोश शांत हुआ और आवागमन बहाल हो सका।

घर से भाग कर जबलपुर मंदिर में प्रेमी युगल ने रचाई शादी, ट्रेन से जा रहे थे मुंबई: अहिरपुरवा निवासी छात्र संजय और मोहल्ले की ही एक लड़की करीब दो साल से प्रेम संबंध में थे। कुछ दिनों पूर्व दोनों घर से भाग कर जबलपुर पहुंचे। वहां दोनों ने मंदिर में शादी रचा ली। उसके बाद दोनों ट्रेन से मुंबई जा रहे थे। तभी रास्ते में घटना हो गयी। छात्र की कथित प्रेमिका द्वारा जबलपुर रेल पुलिस को दिये बयान में यह बात कही गई है। उसके बयान का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में लड़की की ओर से कहा जा रहा है कि दोनों एक दूसरे से प्रेम करते थे। 23 अप्रैल मंगलवार की शाम दोनों घर से भाग कर मध्य प्रदेश के जबलपुर चले आए थे। वहां उन्होंने मंदिर में शादी की। उसके बाद जबलपुर से समस्तीपुर लोकमान्य तिलक साप्ताहिक ट्रेन से मुंबई जा रहे थे। रास्ते में उसके प्रेमी संजय कुमार के मोबाइल पर घरवालों की कॉल आई थी। बातचीत के दौरान घरवालों द्वारा उसे कुछ बोल दिया गया। उससे वह गुस्से में आ गया और दिव्यांग बोगी के शौचालय में चला गया। करीब आधा घंटा भी बाद संजय बाहर नहीं आया, तो उसने शौचालय के गेट को धक्का देकर खोला। तब देखा कि संजय ने शौचालय में लगे लोहे की पाइप में गमछा बांधकर उसने फांसी लगा ली है। उसके बाद उसने गमछे को आधा काट दिया और शव को शौचालय से निकाल बोगी में ले आयी। उसके बाद रेल पुलिस को सूचना दी। उधर, मौत की सूचना पर रेल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव को परिजनों को सुपूर्द करने के लिए आरा भेजा।

सेमराडीह गांव के समीप पिता और पुत्री को मारी गोली

केटी न्यूज/दिनारा

बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र दिनारा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भुई के सेमराडीह गांव के पास शुक्रवार की रात एक पिता और पुत्री को गोली मार दी गई । जिस घटना क्रम में पिता की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि जख्मी पुत्री का इलाज गंभीर हालत में ट्रामा सेटर में चल रहा है । बताते चलें कि बेटी की शादी के लिए ही पूरा परिवार भलुनी धाम मंदिर जा रहा थे। तभी वारदात को अंजाम दिया गया। मृतक सेमराडीह गांव के स्वर्गीय चंद्रमा सिंह के 50 वर्षीय पुत्र कुंज बिहारी सिंह बताए जाते हैं जबकि उनकी 19 वर्षीय पुत्री जख्मी निभा कुमारी को ईलाज के लिए सदर अस्पताल लाया जाया गया। घटना के उपरांत परिवार में कोहराम मच गया है, शादी की खुशियां मातम में बदल गई। घटना के बारे में मृतक के पुत्र ने बताया कि सपरिवार बहन की शादी के लिए भलुनी धाम जा रहे थे, अभी डेढ़- दो किमी ही गए थे, कि गाड़ी रोककर पिता और बहन को गोली मार दिया गया। जिसमें पिता की मौत हो गई। जबकी बहन जख्मी हो गई। उन्होंने कहा कि पुराना जमीन को लेकर विवाद था, उसी में गोली मारी गई है। लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना प्रेम-प्रसंग से जुड़ा हुआ मामला बताया जा रहा है। घटना के उपरांत दोनों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दिनारा ले गए, जहां पिता को मृत घोषित किया गया और बहन को रेफर कर दिया गया। बहन का इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। इस संबंध में दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि गोतिया-परिवार के सदस्य ने गोली मारी है। शव को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दी गई है। उन्होंने बताया कि मृतक के परिवार द्वार इस संदर्भ में एसडीपीओ कुमार संजय ने मामले की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि घटना को प्रत्येक एंगल से जांच की जा रही है।

भूमि विवाद मामले में पुलिस बरत रही निष्क्रियता

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट थाना क्षेत्र के मंगरा गांव में भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट के मामले में दर्ज काराकाट थाना कांड संख्या 205 /24 में पुलिस की निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने एसडीपीओ कुमार संजय को आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई है। दर्ज शिकायत में कहा गया है कि मुकदमा होने के बावजूद अभियुक्त द्वारा बार-बार धमकी दिया जा रहा है। मामले का अनुसंधान कर रहे पुलिस अधिकारी घनस्याम कुमार जब मामले की तहकीकात करने के लिए मंगरा गए तो उनके सामने हीं परिजन को मारने के लिए अभियुत दौड़े। वहां पुलिस लाचार दिखी। अभियुक्त की मालोबल इतना बड़ा हुआ है कि पुलिस को भी कुछ नहीं समझता है। अभियुक्त परिजन को धमकाते आ रहे हैं। धनंजय पाण्डेय ने कहा कि अभियुक्तों के द्वारा बार-बार हमें धमकी दिया जाता है तथा जान से मारने की को बोला जाता है? मेरा पूरा परिवार दहशत में है प्रतिदिन थाना पर दौड़ लगाते हैं। लेकिन पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती है। पीड़ित परिजनों ने अभियुक्त को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग एसडीपीओ संजय कुमार से की है। एसडीपीओ ने बताया कि बहुत जल्द अभियुक्त की गिरफ्तारी की जाएगी तथा कानून संगत कार्रवाई किया जाएगा।

काराकाट लोकसभा निर्दलीय प्रत्याशी गायक पवन सिंह ने किया जनसंपर्क

- पवन सिंह ने समर्थकों के के साथ मंदिर में किया पूजा अर्चना

केटी न्यूज/संझौली

काराकाट लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपनी दावेदारी पेश करने वाले भोजपुरी अभिनेता सह गायक पवन सिंह ने रोड़-शो के बाद शनिवार को काराकाट क्षेत्र के संझौली प्रखंड के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। इसी क्रम में उदयपुर गांव में पहुचे पवन सिंह ने उदयपुर ग्राम स्थित सूर्य मंदिर में विधवत पूजा अर्चना की। इसके बाद उन्होंने कहा कि मैं आपका बेटा पवनवा आज आपलोगो को आस्वस्त करता हूँ कि मैं काराकाट संसदीय क्षेत्र के लोगो के मान-सम्मान के लिए कोई कोरकसर नही छोडूंगा। फिल्म अभिनेता ने गांव के करीब 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला को दादी कहते हुए पैर छू कर आशीर्वाद मांगा। इस दौरान बुजुर्ग महिला ने भोजपुरी गायक का जितने का आशीर्वाद दिया। इसके पहले भोजपुरी स्टार ने संझौली प्रखण्ड के सुसाडी, समहुता, सिकठी, उदयपुर, उदयपुर टोला, चैता आदि कई गांवों का दौरा कर अपने समर्थकों के साथ जन सम्पर्क अभियान चलाया। जनसंपर्क अभियान से चुनावी विगुल का आगाज करते हुए पावर स्टार ने युवावर्ग के लोगो को अपने भोजपुरी अंदाज में बोलकर उसे खूब बहाबही लूटी। इस दौरान युवाओं का जोश तपती धूप के बीच कम नही दिख रहा था। युवा जिन्दावाद के नारे लगाते हुए सेल्फी लेने के लिए बेचैन थे।

भीषण गर्मी से लोग हो रहे बीमार, सीएचसी-पीएचसी में बढ़ी मरीजों की संख्या

- अस्पताल में पहले के मुकाबले करीब तीस फीसदी बढ़ी मरीजों की संख्या
- उल्टी-दस्त, वायरल फीवर, दर्द, आंख का लाल होने की सबसे ज्यादा शिकायत

केटी न्यूज/गाजीपुर

पिछले करीब दो हफ्तों से 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान के बीच भीषण गर्मी व लू के थपेड़ों के चलते सीएचसी व पीएचसी में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। पहले के मुकाबले करीब तीस फीसदी मरीजों की संख्या बढ़ी है। जिसमें सबसे ज्यादा उल्टी- दस्त, वायरल फीवर, दर्द, आंख का लाल होना है। अचानक मरीजों की संख्या बढ़ने व हीट वेव के कारण अस्पताल के ओपीडी व इमरजेंसी वार्ड के सभी बेड मरीजों से भरे पड़े हैं। इसको देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने अलग से आपातकालीन परिस्थितियों के लिए पांच बेड को रिजर्व कर वहां अलग से स्वास्थ्य कर्मियों की तैनाती चौबीस घंटे के लिए किया है।

ओपीडी व इमरजेंसी मिलाकर प्रतिदिन आ रहे हैं 260 से 300 मरीज:

चिकित्सा अधीक्षक व प्रभारी अधिकारी डाक्टर अमर कुमार ने बताया कि वर्तमान समय में ओपीडी व इमरजेंसी मिलाकर 260 से 300 मरीज अस्पताल में देखे जा रहे है,इनमें सबसे ज्यादा डायरिया के 10 से 12 मरीज आ रहे है,इसके अलावा वायरल फीवर व दर्द के 20 से 25 के साथ ही आंख का लाल होना के 5 से 7 मरीज हर रोज आ रहे है। इसके अलावा अन्य विभिन्न रोगों के मरीज अस्पताल पहुंच रहे है। अधीक्षक डाक्टर अमर कुमार ने बताया कि डायरिया को देखते एहतियातन गाँवों में स्वास्थ्य कर्मियों को सतर्कता बरतने के खास निर्देश दिए गये है,बस्तियों के आस पास साफ सफाई को लेकर भी जरूरी निर्देश जारी किए है। अधीक्षक ने बताया कि मरीजों की संख्या में अचानक बढोत्तरी को देखते हुए किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियों की छुट्टी रद्द कर उन्हें सीएचसी मुख्यालय पर मौजूद रहने के खास निर्देश दिए गये है।सीएचसी अधीक्षक एवं प्रभारी अधिकारी डाक्टर अमर कुमार ने बताया कि लू के थपेडो व गर्मी से बचने के लिए दोपहर में बेवजह घर से बाहर न निकले ,शरीर को कपडे से पूरी तरह से ठंक कर रखे,इसके अलावा छाता लेकर चले।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा डिहाइड्रेशन की शिकायत होने पर तत्काल नजदीकी सरकारी अस्पताल के चिकित्सक से सलाह लें।कहा कि गर्मी में ओ आर एस का घोल व नारियल का पानी काफी फायदेमंद रहता है,साथ ज्यादा से ज्यादा पानी वह भी ताजा व हल्का भोजन जो तरल पदार्थ का सेवन अधिक करना चाहिए।

एक नजर

फसल अपशिष्टों को न जलाएं, पकड़े गए तो वसूली के साथ होगी कार्रवाई: डीएम

बलिया। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने जनपद के किसानों से अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम के लिए पराली (फसल अपशिष्टों) को जलाना एक दंडनीय अपराध है। राजस्व विभाग द्वारा पर्यावरण को हो रहे क्षतिपूर्ति की वसूली के निर्देश दिए गए हैं। दो एकड़ से कम क्षेत्र के लिए रू0 2500 दो से पांच एकड़ क्षेत्र के लिए रू0-5000 और पांच एकड़ से अधिक क्षेत्र के लिए रू0-15000 तक पर्यावरण कम्पंसेशन की वसूली के निर्देश दिए गए हैं। पराली जलाने की घटना पाए जाने पर संबन्धित को दण्डित करने के संबंध में राजस्व विभाग द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम की धारा-24 के अंतर्गत क्षतिपूर्ति की वसूली एवं धारा-26 के अंतर्गत उल्लंघन की पुनरावृत्ति होने पर सम्बन्धित के विरूद्ध अर्थदंड आदि की कार्रवाई के प्रावधान किया गया है। बताते चलें कि अगर पराली जलाने वाले किसानों को मना करने के बाद भी दोबारा जलाए जाने अथवा घटना की पुनरावृत्ति करने की दशा में संबन्धित कृषकों को सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाली सुविधाओं तथा सब्सिडी आदि से वंचित किए जाने की कार्रवाई के निर्देश राष्ट्रीय हरित अधिकरण नई दिल्ली द्वारा दिए गए हैं। साथ ही रबी फसलों यथा- गेहूँ, मक्का, सरसों, जौ इत्यादि फसलों के पराली/फसल अपशिष्ट न जलाएं अपितु इसका वैकल्पिक उपयोग यथा-बायो एनर्जी, कम्पोस्ट खाद आदि में करें।

रेलवे का लोहा चोरी करने, बेचने के मामले में दो चौकीदार व एक कबाड़ी दुकानदार गिरफ्तार

गाजीपुर। रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार राय को रेलवे इंजीनियरिंग विभाग और RVNL/ GPT कंपनी से सूचना मिली थी कि गंगा ब्रिज के पास से रेलवे लाइन में लगने वाले फीसप्लेट और ब्रिज में लगने वाले नट बोल्ट अन्य प्रकार के लोहे को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया है। जांच-पड़ताल में मुखबिर से सूचना पर गंगा नदी पर बन रहे रेलवे ब्रिज का कार्य आरवीएनएल द्वारा जिस GPT कंपनी को दिया गया है। उसके सभी चौकीदार ही आपसी मिलीभगत से रेल और रेल कंपनी का लोहा चुराकर लकड़ी के टाल इलाके में विकास नामक कबाड़ी दुकानदार को बेचते हैं। आज भी रेलवे का लोहा और गंगा ब्रिज में इस्तेमाल होने वाले लोहे को मोटर साइकिल पर लाकर उक्त कबाड़ी को बेचा गया है। उक्त सूचना पर विश्वास करते हुए मैं प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार राय, एएसआई जयशंकर दुबे व अन्य स्टॉफ उक्त दुकान पर पहुंचकर दबिश देकर तलाशी लिए तो रेलवे लाइन में प्रयोग होने वाला फीसप्लेट और रेलवे ब्रिज में प्रयोग होने वाला काफी मात्रा में लोहा आदि बरामद हुआ। मौके से काफी मात्रा में माल जप्त करते हुए विकास कुमार पुत्र स्व. अनिल कुमार निवासी मार्किनगंज थाना कोतवाली जिला गाजीपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त के निशानदेही पर रेलवे गंगा ब्रिज के नीचे स्थित GPT कम्पनी के चौकीदार राजकुमार यादव पुत्र रामविलास यादव निवासी रेवतीपुर जिला गाजीपुर। इसके साथ ही असरफुल पुत्र आबू निवासी खेजुरतला थाना शमशेरगंज जिला मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल, जो वर्तमान में कल्याणपुर थाना रेवतीपुर- गाजीपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में एक अन्य चौकीदार गोपाल शर्मा निवासी अज्ञात फरार हो गया है, उसे वांछित किया गया है। सभी अभियुक्तों को कल रेलवे न्यायालय वाराणसी में पेश किया जाएगा।

शादी समारोह में डांस को लेकर बराती व घरातियों में मारपीट, 10 जख्मी, एक पक्ष पर केस

गाजीपुर। भुड़कुडा.कोतवाली अंतर्गत कौला जखनियां गांव में 23 अप्रैल की रात शादियाबाद थाना क्षेत्र के बभनौली गांव से कौला जखनियां गांव में श्याम नारायण राजभर के घर पर बारात आई थी। जिसमें बाराती डीजे पर डांस करते हुए दरवाजे पहुंच रहे थे। इसी दौरान ग्रामीण और बारात के लोगों में कहासुनी के बाद जमकर मारपीट हो गई। सूचना मिलने पर कोतवाल तारावती फोर्स लेकर पहुंची और किसी तरह बीच बचाव किया। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। इसमें शादियाबाद थाना क्षेत्र के बभनौली गांव निवासी श्याम मुरारी राजभर की ओर से पांच लोगों पर धारा 147, 323,504, 506, 427 दर्ज किया गया। आरोपी जै किशन चौहान- 25, अमरदीप चौहान- 23, कतवारू चौहान- 50, दीपचंद व चौहान- 28 घायल हो गए। उधर जै किशुन चौहान ने कहा कि मेरा भाई अमरदीप चौहान डीजे डांस देख रहा था। तभी बाराती मारपीट कर घायल कर दिए। जब हम लोग बीच बचाव करने गए तो हम लोगों को भी मारे-पीटे जिसमें तीन सगे भाई सहित पिता भी घायल हो गया।

खबरें फटाफट

1 करोड़ की हेरोइन के साथ तस्कर सैफुद्दीन गिरफ्तार

गाजीपुर। स्वाट/सर्विलांस व थाना जंगीपुर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थ (हेरोइन) की अवैध तस्करी करने वाले सदस्य सैफुद्दीन पुत्र सहाबुद्दीन निवासी रुई मंडी थाना कोतवाली गाजीपुर को 525 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन (जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 01 करोड़ रुपये है) के साथ रामपुर जीवन नदी पुलिया थाना जंगीपुर के पास से समय करीब 22.15 बजे गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि पहले मैं अभय कश्यप के साथ मिलकर काम करता था। उसके जेल जाने के बाद मेरा सीधा संबंध उसके पार्टी से हो गया। फिर मैं उन पार्टियों से मिल कर माल लेकर राजस्थान, बनारस व अन्य जिलों में माल तस्करी करता था।

पिकअप पलटने से एक बाराती की मौत, सात जख्मी

गाजीपुर। नोनहरा -कठवामोड़ मार्ग पर देर रात्रि में सड़क हादसे में अभिषेक कुमार 18 वर्ष की मौत हो गई। मरदह थाने के गोविंदपुर कीरत गांव से बीती रात में प्रकाश मौर्य के लड़के की बारात नोनहरा थाना के अरजानीपुर गांव बारात गई थी। देर रात्रि में नोनहरा - कठवामोड़ मार्ग पर बारात से तीव्र गति से लौट रही डीजे लदी पिकप के मुडेरा गांव के पास सड़क से उतर कर खाई में पलट जाने गोविन्दपुर कीरत निवासी अभिषेक कुमार-18 की मौके पर ही मौत हो गई। पिकप पर अन्य सवार करीब दर्जनभर युवक भी घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घायलों की चीख-पुकार सुनकर पहुंचे लोगों ने सभी को उपचार के लिए विभिन्न स्थानों पर भेजवाया गया है। ग्रामीणों के अनुसार पिकप चालक नशे में था। चालक तीव्र गति से पिकअप चला रहा था।

गोवंश तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

चंदौली। पुलिस ने शनिवार को चार गोवंश के साथ दो आरोपितों को हाईवे स्थित एक ढाबा के समीप से गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से दो तमंचे और दो कारतूस बरामद किया गया। पकड़े गए तस्कर मो. इरशाद राजपुर रायपुरवा जिला कानपुर देहात व संतोष कुमार श्रीगंज रामपुर बंतरा थाना नंदगंज जिला गाजीपुर के निवासी हैं।

लोकसभा, विधानसभा, जिला पंचायत व प्रमुख के चुनाव में भाजपा भारी

भाजपा की चुनावी रणनीति के आगे बाकी सभी दल हो रहे फेल, मिल रही शिकस्त

- 2014 के लोकसभा व 2017 के विधानसभा चुनाव में सर्वेश कुशवाहा व लोकसभा 2019 व विधानसभा 2022 में अभिमन्यु सिंह ने जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में दिखाई ताकत

केटी न्यूज/चंदौली

जनपद में लोकसभा, विधानसभा, जिला पंचायत व प्रमुख के चुनाव में भाजपा के चुनावी रणनीतिकारों के आगे सपा, कांग्रेस व बसपा सभी फेल साबित हुए। जहां 2014 से भाजपा सफलता अर्जित करती नजर आ रही है। वहीं सपा कांग्रेस को बसपा के संगठन को कोई सफलता नहीं मिली है। लोकसभा हो या विधानसभा सभी चुनावों में भाजपा ने बाजी मारी है। इससे साफ जाहिर होता है कि कहीं ना कहीं अन्य दलों के संगठन कमजोर साबित हो रहे हैं।

जनपद के लोकसभा चुनाव के दौरान 2014 में संसदीय क्षेत्र 76 में भाजपा ने अपना परचम लहराया तो कभी भी हार का मुंह अभी तक नहीं देखना पड़ा है। कहीं ना कहीं भाजपा संगठन के जिलाध्यक्ष और शीर्ष नेतृत्व जनपद की राजनीति में हावी नजर आये हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव व 2017 के विधानसभा में संगठन का नेतृत्व कर रहे सर्वेश कुशवाहा के साथ लोकसभा 2019 व विधानसभा 2022 में अभिमन्यु सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में भी अपने संगठन की ताकत दिखाई, जिसके चलते 2014 के लोकसभा चुनाव में डॉक्टर महेंद्र नाथ पांडेय डेढ़ लाख से अधिक वोटो के अंतर से बसपा प्रत्याशी को मात दिया था, वही 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान सपा व बसपा गठबंधन को भी मात देते हुए 1500 लगभग मतों से जीत हासिल कर संगठन की मजबूती देखने को नजर आई। वही 2017 विधानसभा चुनाव में भी जनपद के चार विधानसभा में तीन अपने प्रत्याशी को जिताने में सफल रहे। यही नहीं पंचायत चुनाव में भी 9 ब्लॉकों में आठ ब्लाकों पर अपना कब्जा जमाया हुआ है और जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी भी भाजपा के पास ही है। जबकि जिला पंचायत के चुनाव में सपा ने 14 सदस्यों की जीत का दावा किया था लेकिन अध्यक्ष के चुनाव में पूरी तरह से सफल होते हुए सपा प्रत्याशी को मात्र पांच ही मत प्राप्त हुए।

वहीं सपा की बात करें तो जब से संगठन के बागडोर सत्यनारायण राजभर को मिली है तब से वह असफल ही साबित हुए हैं। जहां 2014 के चुनाव में सपा के सांसद को तीसरे नंबर पर जाना पड़ा। वही विधानसभा में भी एक सीट पर संतोष करना पड़ा है। यही नहीं 2019 के चुनाव में सपा बसपा के गठबंधन मैं भी भाजपा से मात खानी पड़ी। इस दौरान सपा की कमान जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर और बसपा के जिला अध्यक्ष घनश्याम प्रधान रहे। वहीं कांग्रेस के जिलाध्यक्ष देवेंद्र मुन्ना किसी भी चुनाव में अपना वर्चस्व नहीं दिखा पाए। इसके बाद बदले प्रवेश में धर्मेंद्र तिवारी को विधानसभा चुनाव में जिलाध्यक्ष बनाया गया,लेकिन वह भी नहीं सफल हो पाए। 2024 के चुनाव में इस बार सपा और कांग्रेस का गठबंधन है। इस बार सपा का नेतृत्व एक बार फिर जिलाध्यक्ष सत्यनारायण राजभर कर रहे हैं, तो वही कांग्रेस जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी का साथ-साथ वहीं बसपा के जिलाध्यक्ष घनश्याम प्रधान इस बार कितना असर दिखा पाते हैं। जनपद में 1 जून को मतदान होगा और 4 जून को परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा। यही नहीं नए जिलाध्यक्ष काशीनाथ सिंह के लिए भी लोकसभा चुनाव में अपना वर्चस्व कायम करने के लिए संगठन के साथ-साथ प्रत्याशी को हैट्रिक लगाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा।

नामांकन कक्ष, मतगणना स्थल पहुंच डीएम-एसपी ने लिया तैयारियों का जायजा

चंदौली। लोकसभा निर्वाचन-2024 के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टी फुंडे व पुलिस अधीक्षक डा अनिल कुमार ने शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित होने वाले नामांकन कक्ष व नवीन मंडी के मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। नामांकन कक्ष में सीसीटीवी कैमरे लगाने और परिसर में बैरिकेडिंग कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से प्वांइट वार जवानों की ड्यूटी लगाने की रणनीति बनाई। अधिकारियों को मतगणना स्थल की साफ-सफाई के लिए निर्देशित किया। नामांकन स्थल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर नामांकन स्थल की तैयारियां देखीं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सात मई से निर्वाचन की अधिसूचना जारी हो जाएगी। नामांकन से संबंधित सभी कार्य कलेक्ट्रेट परिसर से संपादित किया जाएगा। 14 मई तक नामांकन प्रक्रिया की जाएगी। 15 को प्रपत्रों की जांच, 17 को नाम वापसी की प्रक्रिया होगी। एक जून को को मतदान के बाद सभी ईवीएम को नवीन मंडी समिति में सुरक्षित जमा कराया जाएगा। मंडी परिसर में मतगणना कार्य संपन्न कराया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कलेक्ट्रेट के नामांकन कक्ष में बैरिकेडिंग कराई जाएगी। सीसीटीवी लगाया जाएगा तथा वीडियोग्राफी/ रूट आदि की व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। बैरिकेडिंग की पर्याप्त व्यवस्था रहेगी, ताकि नामांकन के दिन किसी प्रकार की समस्या न उत्पन्न होने पाए।

दुकानों के लाइसेंस का तत्काल नवीनीकरण करा लें दुकानदार, पकड़े जाने पर होगी कार्रवाई

प्रशासन ने की अपील

केटी न्यूज/ बलिया

प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निर्देश के क्रम में डॉक्टर वेद प्रकाश मिश्रा सहायक आयुक्त खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जनपद के समस्त दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि जिन व्यक्तियों ने अभी तक लाइसेंस नवीनीकरण नहीं कराया है, वह तत्काल नवीनीकरण करा लें। इसके अलावा जिस व्यक्ति का अभी भी लाइसेंस नहीं बना है, वह अविलंब बनवा लें, नहीं तो जांच में पकड़े जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

खाने- पीने के सामानों को बासी न बेचें, ताजा सामान ढंककर रखें: सभी दुकानदारों से अपील किया गया कि खाने -पीने का सामान बेचने में सावधानी बरतें। भीषण गर्मी के मौसम में सभी दुकानदारों से यह अपील किया गया है कि खाने- पीने के सामानों को वासी न बेचें, ताजा सामान बेचे और सामानों को ढककर और सुरक्षित रखें तभी बेचें। जो व्यक्ति खाने -पीने वाले सामान को ढककर नहीं रखता है, तो उसके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। इस भीषण गर्मी में शुद्ध पेयजल लगातार पीएं। गर्मी इतना है कि इसका इलाज एकमात्र शुद्ध पानी है। पानी को लगातार पीजिए, अगर कोई दिक्कत परेशानी हो तो तत्काल डॉक्टर से सलाह लीजिए।

खाने वाले सामानों में लाल रंग का उपयोग कम से कम करें

खाने-पीने वाले सामानों में लाल रंग का उपयोग कम से कम करें, जो मानक के अनुसार अच्छी कंपनी का हो उसी रंग का ही उपयोग करें, ताकि शरीर में कोई बीमारी उत्पन्न न हो। इस सहयोग में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनेश राय के साथ सभी तहसीलों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी तैनात हैं। कहा कि सभी दुकानदार मुख्य खाद्य सुरक्षाअधिकारी एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी दुकान पर जाने पर सही ढंग से व्यवहार करें, कार्रवाई करने में बाधा उत्पन्न ना करें।

वंदे भारत एक्सप्रेस में परोसा बासी नाश्ता

चंदौली। वंदे भारत एक्सप्रेस में भी यात्री सेवाएं गड़बड़ाने लगी हैं। शनिवार को पटना से वाराणसी की यात्रा कर रहे चिकित्सक हेमंत यादव ने ट्रेन में बासी भोजन परोसने की रेलवे अधिकारियों से शिकायत की है। वाराणसी निवासी डॉ. हेमंत यादव ने शनिवार को पटना से पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन तक के लिए गोमतीनगर वंदे भारत में रिजर्वेशन कराया था। आरोप है कि नाश्ते में कटलेट और अन्य पके खाद्य पदार्थ बासी परोसे गए। ट्रेन के टीटीई से इसकी शिकायत की गई। इस शिकायत के बाद कैटरिंग सर्विस हेड ने तुरंत ही दूसरा नाश्ता परोसने की पेशकश की। इस पर हेमंत ने इनकार कर दिया। रेल मंत्री और रेल मदर पर ट्वीट कर की गई शिकायत में बताया गया कि बासी नाश्ता होने के कारण अन्य यात्रियों ने भी नाश्ता नहीं किया।

पानी के लिए परेशान लोगों ने धरना प्रदर्शन कर प्रशासन को कोसा

पेयजल के लिए कांशीराम आवासीय क्षेत्र में मची हाहाकार

केटी न्यूज/चंदौली

पीडीडीयू नगर, नगर पालिका परिषद के वार्ड नंबर 1 अंतर्गत भोगवारे स्थित कांशीराम शहरी आवासीय क्षेत्र में पेयजल की समस्या से बिलबिला रह रहे दर्जनों लोगों ने शनिवार प्रातः धरना प्रदर्शन कर समस्या के समाधान की मांग पालिका प्रशासन से की है। एक तरफ मोदी योगी सरकार हर घर जल योजना के तहत चल रहे स्पेशल ड्राइव के तहत सभी घरों में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही स्वच्छता को लेकर अभियान चलाने के बड़े बड़े दावे कर रही है, वहीं स्थानीय नगर पालिका परिषद अंतर्गत वार्ड नंबर 1 के भोगवार स्थित कांशीराम शहरी आवास में रह रहे सैंकड़ों परिवार इस भीषण गर्मी में महीनों से पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। भोगवार स्थित कांशीराम आवास के कुल 16 ब्लॉक में 192 फ्लैट है। सभी में लोग परिवार सहित निवास करते हैं। जहां पेयजल व दैनिक कार्यों के लिए पानी की व्यवस्था के लिए ट्यूबवेल और टंकी के साथ ही वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में लगभग 7 हैंडपम्प भी हैं। लेकिन लगभग डेढ़ माह से ट्यूबवेल का जलस्तर नीचे चले जाने की वजह से पानी निकलना बंद हो गया। वहीं हैंडपम्प भी मात्र दो ही ठीक है बाकी सब खराब पड़ा है। जो ठीक है उसकी भी स्थिति खराब है। गर्मी के कारण जलस्तर नीचे चले जाने से यदि कुछ देर चला दिया जाता है तो उसमें से भी पानी नहीं निकलता।

आवास वासियों का कहना है कि बमुश्किल एक दो बाल्टी पानी मिल जाता है जिससे पूरा दिन काम चलाना पड़ता है। वहीं कुछ महिलाओं ने कहा कि जिनका फ्लैट नीचे है उन्हें तो पानी ले जाने में कम परेशानी उठानी पड़ती है लेकिन जिनका दूसरे तल्ले ओर उन्हें तो इस आग उगलती गर्मी में काफी कठिनाई से गुजरना पड़ रहा है। इस बाबत वार्ड के वर्तमान सभासद पारस यादव ने कहा कि टंकी की बोरिंग का जलस्तर घटने के वजह से पानी नहीं मिल रहा है। नई बोरिंग होनी है लेकिन चुनाव आचार संहिता के कारण नया टेंडर नहीं हो पा रहा है। वहीं 7 हैंडपम्प में एक फेल हो चुका है। बाकी जो खराब थे सभी को बनवाया गया था लेकिन एक दो दिन चलकर अत्यधिक लोड के कारण खराब हो जा रहा है। सिर्फ 2 हैंडपम्प चल रहा है। खराब हैंडपम्प जल्दी बन जायेगा। एक कुआं है जिसमें समसेबल पम्प डालकर पानी की सप्लाई की व्यवस्था जल्दी की जायेगी। प्रदर्शन करने वालों में राजू कुमार गुप्ता, रामबली राम, जयप्रकाश रावत, सूरज सोनकर, ललित सोनकर, चंदा देवी, फूल राजी देवी, मीरा देवी, मुन्नी देवी, मोहम्मद साजिद, जैतून खान, गुलाबी देवी, रामवती देवी, मालती देवी, गीता देवी, बिंदु देवी, आदि रहे।

पूर्व बाहुबली सांसद धनंजय सिंह की पत्नी ने पति की हत्या की जताई आशंका

केटी न्यूज/जौनपुर

शनिवार दोपहर पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व बाहुबली सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्री कलां ने कहा कि यह ये धर्म युद्ध है। एक बहू के सिन्दूर को बचाने का समय है। उन्होंने अभय सिंह का बगैर नाम लिए कहा कि मेरे पति के ऊपर जिन लोगों ने एके47 से जानलेवा हमला करवाया था। वो लोग भी बदले घटनाक्रम में आज सत्ता के पाले में हैं। और ये सब देखकर मुझे डर है कि ये लोग मेरे पति की हत्या का प्रयास कर सकते हैं या उनको किसी और फर्जी मुकदमो में फंसाने का

कुचक्र कर सकते हैं।मेरे पति का गुनाह सिर्फ इतना है कि वो निर्भीक हैं, आपकी लड़ाई में उन्हें कभी समझौते नहीं किये। उन्होने बिना रुके, बिना थके जौनपुर के लोगों की सेवा की है और जब आपकी आवाज को सदन तक पहुंचाने के लिए चुनाव लड़ने का फैसला किया तो उनके ऊपर फर्जी मुकादमे कायम कराये गए। भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई को कोई और रूप दिया गया।

अभी जब उच्च न्यायालय ने बहस के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा था तो भी ये लोग बौखलाहट में उनका जेल ट्रांसफर कर दिया। इन लोगो के अंदर उच्च न्यायालय के फैसले का भी इंतजार करने का या उसका सम्मान करने का साहस नहीं।मुझे न्यायालय पर पूरा भरोसा है आज उनको जमानत का आदेश हो गया है हमे खुशी है। साथ ही उन्होंने ने कहा मैं देश के प्रधान मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि विपक्ष की सरकार बनने पर आप मंगलसूत्र छीन जाने की बात करते हैं, आज आपकी सरकार में ही मेरे मंगल सूत्र पर संकट है। क्या आपका ध्यान उस पर नहीं जाएगा। इससे पूर्व शनिवार सुबह लगभग आठ बजे सात साल की सजा में जौनपुर जेल में बंद पूर्व सांसद धनंजय सिंह को भारी पुलिस बल के साथ एम्बुलेंस में बैठाकर बरेली जिला जेल के लिए ट्रांसफर कर दिया गया।जबकि शनिवार को ही सजा के खिलाफ और जमानत पर दायर याचिका पर फैसला आना था। वहीं दोपहर लगभग 12 बजे हाइकोर्ट का फैसला आया और पूर्व सांसद धनंजय सिंह की जमानत मंजूर कर ली गयी।

टाइल्स के विवाद में चली गोली, दो लोग घायल

जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के सरायबीरू चौराहे पर पहलवान बाबा मंदिर के पास भवन निर्माण में मजदूर व मालिक के बीच हुए विवाद के बाद गोलियां चली, जिसमें दो लोगों को गोली लगी। पुलिस ने एक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार शनिवार की सुबह जब यहां काम शुरू हुआ तो मालिक ने कहा कि पानी सीलिंग पर ना जाये नही तो पीओपी खराब हो जाएगा। मजदूर ने कहा कि मैं अपने हिसाब से काम करूंगा ना कि आपके। बस इसी दौरान वाद विवाद शुरू हो गया, थोड़ी देर बाद गोली चलने की आवाज आयी। घायल सरायबिरु निवासी अभिषेक सिंह 25, नवीन सिंह 31 पुत्रगण दिवाकर सिंह व गौरव सिंह 28 पुत्र योगेश सिंह को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया। अभिषेक को दाहिने अंडर आर्म में गोली है। पुलिस ने ठेकेदार सूरतपुर निवासी अनिल को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो पता चला कि मजदूर अजय यादव को भी गोली लगी है। गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने सभी को बीएचयू रेफर किया है। क्षेत्राधिकारी केराकत प्रतिमा वर्मा ने बताया मजदूर और मालिक पक्ष के बीच विवाद हुआ, जिसमें दोनों पक्षो के एक एक लोग को गोली लगी है।

एक नजर

भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त गाड़ियां चलाएगा रेलवे

वाराणसी। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की हो रही अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये यात्री जनता की सुविधा हेतु 04037 सहरसा-नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन अनारक्षित विशेष गाड़ी का संचलन सहरसा से 27 अप्रैल, 2024 को एकल यात्रा हेतु निम्नवत किया जा रहा है। जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि 04037 सहरसा-नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन अनारक्षित विशेष गाड़ी 27 अप्रैल, 2024 को सहरसा से 07.00 बजे प्रस्थान कर मानसी से 07.58 बजे, खगड़िया से 08.07 बजे, बेगूसराय से 08.36 बजे, बरौनी से 09.10 बजे, दलसिंह सराय से 09.47 बजे, समस्तीपुर से 10.14 बजे, मुजफ्फरपुर से 11.10 बजे, हाजीपुर से 12.10 बजे, सोनपुर से 12.20 बजे, छपरा से 14.05 बजे, सीवान से 15.00 बजे, देवरिया सदर से 15.58 बजे, गोरखपुर से 17.05 बजे, खलीलाबाद से 17.46 बजे, बस्ती से 18.11 बजे, गोंडा से 19.40 बजे, बाराबंकी से 21.17 बजे, ऐशबाग से 22.25 बजे, दूसरे दिन कानपुर सेंट्रल से 00.15 बजे, इटावा से 01.42 बजे, टूण्डला से 02.52 बजे, अलीगढ़ से 04.07 बजे तथा गाजियाबाद से 06.02 बजे छूटकर नई दिल्ली 07.00 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी के सभी कोच अनारक्षित श्रेणी के लगाये जायेंगे।

एएमसी सेंटर एवं कॉलेज, लखनऊ को मिला अपना पहला 108 फीट का स्मारक ध्वज

लखनऊ। लेफ्टिनेंट जनरल कविता सहाय, एसएम, वीएसएम, कमांडेंट एएमसी सेंटर एवं कॉलेज और ओआईसी रिकॉर्ड्स और एएमसी के कर्नल कमांडेंट ने 27 अप्रैल 2024 को एएमसी स्टेडियम, लखनऊ छावनी में 108 फीट के मास्ट पर 30 बाय 45 फीट का विशाल राष्ट्रीय ध्वज फहराया। महानिदेशालय डीजीएमएस (सेना) और फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा एएमसी सेंटर एवं कॉलेज को ध्वज प्रदान किया गया था। समारोह में फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सीईओ मेजर जनरल आशिम कोहली (सेवानिवृत्त), वरिष्ठ अधिकारी, जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ), अन्य रैंक और एएमसी प्राइमरी स्कूल के बच्चे उपस्थित थे। स्मारकीय ध्वज फहराना युवा प्रशिक्षुओं को राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित करने में गर्व महसूस करने और उनमें देशभक्ति की भावना पैदा करने के लिए प्रेरित करने का एक प्रयास है।

चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न, दिया गया आवश्यक दिशा निर्देश

मऊ। अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह के अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत नोडल अधिकारियों के साथ तैयारियो को लेकर बैठक संपन्न हुई। अपर जिलाधिकारी ने प्रेक्षकों के ठहरने, वाहनों की व्यवस्था, रूट चार्ट, पार्किंग स्थलों के चिन्हीकरण, हल्के एवं भारी वाहनों की उपलब्धता, कंट्रोल रूम में शिकायतों के निस्तारण की स्थिति, एमसीएमसी के कार्यों सहित अन्य बिंदुओं पर समीक्षा की। उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट को प्रेक्षकों के ठहरने की व्यवस्था हेतु पूर्व में ही तैयारी पूर्ण कर लेने को कहा। एआरटीओ से हल्के एवं भारी वाहनों की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए उन्होंने वाहनों हेतु चिन्हित पार्किंग स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर वाहनों को सुव्यवस्थित ढंग से विधानसभा वार व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बच्चों के विवाद, एक की गई जान

मऊ। हलधरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत ठैचा में खेल-खेल में बच्चों के बीच हुए विवाद के कारण हुई मारपीट की घटना में शनिवार को एक बच्चे की जान चली गई। जानकारी के अनुसार बुधवार को खेल के दौरान ही बुधवार को तीन बच्चे खेल रहे थे, कि अचानक बच्चों में आपस में विवाद हो गया और दो बच्चों ने मिलकर एक बच्चा अमलेश यादव 15 वर्ष पुत्र भोला यादव को पीट दिया। आपसी चचेरे भाइयों का मामला होने के नाते यह मामला पुलिस के पास नहीं पहुंचा। जब अचानक बृहस्पतिवार को बच्चे ने दर्द की शिकायत की तब परिजन उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुरा गए ,जहां से चिकित्सकों ने जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया। वहां के डॉक्टर ने उसे बीएचयू रेफर कर दिया जहां बच्चे की मौत हो गई।

खबरें फटाफट

एससी-एसटी छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए फीस लॉक करने का एक और अवसर

लखनऊ। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्ति का अधिक से अधिक लाभ देने के लिए समाज कल्याण विभाग ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत संस्थानों को फीस डाटा लॉक करवाने का अवसर दिया है। इस क्रम में छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति पोर्टल खोला जा रहा है। इस संबंध में समाज कल्याण विभाग द्वारा भारत सरकार से अनुमति प्राप्त कर ली गई है। निदेशक समाज कल्याण कुमार प्रशांत द्वारा अवगत कराया गया कि ऐसे विश्वविद्यालय और एफिलिएटेड एजेंसी जिनके द्वारा मास्टर डेटा लॉक नहीं किया गया है, उन्हें 30 अप्रैल से 3 मई 2024 तक फीस लॉक करने का मौका दिया गया है। वहीं इसके बाद जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा 4 मई से 7 मई 2024 तक फीस को लॉक करने की कार्यवाही की जाएगी। जनपदीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति स्तर से वेरीफाइड डाटा वाले छात्रों को 40 प्रतिशत धनराशि राज्य सरकार स्तर से और 60 प्रतिशत धनराशि भारत सरकार स्तर से सीधे आधार सीडेड बैंक खातों में भुगतान किया जाएगा।

युवती की हत्या के 3 आरोपी गिरफ्तार

प्रतापगढ़। छतरपुर रघना गांव में बुधवार को सगाई के दिन युवती की गोली मारकर हत्या के मामले मे पुलिस ने आरोपी की मां, चचेरे भाई और भाभी को गिरफ्तार कर लिया है। अभी भी मुख्य आरोपित पड़ोसी युवक फरार चल रहा है। कोई सुराग नहीं लग सका।मृतका के परिजन आज तीसरे अंतिम संस्कार किया। अंतू थाना क्षेत्र के छतरपुर रघना निवासी तुलसीराम वर्मा की 21 वर्षीय बेटी शालू की बुधवार को भोर में पड़ोसी के भूसे के घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बुधवार को ही उसकी मोहनगंज निवासी शुभम वर्मा के सगाई होनी थी। मामले में उसके भाई संतोष वर्मा ने पड़ोस के ही जयचंद्र वर्मा, उसकी मां शांति देवी, चचेरे भाई करमचंद और करमचंद की पत्नी मीरा देवी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था।

हाथरस से भाजपा प्रत्याशी अनूप प्रधान 'वाल्मीकि' के लिए मुख्यमंत्री ने की जनसभा

योगी बोले... कांग्रेस के समय में किसान आत्महत्या और भ्रष्टाचारी ऐश करता था

- कांग्रेस ने पहले देश को बांटा, अब संपत्ति को बांटने की कर रही साजिश
- अहिरयार समाज के उचित सम्मान के लिए हमारी सरकार ने भेजा प्रस्ताव

केटी न्यूज/हाथरस

गरीब, किसान, महिलाएं, युवा सपा-बसपा व कांग्रेस के एजेंडे में नहीं थे। यह केवल वोट बैंक की राजनीति करते थे। यह जाति, समाज को बांटने का पाप करते थे। उनके समय में गरीब भूखमरी का शिकार होता था और आतंकवादियों को बिरयानी खिलाई जाती थी। किसान आत्महत्या करता था और भ्रष्टाचारी ऐश करता था। माफिया सरपरस्त बनकर सत्ता का संचालन करते थे, लेकिन आज बिना किसी भेदभाव के देश व प्रदेश में कार्य हो रहा है। उत्तर प्रदेश में साढ़े छह लाख युवाओं को नौकरी दी गई। अब पात्रता के आधार पर ही योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सबका साथ, सबका विकास के नारे के साथ चुनाव में एक तरफ भाजपा व एनडीए है तो दूसरी तरफ कांग्रेस-सपा व इंडी गठबंधन है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने शनिवार को क्रीड़ा स्थल सिकंदराराऊ में हाथरस लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अनूप प्रधान 'वाल्मीकि' के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि इस धरती ने अनेक महापुरुषों, साहित्यकारों और काका हाथरसी जैसे कवि को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव-2024 के दृष्टिकोण से दो चरणों की 191 सीटों पर चुनाव हो चुके हैं। रुझान बताते हैं कि हाथरस के हींग की खुशबू और फिर एक बार मोदी सरकार का स्वर पूरे देश में गूंज रहा है।

सीएम ने कहा कि उत्साहित जनता मोदी जी को तीसरा कार्यकाल देना चाहती है। दस वर्ष में दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। नक्सलवाद और आतंकवाद समाप्त हुआ है। विकास के अनेक कार्य हुए हैं। एक ओर भाजपा ने विकास योजनाएं दीं तो दूसरी तरफ कांग्रेस ने 65 वर्ष तक देश, सपा को चार बार व बसपा को तीन बार प्रदेश में शासन करने का अवसर मिला। इन सबको मिलाकर जितना कार्य इन लोगों ने देश-प्रदेश में नहीं किया। उससे अधिक कार्य पीएम मोदी के नेतृत्व में 10 वर्ष में देश व सात वर्ष में उत्तर प्रदेश में हुआ है। सीएम ने कहा कि सपा-कांग्रेस के समय गरीब भूखों मरता था। स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में मरते थे। पहले दिल्ली से चला पैसा कांग्रेस, सपा-बसपा के दलाल हजम कर जाते थे। आज सीधे गरीब के अकाउंट में डीबीटी के माध्यम से पैसा पहुंच रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार होली-दीवाली में फ्री में सिलेंडर भी उपलब्ध करा रही है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने 1947 में देश को बांटा, अब घोषणा पत्र में कह रही है कि हम संपत्ति सर्वे कराएंगे, फिर बाप-दादा की कमाई पर विरासत टैक्स लगाएंगे। इस टैक्स का मतलब चार कमरे के मकान में यह कहेंगे कि दो कमरे में रहो, दो कमरे सपा-कांग्रेस के अधिकार में चला जाएगा। पसीने से मकान बनाया आपने और डकैती करने यह लोग आएंगे। ऐसा करने की कतई छूट नहीं देना है। इन लोगों ने पहले देश को बांटा, अब संपत्ति को बांटने की साजिश कर रहे हैं। जब हम माफिया पर कार्रवाई करते हैं तो यह उसके घर में जाकर फातिहा पढ़ते हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने यहां के अहिरयार समाज को आरक्षण से वंचित करने का पाप भी किया था। पहले यह अनुसूचित जाति में आती थी, लेकिन कांग्रेस ने इन्हें हटाने का कार्य किया था। इन्हें उचित सम्मान के लिए हमारी सरकार ने प्रस्ताव भेजा है। यह बलदाऊ की भूमि है और यह कहते थे कि रामकृष्ण हुए ही नहीं।

इस अवसर पर सीएम ने दिवंगत सांसद राजवीर सिंह दिलेर को याद किया। कहा- भाजपा परिवार की तरफ से श्रद्धांजलि देता हूं। उनके पिता किशन लाल दिलेर के साथ लंबे समय तक मुझे संसद में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ था। राजवीर सिंह दिलेर भी मेरे साथ सांसद थे। वह हाथरस के विकास के लिए वे सदैव तत्पर रहे हैं।

ईवीएम पर सवाल उठाने वाले वही लोग हैं जो कभी बैलेट लूटा करते थे: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईवीएम पर सवाल उठाने पर कांग्रेस ओर इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि ये वही लोग हैं जो बैलेट लूटने का काम करते थे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पुख्ता हार को देख कांग्रेस के लोग ईवीएम पर दोषारोपण कर रहे हैं। सीएम योगी शनिवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने गोमांस मुद्दे पर भी कांग्रेस और इंडी गठबंधन को निशाने पर लिया। सीएम योगी ने पूछा कि वो अपने घोषणापत्र में लिख रहे हैं अल्पसंख्यकों को उनकी पसंद के खान-पान का अधिकार दिया जाएगा। आखिर अल्पसंख्यकों का ऐसा कौन सा खान-पान है जो शेष समुदाय से अलग है। मुख्यमंत्री ने ईवीएम मुद्दे पर कहा है कि इंडी गठबंधन जब भी हार रहा होता है, तो अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर डालने का प्रयास करता है। 2014 से लगातार हम सब इस बात को सुन रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से पूछा कि गत वर्ष हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में क्या बैलेट पेपर से सरकार बनी थी, 2004 में यूपीए की सरकार और 2018 में राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की तथा दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार क्या बैलेट पेपर से बनी थी? मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग ईवीएम को नकार रहे हैं ये वही हैं जो बैलेट बॉक्स लूटने का काम करते थे। अगर आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव की सुचिता को सुनिश्चित किया है तो ये लोग अपना गुस्सा ईवीएम पर फोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

डॉ. ब्रजेश बने नागरी लिपि परिषद वीबीएसपीयू इकाई के अध्यक्ष

केटी न्यूज/जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में नागरी लिपि परिषद की बैठक शनिवार को हुई । जिसमें नागरी लिपि परिषद पूर्वांचल विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष डॉ ब्रजेश कुमार यदुवंशी को बनाया गया । इस मौके पर नागरी लिपि के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए पूर्व कुलपति ने बताया कि यह किस तरह दुनिया में अपने को विस्तार कर रही है। बैठक की अध्यक्षता नागरी लिपि परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति डॉ पीसी पतंजलि ने किया । इस अवसर पर नागरी लिपि परिषद के पूर्वांचल विश्वविद्यालय इकाई का अध्यक्ष डॉ

ब्रजेश कुमार यदुवंशी को बनाया । डॉ ब्रजेश कुमार यदुवंशी को अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया इस मौके पर नागरी लिपि परिषद दिल्ली के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति डॉ पीसी पतंजलि ने कहा कि नागरी लिपि का प्रयोग पूरी दुनिया में हिंदी संस्कृत के साथ अन्य भारतीय भाषाओं के लेखन के लिए उपयोग किया जा रहा है । नागरी लिपि के प्रचार प्रसार के लिए शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। नागरी लिपि के वैज्ञानिकता को लेकर शिक्षण संस्थानों में कार्यशालाएं भी आयोजित की जाएगी। टंकण की दृष्टिकोण से नागरी लिपि परिषद शिक्षक एवं छात्रों के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । उन्होंने कहा कि नागरी लिपि परिषद अपने स्थापना दिवस की स्वर्ण जयंती भी मना रही है। उन्होंने कहा की नागरी लिपि को जरूरत के हिसाब से पाठ्यक्रमों में भी उपयोग में लाया जाएगा। पूर्व कुलपति ने कहा कि नागरी लिपि परिषद के पूर्वांचल विश्वविद्यालय इकाई का अध्यक्ष डा ब्रजेश यदुवंशी को यह दायित्व सौंपा गया है । इस अवसर पर प्रो अविनाश पार्थिडेकर, प्रो बीडी शर्मा, डॉ अवधेश यादव , डॉ वीरेंद्र, डॉ दिलीप मौजूद रहे।

वाराणसी में आयोजित दंगल में देश के 500 पहलवानों ने दिखाया दम, राजस्थान की बेटियों का जलवा

नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता में हरियाणा बना चैंपियन

- फ्री स्टाइल कुश्ती से लेकर ग्रीको रोमन तक जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले
- पुरुषों के फ्री स्टाइल में दिल्ली ने दिल जीता तो फ्री स्टाइल में यूपी की महिला पहलवानों ने बाजी मारी

केटी न्यूज/वाराणसी

वाराणसी में भारतीय कुश्ती संघ द्वारा आयोजित नेशनल कुश्ती चौंपियनशिप का शुक्रवार की रात समापन हो गया। नेशनल कुश्ती चौंपियनशिप के मुकाबले जीतकर हरियाणा चौंपियन बना। वहीं, दूसरे पायदान पर दिल्ली का दबदबा रहा। राजस्थान की महिला पहलवानों के बेहतर प्रदर्शन ने उन्हें तीसरे नंबर पर पहुंचाया। हालांकि यूपी टॉप श्री से दूर रह गया। समापन पर भारतीय कुश्ती संघ के

अध्यक्ष संजय सिंह और यूपी कुश्ती संघ के अध्यक्ष करन भूषण सिंह ने पुरस्कार वितरित किए। बीएचयू के महाराज विभूति नारायण सिंह इंडोर स्टेडियम (एम्फी थियेटर) में तीन दिवसीय आयोजन का भव्य समापन हुआ। इसमें पुरुष और महिला पहलवानों ने अखाड़े में खूब दांव पेच दिखाए। फ्री स्टाइल कुश्ती से लेकर ग्रीको रोमन तक जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले। पुरुषों के फ्री स्टाइल में दिल्ली ने दिल जीता था तो फ्री स्टाइल में यूपी की महिला पहलावानों ने बाजी मारी। पुरुषों के ग्रीको रोमन मुकाबले में हरियाणा की टीम सबसे अधिक 172 अंक अर्जित कर चौंपियन बनी। 135 अंक लेकर दिल्ली की टीम दूसरे स्थान पर रही जबकि 111 अंकों के साथ राजस्थान की टीम तीसरे स्थान पर रही।

मां शीतला महोत्सव में गंगा तट पर बही सुरों की रसधार

वाराणसी। वाराणसी के दशाश्वमेध घाट स्थित सिद्ध पीठ श्री बड़ी शीतला माता माई धाम में पांच दिवसीय शीतला महोत्सव के पांचवी और अंतिम निशा माता शीतला का भव्य श्रृंगार गायन वादन नृत्य के साथ मनाया गया। माता शीतला को पंचामृत स्नान कराकर षोडशोपचार विधि से पूजन पं पुरुषोतम पांडे ने किया। माता की आरती पंडित अविनाश पांडे ने किया। भाजपा संस्कृति प्रकोष्ठ के संयोजक गीतकार कन्हैया दुबे (केडी) के संयोजन और संचालन में गायन वादन नृत्य का आयोजन हुआ। शिप्रा घोष ने शिव स्तुति पर आधारित नागेंद्र हाराय श्लोक पर कथक नृत्य प्रस्तुत किया। अदिति शर्मा और सिद्धि कस्तूरी ने गणपति की आराधना करते हुए जय-जय गणेश गजानन पर भाव नृत्य की प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया।

सुभाषितम्

पीड़ा से दृष्टि मिलती है, इसलिए आत्मपीड़न ही आत्मदर्शन का माध्यम है।

- भगवान महावीर

प्रकृति की ताकत के आगे असहाय वैज्ञानिक

दुनिया में प्रकृति को नजर अंदाज करते हुए, मानवीय विकास को लेकर जो नए-नए शोध और कार्य हुए हैं। उनसे प्रकृति को जिस तरह से खुली चुनौती दी जा रही है। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करते हुए मानव विकास की जो नई संरचना तैयार की जा रही है। वह अपनी उच्चतम सीमा में पहुंच चुकी है। इस कारण अब प्रकृति ने भी अपने अस्तित्व को बचाने के लिए प्रतिरोध करना शुरू कर दिया है। जिस मानवीय विकास की संरचना को बनाने में कई दशक लगे। प्रकृति ने उसे एक ही झटके में समाप्त कर, यह बता दिया है, कि सीमा रेखा तोड़ोगे तो उसका फल भी भुगतना पड़ेगा। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग बेकाबू हो चुकी है। पांइस में स्थित आईटीआई का भवन जंगल की आग में पूरी तरह जल गया है। जंगल की आग नैनीताल हाईकोर्ट तक पहुंच गई है। नैनीताल, भीमताल, रानीखेत, अल्मोड़ा, कमाऊ के जंगल धधक रहे हैं। सेना एवं स्थानीय प्रशासन आग बुझाने में लगी। आग पर काबू पाने में बहुत समय लगा, जिससे जंगल ही बर्बाद हो गया। इसके पहले भी हिमालय की तराई में भू-स्खलन की सैकड़ो घटनाएं हो चुकी हैं। पहाड़ फट रहे हैं। पिछले दो दशकों में हिमालय के पहाड़ों को खोदकर जिस तरह बांध बनाए गए हैं। पावर स्टेशन खड़े किए गए हैं। रोड बनाने के लिए पहाड़ों को काटा गया है। रेल मार्ग के लिए पहाड़ों को एक-दूसरे से जुदा कर दिया गया है। इन सब कृत्यों से शांत पहाड़ों में ऐसा कंपन शुरू कर दिया गया, जिसके कारण हिमालय अब अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए, मानवीय विकास की कल्पनाओं और संरचनाओं को एक ही झटके में धूल-धूसरित कर रहा है।

हिमालय क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। पिछले साल ही शिमला, उत्तराखंड के कई इलाकों में भूस्खलन की बड़ी-बड़ी घटनाएं हुई। यहां का मौसम भी बड़ी तेजी के साथ बदलने लगा। अप्रैल के महीने में जून जैसी गर्मी पहाड़ों में पड़ रही है। हिमालय के ग्लेशियर पिघलने लगे। भारत में नहीं, बल्कि दुनिया के कई अन्य देशों में प्राकृतिक आपदाओं का प्रकोप बढ़ रहा है। जो मानवीय एवं प्रकृतिजन्य जीवन के लिए सबसे बड़ा संकट माना जा रहा है। जिस तरह से इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए पहाड़ों और प्राकृतिक संरचनाओं को खोखला किया गया। इसका विरोध समय-समय पर वैज्ञानिकों, साधु संतों और (शंकराचार्यों) ने भी किया था। भारत सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। परिणाम स्वरूप प्राकृतिक एवं धार्मिक स्थल भी अब सुरक्षित नहीं हैं। अयोध्या मैं रामलला के मंदिर का निर्माण हुआ। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चारों शंकराचार्यों ने कहा, जब तक मंदिर के शिखर का निर्माण नहीं होता है ऐसी अवस्था में भगवान प्राण प्रतिष्ठा नहीं हो सकती है। सरकार ने अहंकार के चलते, सनातन धर्म के सबसे बड़े धर्म गुरुओं (शंकराचार्यों) की बात भी नहीं मानी। जबकि उन्होंने स्पष्ट रूप से चेतावनी देते हुए कहा था यदि अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होगी, तो प्रकृति-जन्य आपदा आना निश्चित है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में चारों शंकराचार्य में से कोई भी शंकराचार्य शामिल नहीं हुआ। अब जिस तरह की प्राकृतिक आपदाएं देखने को मिल रही हैं। उसके बाद यही कहा जा सकता है, प्रकृति के नियमों का पालन नहीं किए जाने पर प्रकृति अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए प्रयास कर रही है। उसे ही प्राकृतिक आपदा कहा जाता है। यहां केवल भारत की बात नहीं हो रही है। पूरी दुनिया के देशों में जिस तरह से प्रकृति को चुनौती देते हुए मानवीय विकास और मानवीय अहंकार के चलते जिस तरह से विकास और आग्नेयू शास्त्रों के माध्यम से राज करने का जो प्रयास हो रहा है, उसके कारण दुनिया के देश विनाश के रास्ते पर चल पड़े हैं। अब इसे प्राकृतिक आपदा कहें, या ईश्वर का प्रकोप कहें। इसमें सभी एक राय नहीं हो सकते हैं। विकास की इस दौड़ में मानव जाति अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति अथवा ईश्वर को चुनौती देने का काम कर रही है। यही कारण है, कि दुनिया के सारे देशों में अब प्राकृतिक आपदाएं बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। विकसित राष्ट्र भी अब इससे अछूते नहीं रहे। अमेरिका, यूरोपीय देश, रूस, चीन जैसी महाशक्तियों को भी प्राकृतिक आपदा झेलनी पड़ रही है।

चिंतन-मनन

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

दुनिया का सबसे महंगा चुनाव है गंभीर चुनौती

- ललित गर्ग

भारत में होने वाले चुनाव में हो रहे बेसुमार खर्च की तपीश समूची दुनिया तक पहुंच रही है। समूची दुनिया के तमाम देशों में भारत के चुनाव को न केवल दम साध कर देखा जा रहा है बल्कि इन चुनाव के खर्चों एवं लगातार महंगे होते चुनाव की चर्चा भी पूरी दुनिया में व्याप्त है

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लोकसभा चुनाव 2024 अनेक दृष्टियों से यादगार, चर्चित, आक्रामक एवं ऐतिहासिक होने के साथ-साथ अब तक का सबसे महंगा एवं दुनिया का सबसे खचीर्ला चुनाव है। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की हालिया रिपोर्ट के अनुसार इस बार का चुनावी खर्च एक लाख बीस हजार करोड़ रुपये के खर्च के साथ दुनिया का सबसे महंगा चुनाव होने की ओर अग्रसर है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के खर्च की तुलना में इस बार दुगुना खर्च होगा। चुनाव प्रक्रिया अत्यधिक महंगी एवं धन के वर्चस्व वाली होने से राजनीतिक मूल्यों का विसंगतिपूर्ण एवं लोकतंत्र की आत्मा का हनन होना स्वाभाविक है। चुनाव जनतंत्र की जीवनी शक्ति है। यह राष्ट्रीय चरित्र का प्रतिबिम्ब होता है। जनतंत्र के स्वस्थ मूल्यों को बनाए रखने के लिए चुनाव की स्वस्थता, पारदर्शिता, मितव्ययता और उसकी शुद्धि अनिवार्य है। चुनाव की प्रक्रिया गलत होने पर लोकतंत्र की जड़े खोखली होती चली जाती हैं। करोड़ों रुपए का खचीर्ला चुनाव, अच्छे लोगों के लिये जनप्रतिनिधि बनने का रास्ता बन्द करता है और धनबल एवं धंधेबाजों के लिये रास्ता खोलता है। इन चुनावों में अर्थ का अनुचित एवं अतिशयोक्तिपूर्ण खर्च का प्रवाह जहां चिन्ता का कारण बन रहा है, वहीं समूची लोकतांत्रिक प्रणाली को दूषित करने का सबब भी बन रहा है। इस तरह की बुराई एवं विकृति को देखकर आंख मूंदना या कानों में अंगुलियां डालना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसके विरोध में व्यापक जनचेतना को जगाना जरूरी है। यह समस्या या विकृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि दुनिया के समूचे लोकतांत्रिक राष्ट्रों की समस्या है।

18वीं लोकसभा चुनाव में हर राजनैतिक दल अपने स्वार्थ की बात सोच रहा है तथा येन-केन-प्रकारेण ज्यादा से ज्यादा वोट प्राप्त करने की अनैतिक तरकीबें निकाल रहा है। एक-एक प्रत्याशी चुनाव का प्रचार-प्रसार करने में करोड़ों रुपयों का व्यय करता है। यह धन उसे पूंजीपतियों, उद्योगपतियों, राजनीतिक दलों एवं प्रायोजकों से मिलता है। चुनाव जीतने के बाद वे उद्योगपति उनसे अनेक सुविधाएं प्राप्त करते हैं। इसी कारण सरकार उनके अनुचित दबाव के विरुद्ध कोई आवाज नहीं उठा पाती और अनैतिकता एवं आर्थिक अपराध की परम्परा को सिंचन मिलता रहता है। यथार्थ में देखा जाए तो जनतंत्र अर्थतंत्र बनकर रह जाता है, जिसके पास जितना अधिक पैसा होगा, वह उतने ही अधिक वोट खरीद सकेगा। लेकिन इस तरह लोकतंत्र की आत्मा का ही हनन होता है, इस सबसे उन्नत एवं आदर्श शासन प्रणाली पर अनेक प्रश्नचिन्ह खड़े होते हैं।

सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज रिपोर्ट के मुताबिक आमतौर पर चुनाव अभियान के लिए धन अलग-अलग स्त्रोतों से अलग-अलग तरीको से उम्मीदरवारों और राजनीतिक दलों के पास आता है। राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को चुनाव खर्च के लिए मुख्य रूप से रियल इस्टेट, खनन, कारपोरेट, उद्योग, व्यापार, ठेकेदार, चिटफण्ड कंपनियां, ट्रांसपोर्टर, परिवहन ठेकेदार, शिक्षा उद्यमकर्ता, एनआआई, फिल्म, दूरसंचार जैसे प्रमुख स्त्रोत है। इस साल डिजिटल मीडिया द्वारा प्रचार बहुत ज्यादा हो रहा है। राजनीतिक दल पेशेवर एजेंसिया की सेवाएं ले रहे हैं। इनसे सबसे अधिक राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा प्रचार अभियान, रैली, यात्रा खर्च के साथ-साथ सीधे तौर पर गोपनीय रूप से मतदाताओं को सीधे नकदी, शराब, उपहारों का वितरण भी शामिल है। देश में 1952 में हुए पहले आम चुनाव की तुलना में 2024 में 500 गुणा अधिक खर्च होने का अनुमान है। प्रति मतदाता 6 पैसे से बढ़कर आज 52 रुपये खर्च होने का अनुमान है। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव में होने वाले वास्तविक खर्च और अधिकारिक तौर पर दिखाए गए खर्चे में काफी अंतर है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव में देश के 32 राष्ट्रीय और राज्य पार्टियों द्वारा आधिकारिक तौर पर सिर्फ 2,994 करोड़ रुपये का खर्च दिखाया। इनमें दिखाया गया कि राजनीतिक दलों ने 529 करोड़ रुपये उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने के लिए दिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव में राजनीतिक दलों द्वारा निर्वाचन आयोग में पेश खर्च का ब्यौरा और वास्तविक खर्च के साथ-साथ उम्मीदवारों द्वारा अपने स्तर पर किए जा रहे खर्चे में काफी अंतर है। अमेरिकी चुनाव पर नजर रखने वाली एक वेबसाइट के रिपोर्ट का हवाला देते हुए, सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के अध्यक्ष एन भास्कर राव ने कहा कि यह 2020 के अमेरिकी चुनावों पर हुए खर्च के लगभग बराबर है, जो 14.4 बिलियन डॉलर यानी 1 लाख 20 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि दूसरे शब्दों में कहें तो भारत में 2024 में दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव अब तक का सबसे महंगा चुनाव साबित होगा।

भारत में होने वाले चुनाव में हो रहे बेसुमार खर्च की तपीश समूची दुनिया तक पहुंच रही है। समूची दुनिया के तमाम देशों में भारत के चुनाव को न केवल दम साध कर देखा जा रहा है बल्कि इन चुनाव के खर्चों एवं लगातार महंगे होते चुनाव की चर्चा भी पूरी दुनिया में व्याप्त है। लोकसभा चुनाव में भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस आदि दलों एवं उनके उम्मीदावारों ने मतदाताओं को प्रभावित करने के लिये तिजोरियां खोल दी है। यह चुनाव राष्ट्रीय मसलों के मुकाबले राजनीतिक दलों के हित सुरक्षित रखने के वादे पर ज्यादा केंद्रित लग रहा है और टकराव के मुद्दे थोड़े ज्यादा तीखे हैं। लेकिन अगर मुद्दों से इतर अभियानों की बात करें तो यह खबर ज्यादा ध्यान खींच रही है कि इस बार चुनाव अब तक के इतिहास में सबसे खचीर्ला साबित होने जा रहा है। इस चुनावों के अत्यधिक खचीर्ले होने का असर व्यापक होगा। चुनाव के तवे को गर्म करके अपनी रोटियां सेंकने की तैयारी में प्रत्याशी वह सब कुछ कर रहे हैं, जो लोकतंत्र की बुनियाद को खोखला करता है। काफी लंबे और जटिल प्रक्रिया के तहत चलने वाले चुनाव में जनता के बीच समर्थन जुटाने के लिए उम्मीदवार जितने बड़े पैमाने पर अभियान चलाते हैं, उसमें उन्हें स्थानीय कार्यकताओं से लेकर सामग्रियों और जनसंपर्कों तक के मामले में कई स्तरों पर खर्च चुकाने पड़ते हैं। यों किसी भी देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत होने वाले चुनावों में ऐसा ही होता है, लेकिन भारत में इसी कसौटी पर खर्च में कई गुना ज्यादा होना चिन्ता का सबब बनना चाहिए। दुनिया की आर्थिक बदहाली एवं युद्ध की विभीषिका से चौपट काम-धंधों एवं जीवन संकट में लोकसभा के चुनाव कहां कोई आदर्श प्रस्तुत कर पा रहे हैं? इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है, जो लोग चुनाव जीतने के लिए इतना अधिक खर्च कर सकते हैं तो वे जीतने के बाद क्या करेंगे, पहले अपनी जेब को भरेंगे, अर्थव्यवस्था पर आर्थिक दबाव बनायेंगे।

घोषणा पत्र की क्या जरुरत

-संजय गोस्वामी

ढाई अक्षर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होए।। उपरोक्त पंक्ति के रचियता कबीरदास हैं। इस पंक्ति के माध्यम से ये कहना चाह रहें है कि बड़ी बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुँच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। अलग–अलग शब्दों में सभी महापुरूषों ने प्रेम का बखान किया है। वास्तव में प्रम मानव-जाति की बुनियाद है। प्रेम ऐसा चुम्बक है, जो सबको अपनी ओर खींच लेता है। जिसके हृदय में प्रेम है, उसके लिए सब अपने हैं। भारतीय संस्कृति में तो सारी पृथ्वी को एक कटुम्ब माना गया है–वसुधैव कुटुम्बकम्।
जो सबकों प्रेम करता है, उससे बड़ा दौलतमंद कोई नहीं हो सकता। वह दूसरे के दिल में ऊँची भावना पैदा कर देता है। यदि गुस्सा होकर सूरज धूप और रोशनी न दे, धरती अन्न न दे, हवा प्राण न दे, तो सोचिए, हम लोगों की क्या हालत होगी! और प्रेम इस तर्क मे बड़ी भूल है। ईश्वर ने सारे इंसानो को एक-सा बनाया है। आदमी आदमी मे कोई अन्तर नही रक्खा।

आज कल चुनाव में घोषणा पत्र पर एक दूसरे पर वार पे वार किये जा रहें है इसकी जरुरत ही नहीं क्योंकि दोनों का काम जनता ने देख लिया है वो ना तो घोषणा पत्र का पन्ना पढ़ कर वोट करने वाली है ना ही घोटाला पर किसी के लिए वो घोटाला लगेगा किसी के लिए सोची समझी नीति और कोई कुछ भी ना लें और नोटा पर वोट कर दें इसलिए चुनाव में लोगों की दिलचस्पी नहीं दिखा जो पहले थी अब इसपर नए सिरे से सोचेने की जरुरत है वोट मेरा अधिकार है जिसे देना जरुरी है दरअसल हर 10साल के बाद एंटीइनकॉवेंसी यानि सत्ता पक्ष में कुछ लोगों का विरोध तो होता ही है अब इतनी बड़ी जनसंख्या है 140करोड़ लोगों का देश जब मजदूर को खुश करेंगे तो उद्योगपति को नुकसान होगा और जब मजदूर काम करके भी नहीं खा सकेगा तो ऐ भी उद्योगपति को खुश रखना जैसे होगा,बस सेवा ही एक ऐसा हैजो एक जीवन का हिस्सा है किसी खेल में कोई हारता है कोई जीतता है लेकिन अपशब्द का प्रयोग किसी भी पार्टी के लिए घातक साबित होगी इसमें शांत रहकर लोगों की सेवा करना चाहिए जो जनता के दिल में जगह बनाएगी जो असली प्रेम होगा सेवा करना इंसान को सत्ता या उससे बाहर भी रहकर कर सकते हैं सत्ता में होंगे तो विरोधी आपका टांग खीचेंगे और जब सत्ता में नहीं रहेंगे तो पावर नहीं होगा जीससे आप काम कर सकें लेकिन अनेकों उदाहरण है जो सत्ता से अलग रहकर भी लोगो की सेवा की और उसी आधार पर भगवान राम हो गए जो सबके पूज्य है सेवा के लिए पहली शर्त प्रेम हैं, अर्थात जिसके दिल में प्रेम हैं, वही सेवा कर सकता है। टॉल्स्टॉय ने कहा है, प्रेम स्वर्ग का रास्ता है। बुद्ध का कथन है, प्रेम इंसानियत का एक फूल है और है और प्रेम उसका मधु। रामकृष्ण परमंहस ने कहा है, प्रेम संसार की ज्योति है। विक्टर ह्यूगों का कहना है, जीवन एक फल है और प्रेम उसका मधु। रामकृष्ण परमंहस ने कहा है, प्रेम अमरता का समुदंर है। कबीर का कथन है, जिस घर में प्रेम नहीं, उसे मरघट समझ–बिना प्राण के साँस लेने वाली लुहार की धौंकनी।

ढाई अक्षर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होए।। उपरोक्त पंक्ति के रचियता कबीरदास हैं। इस पंक्ति के माध्यम से ये कहना चाह रहें है कि बड़ी बड़ी पुस्तकें पढ़ कर संसार में कितने ही लोग मृत्यु के द्वार पहुँच गए, पर सभी विद्वान न हो सके। अलग–अलग शब्दों में सभी महापुरूषों ने प्रेम का बखान किया है। वास्तव में प्रम मानव-जाति की बुनियाद है। प्रेम ऐसा चुम्बक है, जो सबको अपनी ओर खींच लेता है। जिसके हृदय में प्रेम है, उसके लिए सब अपने हैं। भारतीय संस्कृति में तो सारी पृथ्वी को एक कटुम्ब माना गया है–वसुधैव कुटुम्बकम्।
जो सबकों प्रेम करता है, उससे बड़ा दौलतमंद कोई नहीं हो सकता। वह दूसरे के दिल में ऊँची भावना पैदा कर देता है। यदि गुस्सा होकर सूरज धूप और रोशनी न दे, धरती अन्न न दे, हवा प्राण न दे, तो सोचिए, हम लोगों की क्या हालत होगी! और प्रेम इस तर्क मे बड़ी भूल है। ईश्वर ने सारे इंसानो को एक-सा बनाया है। आदमी आदमी मे कोई अन्तर नही रक्खा। अन्तर तो स्वयं आदमी ने पैदा किया है। एक आदमी दिमाग से काम करता है, दूसरा शरीर से। पहले को हम बड़ा मानते है और उसे अधिक पैसा देते है, दूसरे को किसान-मजूर कहकर छोटा मानते है। और उसकी कम कीमत लगाते है। लेकिन यह न्याय नही है। जो दिमाग काम करता है, उसे भी खाने को अन्न चाहिए और अन्न बिना शरीर की मेहनत के नही मिल सकता। शरीर से काम करे वाले को दिमागी काम करने वाले का सहारा चाहिए। इस तरह दोनों एक-दूसरे के पूरक है। एक के बिना दूसरे का काम नही चल सकता।

पर आज का समाज उन्हें एक-दूसरे का पूरक या साथी मानता कहाँ है? बुद्धि से काम करने वाला शरीर की मेहनत को छोटा और ओछा मानता है और उससे बचता है। वह मानता है कि मजूर से मेहनत लेने का उसे अधिकार है।ईश्वर सच्चिदानन्द है, असीम शक्ति का भंडार है। ईश्वर हमारे लिए एक अनन्त एवं अक्षय शक्तिस्रोत है। यदि आपका आत्मविश्वास विलुप्त हो चुका है, आप प्रभु भक्ति के द्वारा उसे पुनः प्राप्त कर सकते हैं। भावपूर्ण प्रार्थना करना एक विचित्र संबल देता है। धर्मों के नाम पर परस्पर घृणा का प्रचार करनेवाले तथा युद्ध भड़कानेवाले धर्म के तत्व एवं उद्देश्य को नहीं समझते हैं। संत किसी एक धर्म के खूंटे से नहीं बँधते हैं और सत्य का सत्कार करते हैं, वह चाहे जहाँ भी प्राप्त हो। एक सच्चा मानव मंदिर, गिरजा, गुरुद्वारा, मस्जिद को समान रुप से पवित्र मानता है तथा उसे अनेक मार्गों (धर्मों) के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। अपनी व्यक्तिगत अनुभूति के आधार पर ईश्वरतत्व को पहचानना तथा अपने स्वभाव के अनुसार उसके साथ एक व्यक्तिगत नाता स्थापित करना ईश्वर-प्राप्ति का श्रेष्ठ मार्ग है।अतः घोषणा पत्र पर ध्यान ना देकर काम पर ध्यान देना चाहिए चंद्रयान 3की सफलता ने तो भारत में इतिहास बना दिया अगर घोषणा पत्र पर ध्यान देते तो कुछ नहीं होता एक होकर लगन से काम किया कल किसने देखा है उसकी भविष्यवाणी आज हम नहीं कर सकते है हाँ ऐ जरुर कर सकते है संकट में एक दूसरे के काम आजायेगा।

डालते चलो ! बस वोट डालते चलो !!...

-राकेश अचल

` लोकतंत्र की सेहत के लिए जरूरी है कि मतदाता जागरूक हो । जागरूक मतदाता ही लोकतांत्र को हर संकट से बचाता है। सत्ता वोटर को नचाती है और वोटर सत्ता को। वोटर ने अतीत में नायकों,खलनायकों और तो बड़े - बड़े अधिनायकों को कत्थक कराया है। 2024 के आम चुनाव में भी भारतीय मतदाता जिस तर्ज पर मतदान कर रहा है उसे देखकर पता नहीं क्यों सत्तारूढ़ दल की नींद उड़ी हुई है। मतदान के पहले दो चरणों ने तो सत्तारूढदल को बहुत निराश किया है।

मुझे यद् है की 1965 में एक फिल्म आई थी हम सब उस्ताद है इस फिल्म के लिए हमारे उस्ताद असद भोपाली ने एक गीत लिखा था - हो प्यार बांटते चलो
प्यार बांटते चलो
हे प्यार बांटते चलो
प्यार बांटते चलो
क्या हिन्दू क्या मुसलमान
हम सब हैं भाई भाई
आज मुझे लगता है कि असद भाई होते तो इस गीत को दोबारा लिखते और कहते
- वोट डालते चलो
वोट डालते चलो
हे वोट डालते चलो
वोट डालते चलो
क्या हिन्दू,क्या मुसलमान
हम सब हैं भाई -भाई

दरअसल भारत का वोटर भारतीय होने के नाते वोट डालता है। लेकिन पहली बार हमारे पंत प्रधान ने वोटरों को हिन्दू -मुसलमान में विभक्त कर दिया। वोटरों में भक्तों अंधभक्तों की जमात अलग है । पंत प्रधान ने वोटरों को डराया,मुसलमानों का भय दिखाया ,कहा वे सत्ता में आये तो मंगलसूत्र लूट लेंगे। आपकी विरासत उन मुसलमानों में बाँट देंगे जो ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं। वोटर पंत प्रधान के इस आव्हान से भ्रमित हो गए और इसका असर पहले और दूसरे चरण के मतदान पर साफ दिखाई दे रहा है। अपेक्षित मतदान न होने से मोशा जोड़ी की नींद उड़ गयी है। मोशा जोड़ी चाहती थी कि भारत में भी रूस की तर्ज पर कम से कम 87 फीसदी मतदान तो होता ताकि मोदी जी को पुतिन जैसा जन समर्थन मिलने का डंका बजाया जा सकता।

हम लोग सनातनी हैं इसलिए धार्मिक ग्रंथों में हमारी अटूट आस्था है। राम चरित मानस की चौपाइयां तो हमारे लिए सूत्रों /मंत्रों के सदृश्य है। मानस में कहा गया है कि - होइहै वो ही जो राम रची रखा। को कह तर्क बढ़ावहि साखा।। इसलिए मतदान के प्रतिशत को लेकर हम कोई तर्क/वितर्क करना ही नहीं चाहते। सत्तारूढ़ दल कम मतदान से चिंतित है तो हमारी बला से। हम तो सिर्फ इतना जानता हैं कि वोटरों को हिन्दू-मुसलमान बने बिना अपने वोट का इस्तेमाल करना चाहिए। यही राजधर्म है ।यही राष्ट्रप्रेम है। इसी से सद्गति भी मिलती है । इसी से अच्छे दिन आते-जाते रहते हैं।

केंचुआ के आंकड़े बताते हैं कि लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 88 सीटों के लिए शुक्रवार शाम छह बजे तक 68.49 फीसदी मतदान हुआ। सात राज्यों में मतदान 70 फीसदी से अधिक रहा। त्रिपुरा में सर्वाधिक 79.66 फीसदी मतदान हुआ। राजस्थान को छोड़कर हिंदी पट्टी में मतदान को लेकर उत्साह नजर नहीं आया। सरकार और सरकारी पार्टी को लगता है कि हमारा वोटर केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला का कहा बुरा मान गया। कम से कम राजपूत तो मान ही गए इसलिए उन्होंने या तो जानबूझकर भाजपाई होते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान नहीं किया ,या किया है तो भाजपा को सबक सिखाने के लिए किया है।

आज का राशिफल

मेष आज रुपये-पैसे के मामले में शुभ योग बने हुए हैं और आज आपके लिए उच्च पद की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

तुला संभलकर कार्य करने की जरूरत है। दूसरे लोगों के वजह से किसी मामले में असहज हो जाएंगे।

वृषभ आज आपकी संपत्ति में वृद्धि होगी। भाग्य साथ देगा। परिवार में सुख शान्ति के योग हैं।

वृश्चिक आज शुभ योग बन रहे हैं और आज आपकी किस्मत चमकने वाली है।

मिथुन नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति के योग बने हुए हैं। संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेगा।

धनु आज आर्थिक मामलों में शुभ योग बन रहे हैं और आपके भाग्य में वृद्धि होने से मन में प्रसन्नता रहेगी।

कर्क आज शुभ योग बन रहे हैं। आज आपको किसी जरूरी कार्य से यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मकर आज मान प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही है। ग्रहों के शुभ प्रभाव से आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति होगी।

सिंह आज आपके मन में प्रसन्नता रहेगी। जरूरी कार्य को पूरा करने की वजह से व्यस्तता रहेगी।

कुंभ आज का दिन सफलता से भरा होगा और कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

कन्या आज लाभ का दिन है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी और आय में वृद्धि होगी।

मीन आज का दिन मिश्रित रूप से फालकारक रहेगा। संपत्ति के सुधार व रख रखाव में खर्च बढ़ेगा।

विशेष

सूरत का निर्विरोध चुनाव छात्र संघ के चुनाव की तरह?

गुजरात के सूरत में,कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन पत्र को, प्रस्तावक और समर्थक के हाजिर नहीं होने पर खारिज कर दिया गया। उसके बाद जो अन्य आठ उम्मीदवार थे। उन्होंने भी अपने नाम वापस ले लिए। फर्जी शपथ पत्र और फर्जी हस्ताक्षर के आधार पर सूरत में जिस तरह से निर्विरोध निर्वाचन कराया गया है। रिटर्निंग ऑफिसर की भूमिका को लेकर भी चुनाव में किस तरह से धांधली होती है। इसकी चर्चा सारे देश और दुनिया में होने लगी है। क्या भारत का यही लोकतंत्र है। जिस तरह से सूरत मैं भाजपा उम्मीदवार का निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। उसने छात्र राजनीति की याद दिला दी है। चुनाव जीतने के लिए जिस तरह अपहरण करते थे। नामांकन करने और नामांकन के बाद बंधक बनाकर चुनाव जीत जाते थे। यही सूरत के लोकसभा चुनाव में हुआ है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का नाम ऑपरेशन निर्विरोध मैं आना, जो 24 घंटे तक सूरत में बने रहे। चर्चा का विषय बना हुआ है। निर्विरोध निर्वाचन का यह नया गुजरात मॉडल विकसित हुआ है। इसके जरिए आसानी से चुनाव जीता जा सकता है। मतदाताओं को मनाने की भी कोई जरूरत नहीं है। बिना वोट प्राप्त किये भी चुनाव जीता जा सकता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1492: स्पेन ने मूरो से ग्रेनाड छीन लिया. 1757: नवाब सिराजुद्दौला से राबर्ट क्लाइव ने कलकत्ता छीन लिया. 1799: नेपोलियन बोनापार्ट अपनी सेना के साथ सीरिया पहुंचा. 1899: रामकृष्ण मिशन के भिक्षुओं ने वैलूर मठ में रहना शुरू किया. 1900: अमरीका ने चीन के लिए खुली नीति की घोषणा की. 1905: रूस ने मंचूरियाई हरपोर्ट आर्थर जापानियों के हवाले कर दिया.1913: यूनान ने चियोस द्वीप स्थित तुर्की के शस्त्रागार पर कब्जा किया. 1932: मंचूरिया में मंचूकओ गणराज्य की स्थापना हुई थी. 1937: स्पेन की स्वतंत्रता की रक्षा हेतु इंग्लैंड और इटली में समझौता. 1942: द्वितीय विश्व युद्ध में जापानियों ने फिलीपीस की राजधानी मनीला पर कब्जा किया था. 1965: अयूब खान पाकिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव में विजयी हुए.

दैनिक पंचांग

28 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.28 बजे से
चंद्र	धनु में	मिथुन	08.26 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.39 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.55 बजे से
गुरु	मेष में	कन्या	15.07 बजे से
शुक्र	मेष में	तुला	17.18 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	19.33 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.49 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.54 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	कुंभ	01.40 बजे से
		मीन	03.13 बजे से
		मेष	04.44 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 119 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 08.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 04.49 बजे प्रात: को समाप्त।
योग शिव 02.06 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 08.22 बजे तदनन्तर कौलव 20.14 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14° 14'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871963
जूलियन दिन 2460428.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना सव्वाल
तारीख 18

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

साउथ के सियासी पिच पर बगैर हाफ सेंचुरी लगाए नहीं पूरा होगा 400+ का टारगेट

बीजेपी के सामने क्या है बड़ी चुनौती

संसद में अपनी सभी भारी संख्या के बावजूद पीएम मोदी के नेतृत्व वाला एनडीए गुट अभी भी दक्षिण में केवल टुकड़ों में मौजूद है। बीजेपी के पास दक्षिण भारत की 130 में से केवल 29 सीटें हैं। इनमें से अधिकांश कर्नाटक से और कुछ तेलंगाना से आती हैं। हालांकि, जो बात बीजेपी को एक दुर्जेय चुनावी संगठन बनाती है, वह अपने राजनीतिक सक्रियता और माहौल बनाने के जरिए उन जगहों पर अपनी जमीन बनाने में निपुणता है, जहां उसके पास करने के लिए बहुत गुजांइश होती है।प्रधान मंत्री ने चुनावों से पहले प्रचार अभियान का नेतृत्व किया है। वर्ष की शुरुआत से, मोदी ने दो दर्जन से अधिक बार इस क्षेत्र का दौरा किया है। वो भी अक्सर बहुत धूमधाम और प्रदर्शन के साथ। पीएम ने यहां विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। एनडीए उम्मीदवारों के लिए रोड शो और रैलियां आयोजित कीं। इसके जवाब में विपक्षी दल द्रमुक, कांग्रेस, बीआरएस और वामपंथियों ने चक्रव्यूह की तर्ज पर जोश के साथ अपना हमला तेज कर दिया।

(अनिल कुमार)

लोकसभा चुनाव में दूसरे चरण का मतदान खत्म हो चुका है। बीजेपी के अबकी बार, 400 पार नारे के लिए दक्षिण का किला बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी के साथ खुद पीएम मोदी ने दक्षिण भारत में बीजेपी की छाप छोड़ने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है।

देश में लोकसभा चुनाव शुरू हो चुका है। 19 अप्रैल को पहले दौर और 26 अप्रैल दूसरे चरण का मतदान हो चुका है। लोकसभा चुनाव साथ देश में क्रिकेट का टूर्नामेंट आईपीएल भी चल रहा है। भारत एक ऐसा देश हैं जहां राष्ट्र के रूप में चुनावों के साथ-साथ क्रिकेट को भी उतना ही पसंद करता है। दोनों के बीच समानताएं भी दिख जाती हैं। ऐसे में क्रिकेट के जरिये आज की राजनीति परिदृश्य को समझते हैं। वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज ब्रायन लारा ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक 375 रन का रिकॉर्ड बनाया था। लारा को अपने ही 375 के रिकॉर्ड को पार करने और 400 रन का स्कोर बनाकर इतिहास में दर्ज होने में दस साल लग गए। इस बार 400 की यह संख्या लोकसभा चुनावों में राजनीतिक चर्चा पर हावी दिख रही है। अब सवाल है कि क्या बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार इन चुनावों में अबकी बार 400 बार के अपने बहुप्रचारित लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश की जाएगी? एनडीए सरकार के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दावा है कि दुनिया में एकमात्र लोकप्रिय सरकार है जो एक दशक के बाद भी लोगों की पसंद बनी हुई है। अब एनडीए 400 का आंकड़ा पार कर पाएगा या नहीं यह तो 4 जून को ही पता चलेगा, लेकिन एक बात काफी हद तक तय है कि आने वाले समय में इसका लोकप्रिय चुनावी नारे की सच्चाई में कड़ी मशक्कत दिख रही है। इसके लिए एनडीए को दक्षिण भारत की 130 सीटों पर बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

दक्षिण में नहीं दिखा प्रभाव

संसद में अपनी सभी भारी संख्या के बावजूद पीएम मोदी के नेतृत्व वाला एनडीए गुट अभी भी दक्षिण में केवल टुकड़ों में मौजूद है। बीजेपी के पास दक्षिण भारत की 130 में से केवल 29 सीटें हैं। इनमें से अधिकांश कर्नाटक से और कुछ तेलंगाना से आती हैं। हालांकि, जो बात बीजेपी को एक दुर्जेय चुनावी संगठन बनाती है, वह अपने राजनीतिक सक्रियता और माहौल बनाने के जरिए उन जगहों पर अपनी जमीन बनाने में निपुणता है, जहां उसके पास करने के लिए बहुत गुजांइश होती है।प्रधान मंत्री ने चुनावों से पहले प्रचार अभियान का नेतृत्व किया है। वर्ष की शुरुआत से, मोदी ने दो दर्जन से अधिक बार इस क्षेत्र का दौरा किया है। वो भी अक्सर बहुत धूमधाम और प्रदर्शन के साथ। पीएम ने यहां विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया है। एनडीए उम्मीदवारों के लिए रोड शो और रैलियां आयोजित कीं। इसके जवाब में विपक्षी दल द्रमुक, कांग्रेस, बीआरएस और वामपंथियों ने चक्रव्यूह की तर्ज पर जोश के साथ अपना हमला तेज कर दिया।

प्रधानमंत्री की गति को ध्यान में रखते हुए, बीजेपी के वरिष्ठ मंत्रियों ने भी लगातार दौरा किया। उन्होंने अपने उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। संसद के शीतकालीन सत्र के तुरंत बाद, भाजपा ने दक्षिण में 84 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए एक रोडमैप तैयार किया। यहां उसने

प्रदर्शन किया था। इसने उन्हें सबसे कमजोर कहा और उम्मीदवारों की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए विस्तारकों को तैनात किया। कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनावों के दौरान पैदल सैनिकों का पहली बार टेस्ट किया गया था। दक्षिण में अधिकांश बीजेपी उम्मीदवार भी मोदी की गारंटी के मुद्दे पर चल रहे हैं। यह प्रधान मंत्री के मजबूत नेतृत्व के बारे में अधिक है और खुद उम्मीदवारों के बारे में कम दिखता है।

बीजेपी के लिए तमिलनाडु केरल है चुनौती– मीडिया के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में, बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या, जो बेंगलुरु दक्षिण में कांग्रेस की सौम्या रेड्डी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, ने कहा था कि मोदी भारत की 543 सीटों पर वास्तविक उम्मीदवार हैं। हालांकि, अधिकांश सीटें कर्नाटक में हैं। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में बीजेपी के लिए समर्थन में लगातार वृद्धि, हो रही है। बीजेपी के लिए असली चुनौती तमिलनाडु और केरल से है, जो राज्य में वैचारिक आधार वाली पार्टियों द्वारा शासित हैं। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में बड़ी मात्रा में राजनीतिक पूंजी निवेश की है। इस साल की शुरुआत में राम मंदिर अभिषेक से लेकर मोदी ने आठ बार अकेले तमिलनाडु का दौरा किया। घोषणापत्र में 'सबसे पुरानी भाषा' को दुनिया में पहुंचाने का वादा करने से लेकर, नई संसद में सेनगोल को शामिल करने तक, मंदिर के दौरे तक शामिल किया है। तमिल संगम शुरू करना, स्थानीय पोशाक पहनना, सार्वजनिक रैलियों में तिरुवल्लुवर जैसी स्थानीय सार्वजनिक हस्तियों को उद्धृत करना, यहां तक कि 'चुनावी तौर पर चुनिंदा समय' पर 'कच्चतीवू' का मुद्दा उठाना, जैसा कि विपक्ष का दावा है, मोदी ने सब कुछ झोंक दिया है जनता की कल्पना पर कब्जा करने का उनका शस्त्रागार, जो अधिकांशतः भाजपा या प्रधान मंत्री के लिए अनुकूल नहीं रहा है।

द्रविड़ मातृभूमि के लिए लड़ाई

उत्तर भारत में बढ़ते मतदान आधार के बावजूद, बीजेपी ऐतिहासिक रूप से कभी भी तमिलनाडु में कोई महत्वपूर्ण पैठ नहीं बना पाई है। फैक्ट यह है कि पार्टी का वोट शेयर 5 प्रतिशत से भी कम रहा है। यह राज्य पर क्षेत्रीय पार्टियों के नियंत्रण को बताता है। यह भगवा पार्टी के सही मायनों में अखिल भारतीय पार्टी बनने के मिशन के बीच एकमात्र बाधा बनी हुई है। हालांकि, बीजेपी यहां सीटें नहीं तो वोट शेयर में अपनी संभावनाएं बढ़ाने के लिए एक ठोस प्रयास करती नजर आ रही है। तमिलनाडु में बीजेपी के अभियान का नेतृत्व स्वयं प्रधान मंत्री और राज्य स्तर पर अनामलाई के रूप में नए चेहरे ने किया है। एएनआई के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में, पीएम मोदी ने कहा दावा किया कि द्रमुक के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर भाजपा की ओर अनुकूल वोटों में बदल रही है। प्रधान मंत्री ने बीजेपी के राज्य प्रमुख अनामलाई को 'संतन विरोधी' और 'वंशवाद से प्रेरित द्रमुक' के खिलाफ लड़ने वाला 'स्पष्ट नेता' बताया था। तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख अन्नामलाई के जमीनी स्तर के प्रयासों और प्रतिद्वंद्वी द्रमुक को उनकी चुनौती ने ध्यान आकर्षित किया है। जनता के बीच उनकी लोकप्रियता और सत्तारूढ़ डीएमके पार्टी के साथ टकराव ने राज्य में भाजपा को सुर्खियों में ला दिया है। हालांकि सामान्य साझेदार अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन नहीं करते हुए, भाजपा ने क्षेत्र में छह से अधिक छोटे दलों के साथ गठबंधन किया है। हालांकि, मुख्यमंत्री स्टालिन, जो कि इंडिया ब्लॉक के सबसे मजबूत क्षेत्रीय नेताओं में से एक हैं, ने दावा किया कि पीएम मोदी की दक्षिण यात्राएं उस नुकसान की भरपाई करने के लिए जो उत्तर में उनका इंतजार कर रहा है।

क्या केरल भगवा पार्टी के लिए बहुत दूर है?

केरल की राजनीति में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) लंबे समय से प्रभावी रहे हैं, लेकिन बीजेपी अब एक मजबूत चुनौती पेश कर रही है। चुनौती पेश करने के प्रयास में, बीजेपी ने तिरुवनंतपुरम में तीन बार के कांग्रेस सांसद शशि थरूर के खिलाफ केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और एटिंगल में यूडीएफ सांसद अदूर प्रकाश के खिलाफ वी मुरलीधरन को मैदान में उतारा है। कई हाई-प्रोफाइल कांग्रेस नेता भी भाजपा में शामिल हो गए हैं। इनमें पूर्व सीएम के करुणाकरण की बेटी पद्मजा वेणुगोपाल और पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी शामिल हैं। चुनावों से पहले, प्रधान मंत्री इस वर्ष 7 बार केरल का दौरा कर चुके हैं। राम मंदिर के अभिषेक के लिए आध्यात्मिक अभ्यास शुरू करने से लेकर, भाजपा के घोषणापत्र को केरल के लोगों के लिए 'विशु उपहार' कहने तक, ईसाई समुदाय तक पहुंचने तक, 'नारायण गुरु' जैसे स्थानीय हस्तियों का आह्वान करने तक शामिल है। अपनी बेटी के ईडी के रडार पर आने के बाद सीएम पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ सरकार को 'भ्रष्ट' बताने से लेकर कांग्रेस पर केरल में प्रतिबंधित पीएफआई की राजनीतिक शाखा से मदद लेने का आरोप लगाने के जरिये मोदी ने सभी पर दबाव डाला है।

लोकसभा 2024 में 19 और 26 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान हो गया है। लोकसभा चुनाव में अब एक-दूसरे पर जमकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। दरअसल, कंकर मुंजारे इस बार बहुजन समाज पार्टी की टिकट पर बालाघाट संसदीय सीट से लोकसभा प्रत्याशी हैं जबकि उनकी पत्नी कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे कांग्रेस प्रत्याशी सम्राट सिंह सरस्वार के लिए वोट मांग रही हैं। हालांकि ऐसा पहले भी हुआ है कि एक ही परिवार के सदस्य भिन्न प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार करें किंतु इन पति-पत्नी का मामला अनोखा होता जा रहा है। सभी मात्र सत्तासुख के भूखे हैं और येन-केन-प्रकारेण स्वयं सत्ता सुख भोगना चाहते हैं, फिर भले ही पारिवारिक मूल्यों तथा रिश्तों की बलि ही क्यों न चढ़ जाए। कभी नेहरु गांधी परिवार में निजी रिश्तों में खटास की वजह से संजय गांधी और राजीव गांधी के परिवार ने अपना रास्ता अलग कर लिया था। आज अलग होकर भी अपनी जीत सुनिश्चित करने का यह नशा नीचे तक पहुंच चुका है।

म.प्र.बालाघाट से बारामती तक चुनावी चक्कर में बिखर रहे परिवार

देश की राजनीति ऐसी होती जा रही है कि समाज में ही बंटवारा नहीं हो रहा बल्कि घरों में भी फूट पड़ रही है और पति पत्नी के रिश्ते तक बिखर रहे हैं। मध्य प्रदेश की बालाघाट लोकसभा सीट पर इन दिनों कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है जहां पति पत्नी के दिलों में राजनीति ने दरार पैदा कर दी है। 1989 में बालाघाट से निर्दलीय सांसद कंकर मुंजारे परसवाड़ा विधानसभा सीट से 1985 में जनता पार्टी की टिकट पर, 1993 में समाजवादी क्रांतिकारी पार्टी से और 1998 में पुनः जनता पार्टी की टिकट पर विधायक चुने गए थे जबकि इनकी पत्नी अनुभा मुंजारे सात बार विधानसभा चुनाव और तीन बार सांसदी का चुनाव लड़ने के पश्चात आखिरकार 2023 में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में बालाघाट विधानसभा सीट से पहली महिला विधायक बनने में सफल हुईं। लोकसभा चुनाव 2024 में अब पति,पत्नी, भावी-देवर और सास-बहू का मुकाबला यहां रोचकता प्रदान कर रहा वहीं परिवार में मनमुटाव का दौर भी जारी थी। कंकर मुंजारे का राजनीतिक अनुभव अपनी पत्नी के मुकाबले अधिक है जिसे अनुभा भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार करती हैं। उन्होंने कई बार कहा है कि वे अपने पति के चलते ही राजनीति में आई अन्यथा वे स्कूल में अध्यापिका होतीं। विपरीत वैचारिक मत के बाद भी दोनों पति-पत्नी एक-दूसरे का सम्मान करते हैं किंतु लोकसभा चुनाव में अब एक-दूसरे पर जमकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। दरअसल, कंकर मुंजारे इस बार बहुजन समाज पार्टी की टिकट पर बालाघाट संसदीय सीट से लोकसभा प्रत्याशी हैं जबकि उनकी पत्नी कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे कांग्रेस प्रत्याशी सम्राट सिंह सरस्वार के लिए वोट मांग रही हैं। हालांकि ऐसा पहले भी हुआ है कि एक ही परिवार के सदस्य भिन्न प्रत्याशियों के पक्ष में चुनाव प्रचार करें किंतु इन पति-पत्नी का मामला अनोखा होता जा रहा है। कंकर मुंजारे ने वैचारिक मतभेद के चलते अपना घर छोड़कर बालाघाट से 20 किलोमीटर दूर खेत में झोपड़ी बना ली है और वे वहीं रह रहे हैं जबकि उनकी पत्नी अपने बेटे के साथ घर में रहती हैं। कंकर मुंजारे कांग्रेस प्रत्याशी सम्राट सिंह पर राजनीतिक हमले करने के बजाए अपनी विधायक पत्नी पर क्षेत्र की अनदेखी करने और ओलावृष्टि के समय मथुरा-वृन्दावन घूमने का आरोप लगा रहे हैं जिस पर उनकी पत्नी 'सब आपसे ही सीखा है' कहकर कंकर मुंजारे को असहज कर रही हैं। कंकर तो यहां तक भी बोल गए कि यदि अनुभा उनकी पत्नी न होतीं तो वे विधायक बनने के लायक ही नहीं थीं। दोनों के बीच वैचारिक मतभेद उनके घर पर भी दिख रहा है जहां कांग्रेस का झंडा लगा है और बसपा का झंडा कंकर मुंजारे ने उतारकर अपनी झोपड़ी पर लगा दिया है। 19 अप्रैल को प्रथम चरण के मतदान में बालाघाट सीट पर मतदान पूर्ण हो गया है उसके बाद कंकर मुंजारे ने अपने घर वापस जाने की बात कही है किंतु जो राजनीतिक अलगाव दोनों में हो गया है, उससे क्या इनका आपसी सामंजस्य और वैवाहिक जीवन पटरी पर आ पाएगा, यह मध्य प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है। यह भी कम दिलचस्प नहीं है कि कंकर मुंजारे कांग्रेस से लोकसभा का टिकट मांग रहे थे जो उन्हें नहीं मिला और अनुभा मुंजारे जिन सम्राट सिंह का चुनाव प्रचार कर रही हैं, उनके पिता अशोक सिंह सरस्वार से वे स्वयं दो बार विधानसभा चुनाव हार चुकी हैं। पवार परिवार में बंटवारा शरद पवार के गढ़ बारामती लोकसभा में भी स्थिति ऐसी बन गई है जो आम जनता के साथ ही पवार परिवार को असहज कर रही है। अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के सामने एनसीपी संस्थापक शरद पवार की पुत्री सुप्रिया सुले खड़ी हैं जिससे पहले से छिन्न-भिन्न पवार परिवार में और कलह बढ़ गई है। ननद-भाभी के बीच की लड़ाई ने चाचा-भतीजा के आपसी मतभेद को मनभेद में बदल दिया है। मेरे लिए ताज्जुब की बात है, वो बैरिस्टर कैसे बने?, ओवैसी के 'बीफ काटते रहो' बयान पर भाजपा कैंडिडेट माधवी लता शरद पवार किसी भी कीमत पर सुप्रिया सुले को जिताना चाहते हैं जबकि अजीत पवार अपनी पत्नी के सहारे अपने चाचा को राजनीतिक रूप से समाप्त करना चाहते हैं। यह तभी संभव है, जब वे चाचा से बारामती छीन लें क्योंकि चाचा की राजनीतिक गर्भनाल बारामती है। एक बार बारामती से चाचा को दूर किया तो पूरी राजनीतिक विरासत पर अजीत पवार का कब्जा हो जाएगा। तब सुप्रिया सुले को भी उनकी सरपरस्ती में आना होगा और यही शरद पवार नहीं चाहते। इसलिए शरद पवार सुप्रिया की जीत में कोई कसर नहीं छोड़ रहे किंतु क्षेत्र में अजीत पवार का भी खासा समर्थक वर्ग है जो शरद पवार को चिंतित कर रहा है। राजनीतिक विरासत के चलते टूट चुके पवार परिवार की वैचारिक लड़ाई अब परिवार के अन्य सदस्यों के लिए भी दुविधा का कारण बन रही है। राजनीति ने तोड़ा पति-पत्नी का रिश्ता 2019 में लोकसभा चुनाव से पूर्व तृणमूल कांग्रेस के नेता सौमित्र खान ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था और विष्णुपुर लोकसभा सीट से भाजपा के सांसद भी बन गए। उनके चुनाव प्रचार में उनकी पत्नी सुजाता मंडल ने दिन-रात एक कर दिए किंतु 2022 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान सुजाता मंडल ने भाजपा छोड़कर तृणमूल कांग्रेस की सदस्यता ले ली जिससे उखड़कर सौमित्र खान ने सुजाता मंडल से तलाक ले लिया। दोनों राजनीति की अलग-अलग पटरियों पर सरपट दौड़ रहे थे किंतु लोकसभा चुनाव ने दोनों को पुनः एक-दूसरे के सामने ला खड़ा किया। सौमित्र खान विष्णुपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी हैं जबकि सुजाता मंडल को तृणमूल कांग्रेस ने इसी लोकसभा सीट से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। अब दोनों पति पत्नी एक-दूसरे पर जमकर अपनी भड़ास निकाल रहे हैं जबकि दोनों ने 2016 में प्रेम विवाह किया था।

कई बार यह भड़ास एक-दूसरे को नीचा दिखाने तक भी पहुंच रही है जिसे क्षेत्र की जनता चटखारे लेकर सुन रही है। ये चंद उदाहरण पर्याप्त हैं राजनीति में आई गिरावट को पुष्ट करने के लिए। एक समय प्रतिद्वंद्वी आपसी सम्मान तथा वैचारिक मतभिन्नता को राजनीतिक लाभ-हानि के आड़े नहीं आने देते थे किंतु अब राजनीतिक मतभिन्नता पारिवारिक रिश्तों पर भारी पड़ने लगी है। चूंकि वर्तमान में राजनीति सत्तासुख का पर्याय बन गई है अतः रिश्तों को भी अधिक फर्क नहीं पड़ रहा। सभी मात्र सत्तासुख के भूखे हैं और येन-केन-प्रकारेण स्वयं सत्ता सुख भोगना चाहते हैं, फिर भले ही पारिवारिक मूल्यों तथा रिश्तों की बलि ही क्यों न चढ़ जाए। कभी नेहरु गांधी परिवार में निजी रिश्तों में खटास की वजह से संजय गांधी और राजीव गांधी के परिवार ने अपना रास्ता अलग कर लिया था। आज अलग होकर भी अपनी जीत सुनिश्चित करने का यह नशा नीचे तक पहुंच चुका है।

हेल्थ सेक्टर में हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

हेल्थ सेक्टर जीवनदाता के रूप में उभरा है। ऐसे में हेल्थ केयर सेक्टर युवाओं के लिए बेहद शानदार है। एक सर्वे के अनुसार, साल 2025 तक देश में 10 लाख से अधिक हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत पड़ेगी।

आजकल के समय में कॅरियर को लेकर युवा काफी ज्यादा परेशान होते हैं। ऐसे में हेल्थ केयर सेक्टर युवाओं के लिए बेहद शानदार है। फिलकाल इस क्षेत्र में काफी कम लोग हैं। वहीं कोरोना महामारी के बाद इस सेक्टर के प्रति लोगों की जागरुकता बढ़ी है। हेल्थ सेक्टर जीवनदाता के रूप में उभरा है। ऐसे ही सेक्टर में कई विधाओं में कोर्स हैं, जिसमें से हॉस्पिटल मैनेजमेंट या हेल्थ केयर मैनेजमेंट कॅरियर के तौर पर एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है।

जानिए क्या है हास्पिटल मैनेजमेंट

हास्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के तहत आता है। इस सेक्टर से जुड़े प्रोफेशनल्स मानते हैं कि हेल्थ से संबंधित सर्विसेस के विस्तार से हास्पिटल मैनेजमेंट में काम बढ़ गया है। इस सेक्टर में व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने के साथ ही पैनी नजर भी बनाए रखना होता है। वहीं मरीजों को इलाज में बेहतर सुविधा मिले इसकी भी कोशिश करनी होती है। आधुनिक उपकरणों और नई-नई तकनीक की व्यवस्था करना और अच्छे डाक्टरों को जोड़ना हॉस्पिटल मैनेजमेंट के दायरे में आता है। इसके अलावा किसी हादसे के होने पर इन्हीं प्रोफेशनल्स को इसका जिम्मा उठाना पड़ता है। कर्मचारियों की सुविधा और हॉस्पिटल की वित्तीय व्यवस्थाओं आदि का कार्य भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट में आता है। आपको बता दें कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट में कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार भी इन कोर्स के दायरे में आता है।

कोर्स

- सर्टिफिकेट कोर्स इन हेलथ केयर क्वालिटी मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन
- ग्रेजुएशन इन हास्पिटल मैनेजमेंट
- पोस्ट ग्रेजुएशन इन हास्पिटल मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन इमरजेंसी मेडिसिन
- एमबीए इन हास्पिटल मैनेजमेंट

बैचलर कोर्स

- 12वीं में साइंस होने के साथ 50 प्रतिशत के साथ

पीजी कोर्स

- ग्रेजुएशन इन हास्पिल मैनेजमेंट
- एमफिल या पीएचडी
- पीडी हास्पिटल मैनेजमेंट

जॉब के अवसर

इस कोर्स को कर आप सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में नौकरी पा सकते हैं। जैसे आपकी इंटरनेशनल और डोमेस्टिक हेल्थ केयर इंस्टीट्यूट, अस्पताल के क्षेत्र में, हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी, नर्सिंग होम में नौकरी लग सकती है। इसके साथ ही वाक हार्ट, मैक्स, फोर्टिस, टाटा, अपोलो अस्पताल, डंकन, विप्रो, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, फोर्टिस हेल्थ केयर लिमिटेड, अपोलो हेल्थ केयर जैसी बड़ी कंपनियों में भी जॉब कर सकते हैं।

अंतरिक्ष विज्ञान में बना सकते हैं शानदार करियर

आज का दौर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का है। इसके कारण जमीन से लेकर आसमान तक पहुंचना आसान बना दिया है। साथ ही इस टेक्नोलॉजी के कारण युवाओं के लिए नए-नए करियर विकल्प भी खुल रहे हैं, इन्हीं में से एक है स्पेस साइंस। अगर आपको भी अनंत आकाश अपनी ओर आकर्षित करता है और आप ब्रह्माण्ड के रहस्य सुलझाना चाहते हैं, तो इस फील्ड में आप अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

आज के समय में भारत का अंतरिक्ष प्रोग्राम बहुत विकसित हो गया है। इस समय भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) न केवल भारत का उपग्रह अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित कर रहा है, बल्कि वह विकसित देशों के उपग्रह भी नियमित रूप से अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक भेज रहा है। जिसके कारण यहां के युवा वैज्ञानिकों के लिए भारतीय व विदेशी अंतरिक्ष विज्ञान के दरवाजे खुलने लगे हैं।

क्या है स्पेस साइंस?

'स्पेस साइंस' साइंस की वह शाखा है, जिसके अंतर्गत पृथ्वी से परे करोड़ों ग्रहों, उपग्रहों, तारों, धूमकेतुओं, आकाशगंगाओं एवं अन्य अंतरिक्षीय पिंडों का अध्ययन किया जाता है। इसके अलावा स्पेस साइंस के अंतर्गत उन नियमों एवं प्रभावों का भी अध्ययन किया जाता है, जो इन्हें संचालित करते हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में करियर उन हजारों रहस्यों से पर्दा उठाने का अवसर भी होता है, जो अभी तक अनसुलझे हैं। यह न केवल वैज्ञानिक स्वभाव की परीक्षा होती है, बल्कि आपकी जिज्ञासाएं भी शांत होती जाती हैं।

स्पेस साइंस में करियर का शानदार ऑप्शन

स्पेस साइंस या स्पेस टेक्नोलॉजी बेहद व्यापक फील्ड है। इसके तहत एस्ट्रोनॉमी व एस्ट्रोफिजिक्स, प्रामेट्री एटमॉस्फेयर और एयरोनॉमी, अर्थ साइंस और सोलर सिस्टम का कोर्स कराया जाता है। आज के दौर में स्पेस साइंस की कई सब-ब्रांचेज भी हैं। इनमें से मुख्य है कॉस्मोलॉजी, स्टेलर साइंस, प्लेनेटरी साइंस, एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोलॉजी आदि। साइंस और इंजीनियरिंग की ये शाखाएं अंतरिक्ष के चारों तरफ घूमती हैं। इस आर्टिकल के माध्यम से आइए उन विभिन्न करियर पर एक नजर डालते हैं जिन्हें आप चुन सकते हैं।

एस्ट्रोनॉमी

एक एस्ट्रोनॉमी का कार्य आउटर स्पेस का रिसर्च करना है। इसमें आकाशगंगा, सौर मंडल, तारे, ब्लैक होल, ग्रह आदि शामिल होता है। जिस पर रिसर्च कर एस्ट्रोनॉमी यहां पर होने वाली घटनाओं का पता लगाते हैं।

एस्ट्रोनॉट

ये वे खास लोग होते हैं, जो अंतरिक्ष में कदम रखकर अपने सपनों को पूरा करते हैं। ये स्पेस स्टेशन पर रहकर विभिन्न रिसर्च करते हैं। इनका कार्य बहुत मुश्किल होता है। इन्हें स्पेस स्टेशन में महीनों रहना पड़ता है।

स्पेस टेक्नोलॉजी

स्पेस टेक्नोलॉजी का करियर भी बेहद शानदार होता है। इसमें स्पेसक्रॉफ्ट, सेटेलाइट, स्पेस स्टेशन, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर इक्यूमेंट और स्पेस वॉर में शामिल होने वाले विभिन्न इक्यूमेंट को डिजाइन करने का कार्य होता है।

इंजीनियरिंग

एक एस्ट्रोनॉट लोगों के बीच ज्यादा पॉपुलर हो सकता है, लेकिन एक इंजीनियर स्पेस रिसर्च में पूरे अभियान की जान होता है। ये अभियान से जुड़े सभी इक्यूमेंट का डिजाइन करते हैं। इन इंजीनियरों के लिए एयरोस्पेस, रोबोटिक्स (थिंक मार्स रोवर्स), कंप्यूटर इंजीनियरिंग, मटेरियल साइंस के साथ ही मैकेनिकल और टेलीकॉम इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं।

स्पेस रिसर्च

स्पेस रिसर्च में विभिन्न फील्ड के लोग शामिल होते हैं। जैसे- एस्ट्रोफिजिसिस्ट (खगोलविद जो खगोलीय पिंडों का अध्ययन करते हैं), बायोलॉजिस्ट (ये स्पेस में रहने पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करते हैं), बायोकैमिस्ट और बायोफिजिसिस्ट (सभी तरह के रासायनिक और भौतिक पहलुओं को देखते हैं), जियोलॉजिस्ट (पृथ्वी की भौतिक प्रकृति का अध्ययन और विश्लेषण) और एस्ट्रोबायोलॉजिस्ट (दूसरे ग्रहों पर जीवन के संभावना का अध्ययन करते हैं) यह सभी स्पेस साइंटिस्ट के उदाहरण हैं। रिसर्च के अलावा भी कई विकल्प हैं, जैसे आप अंतरिक्ष भौतिकी के एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में काम कर सकते हैं और अंतरिक्ष यान से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण में भी शामिल हो सकते हैं।

स्पेस लॉ

यह अंतरिक्ष से संबंधित गतिविधियों को नियंत्रित करने वाला लॉ है। इसमें समझौतों, सम्मेलनों, संधियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नियमों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। आज के समय में जिस तरह स्पेस में भीड़ बढ़ रही हे, उसको देखकर स्पेस लॉ में करियर के ऑप्शन बढ़ते जा रहे हैं।

स्पेस टूरिज्म

यह सबसे तेजी से उभरता हुआ टूरिज्म है। इस फील्ड में कई नई कंपनियां आ रही हैं। यहां पर करियर बनाने का शानदार मौका है। आज के समय में इस क्षेत्र में लगे कुछ बड़े खिलाड़ी वर्जिन गेलेक्टिक, स्पेसएक्स, ब्लू ओरिजिन, ओरियन, ओरियन स्पैन (स्पेस होटल) और बोइंग हैं।

स्पेस आर्किटेक्ट

इसे भविष्य का जॉब कहा जा सकता है। जिस तरह से स्पेस टूरिज्म बढ़ रहा है, उससे स्पेस आर्किटेक्ट की जरूरत पड़ने लगी है। इनका कार्य स्पेस में रहने के लिए योग्य वातावरण पर रिसर्च करना और डिजाइन तैयार कर निर्माण करना है। कुछ कंपनियों का निकट भविष्य में अंतरिक्ष होटल बनाने की योजना है।

स्पेस मेडिसिन

इनका कार्य आउटर स्पेस से लौटने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर रिसर्च करने के साथ उनका इलाज करना है। इसके एक बड़े हिस्से में जीरो ग्रेविटी के कारण वेटलेसनेस और मनोवैज्ञानिक प्रभाव के कारण होने वाले शारीरिक परिवर्तनों पर रिसर्च होता है।

जैमोलॉजी की फील्ड में कमाई के मिलेंगे बेहतरीन अवसर

अगर आप क्रिएटिव हैं, तो आप ज्वैलरी डिजाइनिंग के कोर्स में बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं। इस फील्ड में सक्सेज पाने के लिए आपकी कल्पनाशीलता के साथ मार्केट रिसर्च भी अच्छा होना चाहिए।

समय के साथ ही कॅरियर के ऑप्शन में भी काफी बदलाव आ चुका है। ऐसे कई नए-नए कोर्स आ रहे हैं, जिनको कर युवा पीढ़ी पारंपरिक पढ़ाई के साथ इस कोर्सेज को कर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकें। ऐसा ही एक ज्वैलरी डिजाइनिंग का कोर्स है। इस कोर्स को कर युवा पीढ़ी अपना भविष्य संवार सकते हैं। अगर आप क्रिएटिव हैं, तो आप ज्वैलरी डिजाइनिंग के कोर्स में बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

- कैड फॉर जेम्स एंड ज्वैलरी
- बेसिक ज्वैलरी डिजाइन

बीएससी कोर्स

- बैचलर ऑफ एक्सेसरीज डिजाइन
- बीएससी इन ज्वैलरी डिजाइन
- बैचलर ऑफ ज्वैलरी डिजाइन

डिप्लोमा कोर्स

- डिप्लोमा इन ज्वैलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी
- ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग

ज्वैलरी डिजाइनिंग के कोर्स में आप अपने काम के प्रति लगाव और कुछ नया करने की सोच को शामिल करते हैं। वहीं डिजाइनिंग सेंस के अलावा आपको विभिन्न प्रकार के स्टोन्स और मेटल्स की जानकारी भी होनी चाहिए। इस फील्ड में सक्सेज पाने के लिए आपकी कल्पनाशीलता के साथ मार्केट रिसर्च भी अच्छा होना चाहिए। आपको बता दें कि ज्वैलरी डिजाइनर के मुख्य काम ज्वैलरी के स्टाइल व पैटर्न को अच्छा बनाना व सेट करना होता है। इसके लिए आपको कोरल ड्रा, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, ऑटो कैड और 3डी स्टूडियो जैसे सॉफ्टवेयर की मदद लेनी होती है। ऐसे में अगर आप भी 10वीं कर चुके हैं तो आप ज्वैलरी डिजाइनिंग के शार्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ज्वैलरी डिजाइनिंग के सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन कोर्सेज को कर इस फील्ड में अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

यहां से करें कोर्स

- इंडियन जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- जैमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर
- जैम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, जयपुर

बढ़ते पौधों पर ध्यान केंद्रित करता है प्लांट पैथोलॉजिस्ट

प्लांट पैथोलॉजी उन लोगों के लिए एक उपयुक्त कॅरियर है, जिनकी कृषि और जैविक क्षेत्रों में गहरी रुचि है। प्लांट पैथोलॉजी में अध्ययन मुख्य रूप से बढ़ते पौधों पर ध्यान केंद्रित करता है, जीवों और एजेंटों को समझना जो बीमारियों का कारण बनते हैं।

पौधे मनुष्य जीवन का आधार है। हालांकि यह बेहद जरूरी है कि पौधों के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाए। मनुष्यों और जानवरों की तरह, पौधे भी संक्रामक रोगों से प्रभावित हो सकते हैं और कमजोर हो सकते हैं। ये रोग पौधों के रोगजनकों नामक जीवित जीवों के कारण होते हैं जिनमें कवक, बैक्टीरिया, वायरस और परजीवी पौधे शामिल हैं। इसके अलावा वायु प्रदूषण और विभिन्न पर्यावरणीय कारकों के चलते भी कई बार पौधे कमजोर हो जाते हैं। पौधों को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है क्योंकि यह हमारी खाद्य श्रृंखला का आधार है। ऐसे में प्लांट पैथोलॉजिस्ट की जरूरत पड़ती है। तो चलिए विस्तारपूर्वक जानते हैं इस करियर क्षेत्र के बारे में-

क्या है प्लांट पैथोलॉजी

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि प्लांट पैथोलॉजी जिसे फाइटोपैथोलॉजी के रूप में भी जाना जाता है, पौधों में रोगों के अध्ययन से संबंधित है और पौधे संरक्षण विज्ञान की उप शाखाओं में से एक है। पादप संरक्षण विज्ञान कृषि विज्ञान की वह शाखा है जो पौधों को स्वस्थ रखने के तरीकों का अध्ययन करती है, विशेष रूप से उच्च उत्पादन के उद्देश्य से उन्हें विभिन्न नुकसानों से बचाती है। प्लांट पैथोलॉजी उन लोगों के लिए एक उपयुक्त कॅरियर है, जिनकी कृषि और जैविक क्षेत्रों में गहरी रुचि है। प्लांट पैथोलॉजी में अध्ययन मुख्य रूप से बढ़ते पौधों पर ध्यान केंद्रित करता हैय जीवों और एजेंटों को समझना जो बीमारियों का कारण बनते हैं। पौधे की पैथोलॉजी का क्षेत्र अन्य जैविक क्षेत्रों जैसे कि माइक्रोबायोलॉजी, माइकोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, जैव-सूचना विज्ञान, वायरोलॉजी आदि से जुड़ा हुआ है। कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि जो लोग पौधे के स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेषज्ञ होते हैं उन्हें प्लांट पैथोलॉजिस्ट या पौधे रोगविज्ञानी के रूप में जाना जाता है। पादप रोगविज्ञानी का प्रमुख कार्य पौधों को उनके द्वारा संक्रमित रोगों की रोकथाम, नियंत्रण और रोककर स्वस्थ रखना है। वे उपयोगी विधियों जैसे कि दवाइयां विकसित करना, पर्यावरण में स्थितियों को बदलना आदि के द्वारा रोग को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि वनस्पति विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, बागवानी, मृदा विज्ञान, फसल विज्ञान, आनुवांशिकी, पारिस्थितिकी, आणविक जीव विज्ञान, जैव रसायन में ग्रेजुएट कोर्स के बाद प्लांट पैथोलॉजी में कॅरियर बनाया जा सकता है। कुछ बीएससी कोर्स प्लांट पैथोलॉजी में स्पेशलाइजेशन भी प्रदान करते हैं। कई कृषि विश्वविद्यालय प्लांट पैथोलॉजी में बीएससी ग्रेजुएशन कोर्स ऑफर करते हैं। स्नातक कोर्स के बाद आप प्लांट पैथोलॉजी में मास्टर्स और डॉक्टरेट की डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं।

पर्सनल स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को कड़ी मेहनत से डरना नहीं चाहिए और उनमें धैर्य होना भी उतना ही जरूरी है। इसके अलावा आपका अपने काम के प्रति जुनून ही आपको आगे तक लेकर जाएगा। विश्लेषणात्मक और अनुसंधान कौशल, संचार कौशल, उनके विचारों को समझने और व्यक्त करने की क्षमता भी आवश्यक प्रमुख गुण हैं। इसके अलावा, निर्णय लेने की क्षमता, टीम में काम करने का कौशल व सभी चुनौतियों को सामना करने के लिए आपको तैयार रहना चाहिए।

देश की कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए प्लांट पैथोलॉजिस्ट एक बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। वे अन्य विशेषज्ञों जैसे प्लांट प्रजनक, खरपतवार विशेषज्ञ आदि के साथ मिलकर काम करते हैं। अनुसंधान, उत्पाद विकास, बिक्री, शिक्षण, प्रशासन, नियामक कार्य और निजी अभ्यास जैसे क्षेत्रों में पादप रोगविदों के लिए कई रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। प्लांट पैथोलॉजी में स्नातक प्लांट जेनेटिकिस्ट, प्लांट ब्रीडर, जलीय वनस्पति विज्ञानी, लिमोनोलॉजिस्ट, फिजियोलॉजिस्ट, प्लांट पैथोलॉजिस्ट आदि के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। इन्हें फार्म और ग्रीनहाउस मैनेजर, पार्क और गोल्फ के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। प्लांट पैथोलॉजिस्ट को एग्रोकेमिकल कंपनियों, बीज कंपनियों, उर्वरक कंपनियों, कृषि परामर्श आदि में नियुक्त किया जाता है। बीज कंपनियों को अधिक प्रतिरोध शक्ति के साथ बेहतर बीज विकसित करने के लिए प्लांट पैथोलॉजिस्ट की मदद की जरूरत होती है, क्योंकि उर्वरक कंपनियां पौधों की बीमारियों से संबंधित तकनीकी समस्याओं को हल करने के लिए उनकी मदद चाहती हैं।

आमदनी

एक प्लांट पैथोलॉजिस्ट का पारिश्रमिक उनकी शैक्षिक योग्यता और अनुभव के आधार पर तय होता है। हालांकि एक फ्रेशर इस क्षेत्र में प्रतिमाह 15000 से 22000 रूपए कमा सकता है। इसके अलावा, एक अनुभवी प्लांट पैथोलॉजिस्ट 45000 से 60000 रूपए प्रति माह की कमाई कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी नियामक ने रिपब्लिक फर्स्ट बैंक की संपत्ति जब्त की, इस बैंक को बेचने पर सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में संकटग्रस्ट रिपब्लिक फर्स्ट बैंक की संपत्तियों को बैकिंग नियामक एफडीआईसी ने जब्त कर लिया है। नियामक ने बताया कि बैंक की संपत्तियों को फुल्टन बैंक को बेचने पर सहमति बनी है। अमेरिकी नियामक एफडीआईसी ने रिपब्लिक फर्स्ट बैनकॉर्प की संपत्तियों को जब्त कर लिया है और इसे फुल्टन बैंक को बेचने पर सहमति व्यक्त की है। नियामक ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। फिलाडेल्फिया स्थित रिपब्लिक फर्स्ट बैंक ने निवेशकों के एक समूह के साथ फंडिग की वार्ता बंद कर दी थी, जिसके बाद पेंसिल्वेनिया डिपार्टमेंट ऑफ बैंकिंग एंड सिक्योरिटीज द्वारा इसे जब्त कर लिया गया। रिसीवर के रूप में नियुक्त एफडीआईसी ने कहा कि फुल्टन फाइनेंशियल कॉर्प की एक इकाई फुल्टन बैंक, पर्याप्त रूप से बैंक की सभी डिपॉजिट का ग्रहण करेगी और जमाकर्ताओं की सुरक्षा के लिए रिपब्लिक बैंक की सभी संपत्तियों को खरीदेगी। रिपब्लिक बैंक के पास 31 जनवरी, 2024 तक कुल संपत्ति में लगभग 6 अरब डॉलर और कुल जमा राशि में 4 अरब डॉलर थे। एफडीआईसी के अनुसार न्यू जर्सी, पेंसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क में रिपब्लिक फर्स्ट बैंक की 32 शाखाएं शनिवार या सोमवार को व्यावसायिक घंटों के दौरान फुल्टन बैंक की शाखाओं के रूप में फिर से खुलेंगी।

रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ 83.35 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई, एजेंसी। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया शुक्रवार को सात पैसे की गिरावट के साथ 83.35 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशों में डॉलर के मजबूत होने और घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली से स्थानीय मुद्रा प्रभावित हुई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और जोखिम से बचने की धारणा ने स्थानीय मुद्रा को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 83.30 प्रति डॉलर पर खुला। दिन में उसने 83.30 से 83.36 प्रति डॉलर के बीच कारोबार किया। अंत में 83.35 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से सात पैसे कम है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.28 पर बंद हुआ था। शेयरखान बाई बीएनपी परिबा के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ''कमजोर घरेलू बाजार और कच्चे तेल के दाम में तेजी से रुपये में गिरावट आई। हमारा अनुमान है कि पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने और घरेलू शेयर बाजार में कमजोर रुख से रुपया हल्के नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करेगा। उन्होंने कहा, ''कच्चे तेल के दाम में तेजी तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी रुपए पर और दबाव डाल सकती है। हालांकि रिजर्व बैंक अगर कोई हस्तक्षेप करता है तो रुपए को निचले स्तर पर समर्थन मिल सकता है...। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.38 प्रतिशत चढ़कर 89.35 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर रहा। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले

सब्जियों की ऊंची कीमतों से जून तक नहीं मिलेगी राहत, सामान्य से अधिक तापमान बढ़ा रहा चुनौतियां

नई दिल्ली, एजेंसी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023-24 में खाद्य महंगाई बढ़ाने में सब्जियों का करीब 30 फीसदी योगदान था। यह उनकी 15.5 फीसदी की सामान्य हिस्सेदारी से ज्यादा है।

महंगाई को घटाने और बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सब्जियों की ऊंची कीमतों से जून, 2024 तक राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। इसकी प्रमुख वजह है...तापमान का सामान्य से अधिक रहना, जो सब्जी उत्पादकों और उपभोक्ताओं के लिए चुनौतियां बढ़ा रहा है। क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, मौसम के अनियमित पैटर्न और पर्यावरण संबंधी अन्य कारक सब्जियों की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं। इनकी जल्द खराब होने की प्रवृत्ति भी बफर स्टॉक बनाने और आयात जैसे विभिन्न उपायों के जरिये कीमतों को नीचे लाने के प्रयास को सीमित कर रही हैं।

इसके अलावा, देश में कोल्ड स्टोरेज जैसी पर्याप्त बुनियादी ढांचा सुविधाएं नहीं होने से कीमतों को स्थिर करने के प्रयास और जटिल होते जा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023-24 में खाद्य महंगाई बढ़ाने में सब्जियों का करीब 30 फीसदी

योगदान था। यह उनकी 15.5 फीसदी की सामान्य हिस्सेदारी से ज्यादा है। भारत जलवायु दृष्टि से सर्वाधिक प्रभावित होने वाला देश है। लू, बाढ़ और तूफान जैसे मौमसी कारकों से सब्जियों के उत्पादन एवं कीमतों के मोर्चे पर जोखिम बढ़ रहा है। बढ़ता तापमान कीटों की समस्या को बढ़ा रहा है। इससे सब्जी उत्पादन व कीमतें प्रभावित हो रही हैं।

क्रिसिल ने कहा, 2023-24 के दौरान देश में सब्जियों की कीमतें उच्च स्तर पर पहुंच गईं। टमाटर व प्याज की कीमतों ने उपभोक्ताओं का बजट बिगाड़ दिया। लहसुन, अदरक, बैंगन, परवल और बींस समेत अन्य सब्जियों के दाम में भी तेज बढ़ोतरी देखने को मिली थी। उपभोक्ता मंत्रालय के मुताबिक, खुदरा बाजार में टमाटर, प्याज और आलू की कीमतें एक साल में 42 फीसदी तक बढ़ गई हैं। वित्त मंत्रालय ने हाल ही जारी अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में बताया है कि सरकार को मानसून के बाद खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है, क्यों कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस बार सामान्य से अधिक मानसून का अनुमान जताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य से अधिक बारिश से फसलों का अधिक उत्पादन होगा। वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा, खाद्य कीमतों में और नरमी आने वाली है क्योंकि आईएमडी ने मानसून के मौसम के दौरान सामान्य से अधिक बारिश की

ब्राजील और अर्जेंटीना से दालों की खरीद के लिए चल रही बातचीत

सरकार ने आवश्यक खाद्य वस्तुओं के आयात को आसान बनाया है। इसके अलावे नामित खुदरा दुकानों के माध्यम से आपूर्ति को सुव्यवस्थित किया गया है। सरकारी सूत्रों ने एएनआई को बताया कि सरकार दालों के आयात के दीर्घकालिक अनुबंध के लिए ब्राजील और अर्जेंटीना जैसे नए बाजारों के साथ बातचीत कर रही है। ब्राजील से 20,000 टन उड़द का आयात किया जाएगा और अर्जेंटीना से अरहर आयात करने के लिए बातचीत लगभग अंतिम चरण में है। सरकार ने दालों के आयात के लिए मोजाम्बिक, तंजानिया और म्यांमार से भी अनुबंध किया है। सब्जियों के संबंध में, क्रिसिल की हालिया रिपोर्ट भी बताती है कि, सब्जियों की कीमतें जून के बाद कम हो जाएंगी।

आईएमडी ने 2024 में सामान्य से अधिक मानसून की भविष्यवाणी की है

रिपोर्ट में कहा गया है, आईएमडी ने 2024 में सामान्य से अधिक दक्षिण-पश्चिम मानसून की भविष्यवाणी की है। यह सब्जियों की कीमतों के लिए अच्छा है, लेकिन मानसून का वितरण भी महत्वपूर्ण है। आईएमडी को जून तक सामान्य से अधिक तापमान की उम्मीद है, जिससे अगले कुछ महीनों तक सब्जियों की कीमतें बढ़ सकती हैं। इस वर्ष मार्च में सब्जियों की महंगाई दर फरवरी महीन के 30 प्रतिशत से घटकर 28.3 प्रतिशत रह गई है, पर यह पिछले साल के 8.4त्न की अपस्फीति की तुलना में बहुत अधिक है। इससे पहले आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताई थी। हालांकि एमपीसी ने कहा रबी की रिकॉर्ड फसल अनाज की कीमतों को कम करने में मदद करेगी। एमपीसी ने कहा कि मौसम मौसम की अनिश्चतता से जुड़ी घटनाएं खाद्य पदार्थों की कीमतों के लिए झटका साबित होती हैं। इस पर भू-राजनीतिक तनाव और तेल की कीमतों का भी असर पड़ता है। एमपीसी के अनुसार हालांकि इस साल आईएमडी के सामान्य से अधिक मानसून की भविष्यवाणी से शुरुआती चरण में खरीफ फसल की संभावनाएं भी बेहतर दिख रही हैं। उच्च खाद्य मुद्रास्फीति दुनिया की कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक चुनौती बनी हुई है। उदाहरण के लिए, जर्मनी, इटली, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे देश खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों का सामना कर रहे हैं।

भविष्यवाणी की है। इससे वर्षा जल का बेहतर वितरण और उच्च उत्पादन होने की संभावना है।

भारत में खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी के 8.7 प्रतिशत से घटकर मार्च में 8.5 प्रतिशत रह गई है। खाद्य मुद्रास्फीति का उच्च स्तर मुख्य रूप से सब्जियों और दालों की बढ़ी कीमतों के कारण है। सरकार ने कीमतों पर अंकुश लगाने के उपाय किए हैं। जमाखोरी रोकने के लिए स्टॉक सीमा तय करना, प्रमुख खाद्य पदार्थों के बफर को मजबूत करना और समय-समय पर उसे खुले बाजार को जारी करना शामिल है।

मारुति सुजुकी का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 47.8त्न उछलकर 3,877.8 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली, एजेंसी। कार बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 47.8 प्रतिशत उछलकर 3,877.8 करोड़ रुपए रहा। मुख्य रूप से भारी बिक्री और अनुकूल कीमतों के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में वाहन कंपनी का शुद्ध लाभ 2,623.6 करोड़ रुपए रहा था। मारुति सुजुकी ने शुक्रवार को कहा, कंपनी ने बीते वित्त वर्ष में 20 लाख वाहन बेचे, जो अबतक का सर्वाधिक है। कंपनी लगातार तीसरे वर्ष शीर्ष निर्यातक बनी रही। अब भारत से होने वाले कुल यात्री वाहन निर्यात में इसका योगदान 41.8 प्रतिशत है। मारुति सुजुकी का शेयर बीएसई पर 1.7 प्रतिशत गिरकर 12,687.05 रुपए पर बंद हुआ।

मसाला विवाद पर अमेरिकी खाद्य नियामक भी सतर्क, एमडीएच और एवरेस्ट से जुड़ी जानकारी जुटा रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। एफडीए के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया है कि एफडीए रिपोर्टों से अवगत है और स्थिति के बारे में अतिरिक्त जानकारी एकत्र कर रहा है। हांगकांग ने इस महीने एमडीएच के तीन मसाले और एवरेस्ट की फिश करी की बिक्री को रोक दिया था।

अमेरिकी खाद्य और औषधि प्रशासन (एफडीए) भारतीय मसाला निर्माताओं एमडीएच और एवरेस्ट के उत्पादों से जुड़ी जानकारी इकट्ठा कर रहा है। यह कार्रवाई हांगकांग की ओर से कथित तौर पर कैंसर पैदा करने वाले कीटनाशक का उच्च स्तर पर मिलने पर कुछ उत्पादों की बिक्री रोकने के बाद की जा

रही है। मीडिया रिपोर्ट्स ये दावे किए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एफडीए के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को रॉयटर्स को बताया, एफडीए रिपोर्टों से अवगत है और स्थिति के बारे में अतिरिक्त जानकारी एकत्र कर रहा है। हांगकांग ने इस महीने एमडीएच के तीन मसाले और एवरेस्ट की फिश करी की बिक्री को रोक दिया था। सिंगापुर ने भी एवरेस्ट मसालों को बाजार से वापस मंगाने का आदेश देते दिया था। उनकी ओर से कहा गया था कि इनमें एथिलीन ऑक्साइड का उच्च स्तर है, जो मानव उपयोग के लिए अयोग्य है और लंबे समय तक संपर्क में रहने पर इससे कैंसर हो सकता है। इस मामले में एमडीएच और एवरेस्ट की ओर से रॉयटर्स के सवालों का फिलहाल जवाब नहीं दिया गया है। इससे पहले एवरेस्ट ने कहा था कि उसके मसाले खाने के लिए सुरक्षित हैं। एमडीएच ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है।

सिंघानिया की पत्नी 3 कंपनियों के बोर्ड से बाहर:बोलीं- गौतम ने पहले मारपीट की, अब रेमंड ग्रुप की कंपनियों से बेदखल किया

नई दिल्ली , एजेंसी। रेमंड ग्रुप की तीन कंपनियों ने विवाद के बीच पत्नी नवाज मोदी को अपने बोर्ड से बाहर कर दिया है। 31 मार्च को एक एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी जनरल मीटिंग के जरिए जेके इन्वेस्टर्स लिमिटेड, रेमंड कंज्यूमर केयर और स्मार्ट एडवाइजरी एंड फिनसर्व ने नवाज मोदी को बोर्ड से बाहर किया है। इकोनॉमिक्स टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में इसके बारे में जानकारी दी है।

नवाज मोदी को जून 2015 में JKI, दिसंबर 2020 में RCCL और अक्टूबर 2017 में स्मार्ट एडवाइजरी एंड फिनसर्व में डॉयरेक्टर नियुक्त किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड कंपनी रेमंड ने अभी तक नवाज मोदी को बोर्ड से बाहर करने का प्रस्ताव नहीं रखा है, लेकिन जल्द ही वह भी ऐसा कर सकती है। रेमंड ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया ने 13 नवंबर 2023 में अपनी पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया से

अलग होने का ऐलान किया था।

बोर्ड से निकाले जाने की सूचना मिलने के बाद नवाज मोदी ने कहा, जब से मैं गौतम सिंघानिया के गलत कामों को उजागर कर रही हूं, तब से मेरे साथ बुरा व्यवहार किया जा रहा है। पहले मारपीट की और अब कंपनी से निकाल दिया।

इससे पहले जेके इन्वेस्टर्स और स्मार्ट एडवाइजरी के शेयरहोल्डर्स ने कंपनी को लिखा था कि उन्होंने डॉयरेक्टर के रूप में नवाज मोदी पर विश्वास खो दिया है। शेयरहोल्डर्स ने नवाज मोदी को बोर्ड से हटाने के लिए मीटिंग का अनुरोध किया था। इसके बाद 31 मार्च को बोर्ड की मीटिंग और गुरुवार को शेयरहोर्डर्स की मीटिंग हुई। अब कानूनी प्रक्रिया के साथ नवाज को हटा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, गौतम सिंघानिया के अलग होने की ऐलान के बाद नवाज मोदी ने अलग होने के लिए शर्त रखी थी। उन्होंने 1.4 बिलियन डॉलर (करीब 11 हजार करोड़ रुपए) की कुल संपत्ति में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगी थी। हालांकि, अभी तक कोई भी आखिरी फैसला नहीं हुआ है।

गौतम सिंघानिया रेमंड ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। उनकी नेटवर्थ करीब 11 हजार करोड़ रुपए है। रेमंड ग्रुप के पास क्लॉथ, डेनिम, कंज्यूमर केयर, इंजीनियरिंग और रियल एस्टेट सहित अन्य बिजनेस हैं। रेडिमेड कपड़ों के बाजार में ग्रुप की दमदार मौजूदगी है। यह डेनिम कैटेगरी में भी लीडिंग मैन्युफैक्चरर है। कंपनी हाई क्वालिटी डेनिम सप्लाई करती है।

क्रिप्टो एक्सचेंज वजीरएक्स के नए उपयोगकर्ता छह माह में दोगुने से ज्यादा बढ़े : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टो एक्सचेंज वजीर एक्स के नए उपयोगकर्ताओं के पंजीकरण की संख्या पिछले छह माह में 122 प्रतिशत बढ़ी है। देश के प्रमुख क्रिप्टो एक्सचेंज ने शुक्रवार को यह कहा। वजीरएक्स ने अक्टूबर, 2023 से मार्च 2024 तक की अवधि की अपनी छठी पारदर्शिता रिपोर्ट में यह भी कहा कि इस दौरान पिछले छह महीनों की तुलना में कारोबार मात्रा में 217 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, नए उपयोगकर्ताओं के पंजीकरण में 122 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसमें कहा गया है कि मार्च, 2024 में सर्वाधिक 40 करोड़ डॉलर से अधिक का कारोबार हुआ, जबकि दिसंबर, 2023 में सबसे ज्यादा नए पंजीकरण (साइन-अप) हुए। वजीरएक्स के उपाध्यक्ष राजगोपाल मेनन ने कहा, हम देश के 'वर्चुअल डिजिटल संपत्ति (वीडीए) परिवेश में नए विचार को बढ़ावा देते हुए उपयोगकर्ता के हितों की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमारी नई 'पारदर्शिता रिपोर्ट इसी विचार का संकेत है। नियमों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, उद्योग और अन्य संबद्ध लोगों के साथ सक्रिय सहयोग के माध्यम से हम सकारात्मक नियमों का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं जो सभी क्षेत्रों में ब्लॉकचेन और क्रिप्टो प्रौद्योगिकी में बदलाव लाने की क्षमता खोल सकते हैं।

हरित हाइड्रोजन चालित जहाजों के लिए पायलट स्थल के रूप में वाराणसी का चयन

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार के हरित नौका दिशा निर्देशों के अनुरूप वाराणसी को राष्ट्रीय जलमार्ग-एक पर हरित हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाले अंतर्देशीय जहाजों की तैनाती के लिए पायलट स्थल के रूप में चुना गया है। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, इस स्थान पर जहाजों को ईंधन आपूर्ति की प्रक्रिया (बंकरिंग) जैसी सुविधाओं के लिए संभावित पक्षों के साथ चर्चा चल रही है। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अपने कम उत्सर्जन गुणों के कारण मेथनॉल को वैश्विक स्तर पर मालवाहक जहाजों के लिए प्रमुख हरित ईंधन में गिना जा रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि अंतर्देशीय जहाजों के हरित बदलाव की दिशा में प्रगतिशील कदम के रूप में देश में मेथनॉल समुद्री इंजनों के स्वदेशी विकास के तंत्र का पता लगाने का सुझाव दिया गया था। मंत्रालय ने कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) के साथ मिलकर 23-24 अप्रैल को कोच्चि में अंतर्देशीय जलमार्ग और जहाज निर्माण में चुनौतियां और संभावित समाधान पर एक सम्मेलन का आयोजन किया था जिसमें समुद्री परिवहन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैंक एजेंटों पर आरबीआई की नकेल, ग्राहकों को देनी होगी कर्ज ऑफर की पूरी जानकारी

मुंबई नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने मसौदा पर 31 मई तक हितधारकों से राय मांगी है। इसमें कहा गया है कि ऐसे व्यक्तियों को उधार देना जो कर्जदाता के निर्णय को नियंत्रित करने या प्रभावित करने की स्थिति में हैं, चिंता का विषय हो सकता है, यदि ऋणदाता ऐसे उधारकर्ताओं से दूरी नहीं रखता है। आरबीआई ने बैंकों पर और नकेल कसी है। बैंकों के एजेंटों के रूप में काम करने वाले कर्ज सेवा प्रदाताओं यानी एलएसपी को उपलब्ध सभी लोन ऑफर्स की जानकारी कर्ज लेने वाले ग्राहकों को देनी चाहिए, ताकि वे सही फैसले ले सकें। कई एलएसपी कर्ज उत्पादों के लिए एकत्रीकरण सेवाएं प्रदान करते हैं। आरबीआई ने मसौदा पर 31 मई तक हितधारकों से राय मांगी है। इसमें कहा गया है कि ऐसे व्यक्तियों को उधार देना जो कर्जदाता के निर्णय को नियंत्रित करने या प्रभावित करने की स्थिति में हैं, चिंता का विषय हो सकता है

वॉट्सऐप ने कहा- दबाव बनाया तो भारत छोड़ देंगे, यूजर्स के मैसेज की जानकारी नहीं दे सकते

नई दिल्ली , एजेंसी। वॉट्सऐप भारत में सर्विस देना बंद कर सकता है। इंस्टेंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ने दिल्ली हाईकोर्ट में कहा कि अगर उसे मैसेजेस एन्क्रिप्शन तोड़ने के लिए मजबूर किया गया, तो वह भारत से चला जाएगा।

मेटा के दो बड़े प्लेटफॉर्म वॉट्सऐप और फेसबुक ने नए संशोधित आईटी नियमों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने दिल्ली हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था।

कंपनी ने कोर्ट में कहा कि नए नियमों से यूजर की प्राइवेसी खतरे में आ सकती है। मामले की सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच कर रही है।

वॉट्सऐप की ओर से एडवोकेट तेजस करिया और सरकार की ओर से कीर्तिमान सिंह

दलील रख रहे थे। दोनों पक्षों के बीच संक्षिप्त बहस के बाद हाईकोर्ट ने बीच का रास्ता निकालने को कहा। मामले की अगली सुनवाई 14 अगस्त को होगी।

आईटी नियम 2021 एन्क्रिप्शन के साथ यूजर्स की गोपनीयता को कमजोर करता है। यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत मौलिक अधिकारों का भी उल्लंघन करता है। दुनिया में कहीं और ऐसा कोई नियम नहीं है, ब्राजील में भी नहीं। यह नियम उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता के खिलाफ है और नियम बिना किसी परामर्श के पेश किया गया था। हमें एक पूरी श्रृंखला रखनी होगी और हमें नहीं पता कि किन मैसेज को सरकार मांग सकती है। इसका मतलब है कि करोड़ों मैसेज वर्षों तक स्टोर करना होगा। एंड-टु-एंड एन्क्रिप्शन एक कम्युनिकेशन सिस्टम है, जिसमें मैसेज भेजने वाले और मैसेज रिसीव करने वाले के अलावा कोई अन्य शामिल नहीं होता है। यहां तक कि कंपनी भी एंड-टु-एंड एन्क्रिप्शन में यूजर्स के मैसेज नहीं देख सकती है।

यह वॉट्सऐप की प्राइवेसी सेटिंग्स में एंड-टु-एंड एन्क्रिप्शन की जानकारी है। इसमें बताया गया है कि वॉट्सऐप और थर्ड-पार्टी ऐप आपका मैसेज ना पढ़ सकते हैं ना सुन सकते हैं। यह वॉट्सऐप की प्राइवेसी सेटिंग्स में एंड-टु-एंड एन्क्रिप्शन की जानकारी है। इसमें बताया गया है कि वॉट्सऐप और थर्ड-पार्टी ऐप आपका मैसेज ना पढ़ सकते हैं ना सुन सकते हैं। एन्क्रिप्शन के लिए वॉट्सऐप आपके मैसेज/डेटा को कॉम्प्लेक्स कंप्यूटर कोड में बदल देता है। इस मैसेज को वहीं डिक्रिप्ट कर सकता है जिसके पास सही एक्सेस-की होती है। कंपनी के पास भी यह एक्सेस की नहीं होती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने 2021 के इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के नए संशोधित नियमों को चुनौती दी है। इन नियमों के तहत वॉट्सऐप को चैट का पता लगाने के साथ-साथ यह भी पता करना होगा कि मैसेज पहली बार कहां से किसके पास भेजा गया। इससे पहले, केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया था कि वॉट्सऐप और फेसबुक बिजनेस या कॉमर्शियल पर्पस के लिए यूजर्स के डेटा बेचते हैं।

संक्षिप्त समाचार

तीरंदाजी विश्व कप में भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने जीता स्वर्ण

शंघाई , एजेंसी ।छह-छह तीरों के पहले तीन प्रयास में, ज्योति, अदिति और परनीत केवल दो बार परफेक्ट 10 से चूकीं। इन तीनों ने शुरुआत में ही मार्सेला टोनियोली, आइरीन फैंचिनी और एलिसा रोनर की इटली की तिकड़ी पर 178-171 की अच्छी बढ़त ले ली थी। भारतीय पुरूष और महिला कंपाउंड टीमों ने तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। शंघाई में चल रहे तीरंदाजी विश्व कप में महिलाओं की कंपाउंड टीम स्पर्धा में इटली को 236-225 से हराकर अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की टीम ने 24 तीरों में से केवल चार अंक गंवाकर छठी वरीयता प्राप्त इटली को अच्छे अंतर से हरा दिया और सीजन के शुरुआती वैश्विक शोपीस में अपना खाता खोला। छह-छह तीरों के पहले तीन प्रयास में, ज्योति, अदिति और परनीत केवल दो बार परफेक्ट 10 से चूकीं। इन तीनों ने शुरुआत में ही मार्सेला तोनिओली, इरेने फ्रांचिनी और एलिसा रोनेर की इटली की तिकड़ी पर 178-171 की अच्छी बढ़त ले ली थी। अंत में भारतीय खिलाड़ियों ने दो अंक गंवाए, लेकिन इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ा और उन्होंने 11 अंकों के अंतर से स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। पुरूष टीम में अभिषेक वर्मा, प्रियांश और प्रथमेश एफ ने नीदरलैंड को 238-231 से मात दी। नीदरलैंड की टीम में माइक शोलेसर, सिल पीटर और स्टेफ विलेम्स थे।

अश्मिता, प्रिया-श्रुति ने भारत को कनाडा पर 2-0 की बढ़त दिलाई

चेंगदू (चीन), एजेंसी। अश्मिता चालिहा (विश्व रैंक 53) ने शनिवार को यहां उबेर कप 2024 में राष्ट्रमंडल खेलों की पूर्व चैंपियन कनाडा की मिशेल ली (विश्व रैंक 25) को सीधे गेमों में 26-24, 24-22 से हराया। .प्रिया और श्रुति मिश्रा ने भी जेसलिन चोई और कैथरीन चाउ के खिलाफ अपना पहला मैच 21-12, 21-10 से जीतकर भारतीय महिलाओं को कनाडा के खिलाफ अपने पहले ग्रुप चरण मुकाबले में 2-0 की बढ़त दिला दी। महिला टीम को उबेर कप ग्रुप ए में रखा गया है और कनाडा और 15 खिताबों के साथ आयोजन के इतिहास की सबसे सफल टीम चीन के बाद सिंगापुर से 30 अप्रैल को भिड़ेगी। इस साल की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद महिला टीम ने उबेर कप 2024 के लिए क्वालीफाई किया।

दिल्ली ने मुंबई को 10 रन से हराया

फेजर-मैगर्क ने 84 रन बनाए, रसिख-मुकेश को 3 विकेट, तिलक ने लगाई फिफ्टी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स को मुंबई इंडियंस ने 10 रन से हरा दिया। दिल्ली ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 257 रन बनाए। मुंबई ने भी कड़ी टक्कर दी लेकिन टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 247 रन ही बना सकी। दिल्ली से जैक फ्रेजर-मैगर्क ने 27 बॉल पर 84 रन की पारी खेली। उन्होंने पारी में 11 चौके और 6 सिक्स लगाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने 47 और शाई होप ने 41 रन बनाए। मुंबई की ओर से ल्यूक वुड, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला और मोहम्मद नबी को 1-1 विकेट मिला। मुंबई से तिलक वर्मा ने 63, हार्दिक पंड्या ने 46 और टिम डेविड ने 37 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव 26 और ईशान किशान 20 रन बनाकर आउट हुए। दिल्ली से रसिख सलाम और मुकेश कुमार ने 3-3 विकेट लिए। 2 सफलताएं खलील अहमद को भी मिलीं।

लक्ष्य हासिल करने के बाद करेन ने कहा, क्रिकेट बेसबॉल में बदल रहा है

कोलकाता, एजेंसी। जॉनी बेयरस्टो के नाबाद 108 और शशांक सिंह के नाबाद 68 रनों की बदौलत पंजाब किंग्स ने 262 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स पर आठ विकेट से जीत हासिल की। पंजाब के कप्तान सैम करेन ने इस ऐतिहासिक जीत पर कहा, क्रिकेट बेसबॉल में बदल रहा है, है ना? मंच प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में तैयार किया गया था, जहां पंजाब किंग्स ने 262 रनों के साहसिक लक्ष्य का पीछा किया। कुछ समय तक बाहर रहने के बाद किंग्स टीम में वापसी करते हुए जॉनी बेयरस्टो ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मैच पर कब्जा कर लिया और सिर्फ 48 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए। चौथे नंबर पर आए शशांक सिंह ने चुनौती को उत्साह के साथ स्वीकार किया और 28 गेंदों में नाबाद 68 रन बनाकर सीजन के बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली। करेन ने मैच के बाद की प्रस्तुति में कहा, क्रिकेट बेसबॉल में बदल रहा है, है ना? यह बिल्कुल अविश्वसनीय था।हम कहां से शुरू करें? दो अंकों से पूरी तरह खुश हूं। ऐसे मैच दुनिया की सोच से बाहर हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एक टीम के रूप में हमारे लिए कुछ सप्ताह कठिन रहे हैं (यह किंग्स की पांच मैचों में पहली जीत थी) लेकिन हम वास्तव में वहां फंस गए थे। हमने टीमों को तार-तार कर दिया है और, मुझे लगता है, स्कोर के बारे में भूल जाओ... मुझे लगा कि हम वास्तव में जीत के हकदार थे। शुक्रवार के मैच में किसी टी20 मैच में सर्वाधिक छक्के (42) भी लगे। इसने पिछले महीने हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के 38 हिट और पिछले हफ्ते बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और एसआरएच के 38 हिट को पीछे छोड़ दिया।

करेन ने कहा, हां, मुझे लगता है कि इसमें बहुत सारी अलग-अलग चीजें शामिल हो गई हैं। मुझे लगता है कि जिस तरह से लोग प्रशिक्षण लेते हैं वह स्पष्ट रूप से बहुत बड़ा है और वे लंबे समय तक गेंदों को हिट कर सकते हैं। मुझे लगता है कि यह आत्मविश्वास, कोच और जिस तरह से हम प्रशिक्षण ले रहे हैं, वह है। आइए ईमानदार रहें - छोटे मैदान, थोड़ी ओस के साथ और गेंद (गीली हो जाती है) और कभी-कभी आपको वाइड कॉल मिलती है। आपको लगता है कि आपके पास डॉट बॉल है, आप इसकी समीक्षा करते हैं और फिर यह वाइड हो जाती है। इसलिए, हाँ, यह नहीं कहा जा रहा है कि यह बल्लेबाज़ का खेल है ...मुझे यकीन है कि हर कोई छक्के देखना चाहता है। मुझे लगता है कि आंकड़े निश्चित रूप से उन छोटे-छोटे क्षणों को जीतने के बारे में हैं।

पंजाब ने टी-20 का सबसे बड़ा चेज किया

कोलकाता में लगे रिकॉर्ड 42 छक्के, इनमें पंजाब ने 24 सिक्स लगाए

कोलकाता, एजेंसी।इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार की रात रिकॉर्ड-ब्रेकिंग रही। कोलकाता ने अपने होमग्राउंड पर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 261 रन बनाए। टूर्नामेंट के 17वें सीजन में 7वीं बार 250 से ज्यादा रन का स्कोर पार हुआ। इतना कम ही था कि पंजाब ने इस रिकॉर्ड स्कोर को 18.4 ही ओवर में चेज कर दिया। जो टी-20 इतिहास का सबसे सफल चेज है। मैच में कुल 42 छक्के लगे, जो एक टी-20 मैच में पहली बार ही हुआ।

पंजाब किंग्स ने जॉनी बेयरस्टो की सेंचुरी और शशांक सिंह की फिफ्टी की मदद से 18.4 ओवर में 262 रन का स्कोर चेज किया। यह किसी भी टी-20 मैच का सबसे बड़ा रन चेज है। इससे पहले पिछले ही साल साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 259 रन टारगेट चेज किया था। तब साउथ अफ्रीका ने भी 19वें ओवर में ही टारगेट हासिल कर लिया था।

पंजाब ने आईपीएल इतिहास का भी सबसे सफल चेज किया। इससे पहले राजस्थान ने पंजाब के ही खिलाफ 2020 में 224 रन चेज किए थे। पंजाब ने 262 रन बनाकर इस रिकॉर्ड में पहला स्थान हासिल कर लिया।

पंजाब ने आईपीएल रन चेज में भी सबसे बड़ा स्कोर बनाने की बराबरी की। इससे पहले आरसीबी ने इसी सीजन एसआरएच के खिलाफ 288 रन का टारगेट चेज करते हुए 20 ओवर में 262 रन बनाए थे।

पंजाब किंग्स ने कोलकाता के खिलाफ पारी में कुल 24 छक्के लगाए। यह एक आईपीएल पारी में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने का रिकॉर्ड है। टीम ने एसआरएच का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने आरसीबी के खिलाफ इसी साल 22 छक्के लगाए थे।

पंजाब और कोलकाता के बीच मैच में कुल 42 छक्के लगे, केकेआर ने 18 और पंजाब ने 24 सिक्स लगाए। इसी के साथ टी-20 के एक मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगने का रिकॉर्ड भी इसी मैच के नाम बन गया।

पर्यटकों के लिए 1 मई से बंद होगा धर्मशाला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

नईदिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में होने वाले आईपीएल मैचों की तैयारियों के चलते धर्मशाला स्टेडियम में 1 मई से पर्यटकों का प्रवेश रहेगा। अब मैचों के बाद ही बाहरी राज्यों और प्रदेश के विभिन्न जिलों से आने वाले पर्यटकों को स्टेडियम में प्रवेश दिया जाएगा। धर्मशाला स्टेडियम में 5 और 9 मई को आईपीएल मैच खेले जाने हैं। 5 मई को पंजाब किंग्स इलेवन और चेन्नई सुपर किंग के बीच मैच खेला जाएगा। 9 मई को पंजाब किंग्स इलेवन और रॉयल चैलेंजर बंगलुरू की भिड़ंत होगी। पंजाब और चेन्नई की टीमें तीन मई को धर्मशाला पहुंच जाएंगी। टीमों के ठहरने के लिए क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से रेडिसन ब्लू होटल में व्यवस्था की गई है। एचपीसीए की ओर से स्टेडियम में चल रहे कामों को भी दो मई तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। स्टेडियम के स्टैंडों की साफ-सफाई की जा रही है।

तीरंदाजी विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचीं दीपिका, कोरियाई प्रतिद्वंद्वी को जियोन को 6-4 से हराया

शंघाई (चीन), एजेंसी। मां बनने के बाद दीपिका ने फरवरी में एशिया कप का स्वर्ण जीता था। उन्होंने अंतिम बार विश्वकप का स्वर्ण पेरिस में 2021 में जीता था। दिसंबर, 2022 में मां बनने के बाद से दीपिका कुमारी के शानदार प्रदर्शन क्रम जारी है। तीन बार की ओलंपियन इस तीरंदाज ने विश्वकप स्टेज-1 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दीपिका ने क्वार्टर फाइनल में कोरिया की जियोन हुनयंग को पिछड़ने के बाद 6-4 से पराजित किया। उनका सेमीफाइनल में सामना एक अन्य कोरियाई तीरंदाज नाम सुहयोन से होगा।

तीन वर्ष पहले विश्वकप का स्वर्ण जीती थीं दीपिका

142वीं विश्व रैंकिंग पर फिसल गईं दीपिका रैंकिंग राउंड 30वें स्थान पर थीं। दीपिका जियोन के खिलाफ एक समय 1-3 से पिछड़ी हुई थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए अगले दो सेट जीते और पांचवां सेट पर बराबरी पर रखते हुए 27-28-27-27, 29-28, 29-27, 28-28 से जीत हासिल कर ली। मां बनने के बाद दीपिका ने फरवरी में एशिया कप का स्वर्ण जीता था। उन्होंने अंतिम बार विश्वकप का स्वर्ण पेरिस में 2021 में जीता था।

ज्योति-अभिषेक मिश्रित स्पर्धा के फाइनल में

कंपाउंड तीरंदाजी में भारतीय तीरंदाजों का शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी है। ज्योति सुरेखा और अभिषेक वर्मा ने मिश्रित स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश कर एक और पदक पक्का कर लिया। ज्योति-अभिषेक ने मेक्सिको की जोड़ी एंड्रिया बेसेरा और मैक्सिमो मेंडेज ओर्टिज को 155-151 से हराया। फाइनल में दोनों का सामना निचली रैंक के एस्टोनिया की टीम से होगा। रिकर्व के मिश्रित स्पर्धा में अंकिता भक्त और बी धीरज को सेमीफाइनल में कोरिया के लिम और किम वूजिन से 0-6 से हार का सामना करना पड़ा। अब दोनों कांस्य पदक केलिए मेक्सिको की जोड़ी से खेलेंगे।

यूपी के 10 शहरों में खेला जाएगा लीजेंड्स टेन-10 लीग, टूर्नामेंट से जुड़ेंगे गंभीर-रैना जैस दिग्गज

नई दिल्ली, एजेंसी। लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) टेन-10 लीग अपना महाअभियान शुरू करने के लिए तैयार है। टेनिस बॉल से खेले जाने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट में 80 टीमों और 1280 खिलाड़ियों की भागीदारी होने वाली है। उत्तर प्रदेश के दस स्थलों गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़ और मेरठ में लीग के 300 मैच खेले जाएंगे। प्रत्येक टीम में एक लीजेंड मेंटर होगा।

ये दिग्गज क्रिकेटर होंगे टूर्नामेंट का हिस्सा

प्रतिभागी टीमों से गौतम गंभीर, हरभजन सिंह, क्रिस गेल, इरफान पठान, सुरेश रैना, ब्रेट ली, मोहम्मद कैफ, रोबिन उथप्पा और शेन वॉटसन जैसे दिग्गज खिलाड़ी जुड़ेंगे। इस पहल का उद्देश्य क्रिकेटरों को केंद्र सरकार के फिट इंडिया अभियान के तहत फिटनेस पर ध्यान देने, क्रिकेट के कौशल को निखारने और खेल भावना का विकास करना है।

समाज में योगदान देने पर विश्वास

टेन-10 लीग के बारे में एलएलसी के सह-संस्थापक रमन रहेजा कहते हैं कि लीजेंड्स लीग क्रिकेट समाज में योगदान देने में विश्वास रखता है। यह भारत सरकार की पहल फिट इंडिया का हिस्सा बन गया है। हम हर उम्र और हर तबके के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने चाहते हैं ताकि वे क्रिकेट के माध्यम से स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं। उन्हें क्रिकेट के गुरुओं के मार्गदर्शन में शामिल कर हम उन्हें कौशल और फिटनेस बढ़ाने का अवसर दे रहे हैं।उन्होंने बताया कि सभी प्रमुख स्पोर्ट्स ओटीटी पर बेहतरीन प्रोडक्शन क्वालिटी के साथ पूरा टूर्नामेंट स्ट्रीम किया जाएगा। नई प्रतिभाओं को पूरी दुनिया में पहुंच और पहचान मिलेगी। नई हाइपर लोकल क्रिकेट टूर्नामेंट में उम्र की सीमा नहीं रहेगी। किसी को भी प्रीमियम क्रिकेट खेलने का मौका मिल सकता है। टूर्नामेंट खेल प्रेमियों के लिए उनके पसंदीदा दिग्गज खिलाड़ियों के साथ मिलने और जुड़ने का एक बड़ा अवसर होगा।

स्ट्राइक-रेट को लेकर आलोचना झेल रहे विराट कोहली को मिला विश्व कप विजेता कप्तान का सपोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एरोन फिंच ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 43 गेंदों में 51 रन बनाने के बाद उनकी पारी का बचाव करते हुए कहा कि कभी-कभी एक सेट बल्लेबाज की भूमिका खेल को गहराई तक ले जाने की होती है जो कहीं न कहीं बाउंड्री मारने के इरादे को सीमित करता है. आरसीबी के लिए पारी की शुरुआत करते समय, कोहली पावरप्ले में तेज थे और उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों में 23 रन बनाए, लेकिन टी नटराजन और शाहबाज अहमद के कुछ कड़े ओवरों के कारण उन्हें 32 गेंदों में अपने अगले 28 रन बनाने में मेहनत करनी पड़ी.

प्रियंका ने किराए पर दिया पुणे वाला बंगला

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और उनकी फैमिली ने अपना पुणे वाला बंगला किराए पर दे दिया है?। प्रियंका और उनके पति निक ने पिछले साल मुंबई वाले अपने दो पेंटहाउस भी बेच दिए थे। जानिए प्रियंका और परिवार को हर महीने इस बंगले का कितना किराया मिलेगा। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपना पुणे स्थित बंगला किराए पर दे दिया है, और अब इससे हर महीने वह लाखों रुपये की कमाई करेंगी। प्रियंका के परिवार ने यह बंगला द अर्बन नोमैड्स कम्युनिटी प्राइवेट लिमिटेड नाम की फर्म को 2 लाख रुपये प्रति महीने किराए पर दिया है। एक्ट्रेस की मां मधु चोपड़ा और भाई सिद्धार्थ ने इस फर्म के साथ डील साइन की। मधु चोपड़ा और सिद्धार्थ ने 21 मार्च को रजिस्ट्री करवाई थी। फर्म ने प्रियंका के परिवार को इस बंगले के लिए 6 लाख रुपये का डिपॉजिट भी दिया। अब यह हर महीने 2.06 लाख का किराया भी देगी।

प्रियंका के पुणे वाले बंगले का एरिया

यह बंगला पुणे के कोरेगांव पार्क में स्थित है। इसका आकार यानी प्लॉट साइज 3754 स्क्वायर फुट है, जबकि ग्राउंड फ्लोर 2180 स्क्वायर फुट, बेसमेंट एरिया 950 स्क्वायर फुट और गार्डन एरिया 2232 स्क्वायर फुट है। वहीं, पार्किंग एरिया 400 स्क्वायर फुट है।

6 करोड़ में बेचे थे दो पेंटहाउस, 2021 में किराए पर लिया था ऑफिस

मालूम हो कि साल 2023 में प्रियंका चोपड़ा और पति निक जोनस ने ओशिवाड़ा के लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स में स्थित अपने दो पेंटहाउस 6 करोड़ रुपये में बेच दिए थे। इनका बिल्ट-अप एरिया 2,292 स्क्वायर फुट था। इनमें से एक पैंटहाउस जहां 2.25 करोड़ रुपये में बिका, तो वहीं दूसरा पेंटहाउस 3.75 में बेचा गया। इससे पहले प्रियंका चोपड़ा ने लोखंडवाला में मौजूद अपनी कमर्शियल प्रॉपर्टी को 7 करोड़ रुपये में बेच दिया था। वहीं जून 2021 में, प्रियंका चोपड़ा ने ओशिवाड़ा के अंधेरी-वेस्ट एरिया में 2,040 स्क्वायर फुट में फैली बिल्डिंग में 2.11 लाख रुपये में ऑफिस के लिए सेकेंड फ्लोर लिया था।

निर्देशक ने किया खुलासा

पति सूर्या के मनाने पर श्रीकांत में काम करने को तैयार हुईं ज्योतिका

ज्योतिका बीते दिनों फिल्म शैतान में नजर आई थीं। अब उनकी अगली फिल्म श्रीकांत भी रिलीज को तैयार है। श्रीकांत के निर्देशक ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि ज्योतिका ने पहले फिल्म करने से इनकार कर दिया था। अभिनेत्री ज्योतिका फिल्मी दुनिया की जानी-मानी हस्ती हैं। उन्होंने हिंदी, तामिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया है। हाल में ही वह अभिनेता अजय देवगन और माधवन के साथ शैता में नजर आई थीं। इस फिल्म से उन्होंने हिंदी सिनेमा में वापसी की थी। ज्योतिका, राजकुमार राव की आगामी फिल्म श्रीकांत में एक बार फिर से पर्दे पर नजर आने वाली हैं। हालांकि, इस फिल्म के लिए उन्होंने शैतान से पहले ही हामी भर दी थी। शैतान के बाद ज्योतिका तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित श्रीकांत में दिखने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता राजकुमार राव भी नजर आएंगे, जो फिल्म में श्रीकांत का रोल अदा कर रहे हैं। एक इंटरव्यू में तुषार ने खुलासा किया है कि इस फिल्म के लिए ज्योतिका को उनके पति सूर्या ने राजी किया था। सूर्या साउथ फिल्मों के सुपरस्टार हैं। उन्हें साल 2020 में फिल्म सोरारई पोटरू के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिल चुका है।

ज्योतिका ने श्रीकांत को कर दिया था मना

फिल्म श्रीकांत के निर्देशक ने बताया कि वे ज्योतिका के बहुत बड़े फैन हैं। उन्होंने ज्योतिका की कई तामिल फिल्में देखीं थीं। उन्हें हमेशा से लगता था कि ज्योतिका एक बेहतरीन अदाकारा हैं। जब तुषार फिल्म में शिक्षिका के किरदार को लेकर अभिनेत्री के पास पहुंचे तो उन्होंने ये किरदार करने से मना कर दिया। ज्योतिका ने उन्हें ये कहते हुए इनकार कर दिया कि वह इस किरदार को नही निभा पाएंगी। इसके अगले दिन ही अभिनेत्री ने उन्हें वापस से फोन कर घर बुलाया और फिल्म के लिए हां कर दी।

कहा- शहर में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं

मुंबई शिफ्ट हो रहे यूट्यूब सेंसेशन भुवन

एक्टर और यूट्यूब सेंसेशन भुवन बाम दिल्ली से मुंबई शिफ्ट कर रहे हैं। उनका मानना है कि शहर में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। भुवन वर्तमान में ताजा खबर 2 के प्रोजेक्ट की शूटिंग में काफी बिजी हैं। भुवन ने कहा, मैं मुंबई में अपने करियर के इस नए चैप्टर को शुरू करने के लिए रोमांचित हूं। शहर में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। मैंने हमेशा मुंबई की वाइब्रेंट एनर्जी देखी है और उसकी ओर आकर्षित रहा हूं, और अब, चूंकि मेरा काम यहां ज्यादा रहता है, इसलिए मुझे यहां शिफ्ट होना सही लगा।

हिमांक गौड़ द्वारा निर्देशित और हुसैन और अब्बास दलाल की जोड़ी द्वारा लिखित ताजा खबर 2 में महेश मांजरेकर, देवेन भोजानी, शिल्पा शुक्ला, प्रथमेश परब, नित्या माथुर और अन्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। बीबी की वाइन्स प्रोडक्शंस के बैनर तले रोहित राज और भुवन बाम द्वारा निर्मित, ताजा खबर 2 जल्द ही डिज्नी+हॉटस्टार पर आएगी।

निमरत कौर ने आगामी फिल्म की बारें में बात की

अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट की शूटिंग में बिजी एक्ट्रेस निम्रत कौर ने बताया कि रात की शूटिंग के बारे में सबसे अच्छा क्या है। निम्रत मुंबई के मड आइलैंड पर शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पानी, जो नीला दिखाई दे रहा है और उगते सूरज की एक तस्वीर शेयर की। एक्ट्रेस ने इसे कैप्शन दिया, रात की शूटिंग का एकमात्र अच्छा हिस्सा। हालांकि एक्ट्रेस ने मड आइलैंड पर अपनी शूटिंग के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

काजोल ने वर्कआउट की तस्वीर की शेयर

सनग्लासेज पहने मशीन पर लेटी हुई आई नजर

काजोल ने इंस्टाग्राम पर अपनी पिलेट्स क्लासेस से वर्कआउट की एक मजेदार तस्वीर शेयर की और फैंस से पूछा कि वे यह बताएं उनकी यह तस्वीर एक्सरसाइज से पहले की है या बाद की। फोटो में एक्ट्रेस एथलीजर और सनग्लासेज पहने पिलेट्स मशीन पर लेटी हुई नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, चूंकि हर कोई जानना चाहता है कि मेरा वर्कआउट कैसा दिखता है... यहां एक तस्वीर है... अब बताओ ये वर्कआउट के पहले की है या बाद की। वर्कफ्रंट की बात करें तो, काजोल जल्द ही कृति सेनन और शाहीर शेख के साथ दो पत्ती में दिखाई देंगी। शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित, यह रहस्य थ्रिलर फिल्म उत्तर भारत की पहाड़ियों में स्थापित एक मनोरम कहानी को दर्शाएगी।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलने के लिए सोलो ट्रिप जरूरी: भाग्य लक्ष्मी फेम ऐश्वर्या खरे

शो भाग्य लक्ष्मी में लक्ष्मी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस ऐश्वर्या खरे बिजी शूटिंग शेड्यूल से ब्रेक लेकर सेशेल्स में अपना बर्थडे सेलिब्रेट करने लिए सोलो ट्रिप पर गईं। ऐश्वर्या ने कहा, अपने बर्थडे के आसपास सोलो ट्रिप करना एक ऐसी चीज थी जिसका मैं बहुत लंबे समय से इंतजार कर रही थी। मेरा मानना है कि अकेले ट्रिप पर जाना जरूरी है। यह आपको खुद को खोजने, आत्मविश्वास हासिल करने, अधिक आत्मनिर्भर बनने और कंफर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद करता है। मुझे ऐसी जगहों पर जाना पसंद है जो मुझे प्रकृति के करीब महसूस कराती है और मुझे वहां के स्थानीय लोगों से जोड़ती है जो एक सरल और शांत जीवन जीते हैं। सेशेल्स जाना मेरी विश लिस्ट में था, और मैं बहुत खुश हूं कि मैं इस साल यहां आयी।

एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने स्कूबा डाइविंग भी की। उन्होंने कहा, यह मेरी पसंदीदा एक्टिविटी में से एक है, हर बार जब मैं इसे करती हूं तो यह मेडिटेशन जैसा लगता है। पानी के अंदर जलीय जीवन की खोज करना आपको स्वर्गीय एहसास दिलाता है। अगर मेरा बस चले तो मैं पानी में रहना पसंद करूंगी। मैं कह सकती हूं कि यह सबसे अच्छे जन्मदिन में से एक था। भाग्य लक्ष्मी जी टीवी पर प्रसारित होता है।

रवि किशन को मिली राहत

● कोर्ट ने खारिज की बेटी का दावा करने वाली शिनोवा की अर्जी

भोजपुरी अभिनेता और बीजेपी नेता रवि किशन को डीएनए टेस्ट मामले में डिंडोशी कोर्ट की ओर से राहत मिल गई है। भोजपरी अभिनेता रवि किशन को डीएनए टेस्ट मामले में बड़ी राहत मिली है। मुंबई की डिंडोशी कोर्ट ने शिनोवा नाम की महिला की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें महिला ने अभिनेता रवि किशन के डीएनए टेस्ट करवाने की मांग की थी। शिनोवा शुक्ला की उम्र 25 साल है। शिनोवा खुद को रवि किशन की बेटी बता रही थी। इस बात को साबित करने के लिए महिला ने अभिनेता के डीएनए टेस्ट की मांग की थी, जिसको कोर्ट ने अब खारिज कर दिया है।

इंस्टाग्राम की सबसे बदनाम ठग पर बनी डॉक्यूमेंट्री, कैंसर पीड़ित बताकर जुटाए लाखों फॉलोअर

कैंसर के नाम पर जुटाए फॉलोअर

बेले गिब्सन सोशल मीडिया के मशहूर नामों में से एक नाम है। साल 2013 की बात है जब उन्होंने पूरी दुनिया के सामने खुद को कैंसर पीड़ित बताया था। इतना ही नहीं उन्होंने अपने फॉलोअर्स से यह भी साझा किया था कि वे एक सिंगल-मां हैं। दुनिया ने उनकी बात को सच मान लिया था। रातों-रात उनके लाखों फॉलोअर्स बढ़ गए थे।

बेले गिब्सन सोशल मीडिया के मशहूर नामों में से एक नाम है। साल 2013 की बात है जब उन्होंने पूरी दुनिया के सामने खुद को कैंसर पीड़ित बताया था। सोशल मीडिया पर एक से बढ़कर एक ठग आपको मिल जाएंगे। खुद को मशहूर बनाने के लिए और फॉलोअर्स जुटाने के लिए लोग किस हद तक गिर सकते हैं इस बात को ऑस्ट्रेलियाई इन्फ्लुएंसर बेले गिब्सन ने साबित किया है। वही बेले गिब्सन जिन्हें कभी कॉस्मोपॉलिटन ने सबसे निडर और दिलचस्प महिला का खिताब दिया था। अब खबर आ रही है कि उनकी जिंदगी पर डॉक्यूमेंट्री का निर्माण किया गया है।

-साभार एजेंसी